{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 19 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 05 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 265
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	77,409.98
निफ्टी	-	24,168.00
सोना	-	1,58,101
चांदी	-	2,60,000
डॉलर	-	94.23

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

राज्यसभा चुनाव

झारखंड में क्रॉस वोटिंग, कांग्रेस उम्मीदवार की हार

नई दिल्ली। 12 राज्यों की 26 राज्यसभा सीटों के लिए गुरुवार को चुनाव प्रक्रिया पूरी हो गई। इनमें से 19 सीटें NDA को, इंडिया ब्लॉक को 6 और एक सीट मिजोरम की जोराम पीपुल्स मूवमेंट को मिली। इस चुनाव में NDA और इंडिया ब्लॉक को एक-एक सीट का फायदा हुआ।

गुरुवार को झारखंड की 2 और मिजोरम की एक राज्यसभा सीटों के रिजल्ट आए। झारखंड में एक सीट NDA समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार उद्योगपति परिमल नाथवानी और दूसरी झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार बैद्यनाथ राम ने जीती।

झारखंड में क्रॉस वोटिंग की वजह से परिमल को जीत दर्ज मिली। यहां 3 वोट अवैध पड़े। कांग्रेस ने आरजेडी और लेफ्ट पर साथ ना देने का आरोप लगाया। वहीं, मिजोरम की एक सीट पर जोराम पीपुल्स मूवमेंट प्रत्याशी के. लल्टलुआंगकिमा जीते।

भाजपा समर्थित उद्योगपति नाथवानी जीते, 12 राज्यों की 26 सीटों में से 19 NDA को

झारखंड में कैसे हुई वोटिंग, पूरा गणित समझें

झारखंड में 81 विधायक हैं। राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 28 विधायकों के समर्थन की जरूरत होती है। अभी की मौजूदा स्थिति में NDA के 24, JMM-कांग्रेस के गठबंधन के 56 और JKLM का एक विधायक है।

JMM के प्रत्याशी बैद्यनाथ राम को 31 वोट मिले हैं। इस तरह उनकी जीत तय हो गई।

दूसरी सीट के लिए छ्र समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी और कांग्रेस के प्रणव झा के बीच मुकाबला हुआ। नाथवानी को 30 वोट मिले, इनमें दो अवैध हो गए। वहीं, प्रणव झा को 20 मिले, इसके एक वोट अवैध हो गया।

नाथवानी को एनडीए के 24 और 4 वोट क्रॉस वोटिंग में मिले और वह जीत गए।

26 में से 23 सीटों पर निर्विरोध उम्मीदवार जीते

10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों पर कार्यकाल पूरा होने के बाद चुनाव हुए। इनमें से 8 राज्यों की 21 सीटों पर प्रत्याशी निर्विरोध जीते, जबकि 2 राज्य (झारखंड और मिजोरम) की 3 सीटों पर उम्मीदवार ज्यादा होने की वजह से चुनाव हुए। वहीं, महाराष्ट्र और तमिलनाडु की एक- एक सीट पर उपचुनाव हुए, इनमें भी प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए।

मिजोरम से ZPM का कोई सांसद पहली बार राज्यसभा पहुंचा

मिजोरम की सत्तारूढ़ जोराम पीपुल्स मूवमेंट का कोई सांसद पहली बार राज्यसभा पहुंचा है। के लल्टलुआंगकिमा ने राज्य की एकमात्र राज्यसभा सीट जीत ली है। लल्टलुआंगकिमा को 36 में से 26 वोट मिले, जबकि विपक्षी मिजो नेशनल फ्रंट (म्न्ह्र) की उम्मीदवार जोथानसांगी हमार को 10 वोट मिले।

भाजपा के दो और कांग्रेस के एक विधायक ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया, जबकि ZPM के एक विधायक स्वास्थ्य कारणों से वोट नहीं डाल सके। 2017 में बनी ZPM के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। लल्टलुआंगकिमा पार्टी के पहले राज्यसभा सांसद बने हैं। वह 1972 के बाद राज्यसभा पहुंचने वाले मिजोरम के आठवें नेता हैं। राज्य में विधानसभा की 40 सीटें हैं।

राज्य	कौन जीता
कर्नाटक, 4 सीटें	3 कांग्रेस, 1 भाजपा मल्लिकार्जुन खड़गे (कांग्रेस), पवन खेड़ा (कांग्रेस), मंसूर अली खान (कांग्रेस), एम. नागराजा (भाजपा)
राजस्थान, 3 सीटें	2 भाजपा और 1 कांग्रेस सतीश पूनिया (भाजपा), अलका गुर्जर (भाजपा), नीरज डांगी (कांग्रेस)
गुजरात, 4 सीटें	4 भाजपा राजू शुक्ल (भाजपा), मानसिंह परमार (भाजपा), मुकेश राठवा (भाजपा), जितेंद्र वेकारिया (भाजपा)
मध्य प्रदेश, 3 सीटें	3 भाजपा रजनीश अग्रवाल, तरुण चुघ, महेश केवट
आंध्र प्रदेश, 4 सीटें	3 TDP, 1 जन सेना बएयाम रामकृष्ण (TDP), लिंगमनेनी रमेश (TDP), सी. विजय (TDP), सना सतीश बाबु (जनसेना)
झारखंड 2 सीटें	के बैद्यनाथ राम (JMM), प्रणव झा (कांग्रेस), परिमल नथवानी (भाजपा)
मिजोरम 1 सीट	के. लल्टलुआंगकिमा (ZPM)
मणिपुर, 1 सीट	ए. शारदा देवी (भाजपा)
अरुणाचल, 1 सीट	ताई तागाक (भाजपा)
मेघालय, 1 सीट	जेम्स संगमा (NPP)

दो राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव

राज्य	कौन जीता
महाराष्ट्र, 1 सीट	राजेंद्र जैन (NCP)
तमिलनाडु, 1 सीट	प्रवीण चक्रवर्ती (कांग्रेस)

खास खबर

दुनिया के सबसे खूबसूरत हवाई अड्डों में भारत के दो एयरपोर्ट शामिल

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय विमानन पुरस्कारों के तहत वर्ष 2026 के लिए जारी दुनिया के सबसे खूबसूरत हवाई अड्डों की सूची में भारत के दो एयरपोर्ट—नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और गुवाहाटी का लोकप्रिया गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा—शामिल किए गए हैं। यह सूची यात्रियों के अनुभव, वास्तुकला, डिजाइन, सुविधाओं और सांस्कृतिक पहचान के आधार पर तैयार की गई है। नवी मुंबई एयरपोर्ट अपनी आधुनिक संरचना, अत्याधुनिक तकनीक और भारतीय वास्तुकला से प्रेरित डिजाइन के कारण चर्चा में है। वहीं गुवाहाटी एयरपोर्ट को पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति, प्रकृति और स्थानीय कला को खूबसूरती से प्रस्तुत करने के लिए सराहा गया है। इस उपलब्धि से भारत की वैश्विक विमानन क्षेत्र में बढ़ती पहचान को नई मजबूती मिली है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे पर्यटन और निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा।

असम में 14.5 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं जब्त

गुवाहाटी। असम पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 14.5 करोड़ रुपये मूल्य की नशीली दवाएं जब्त की हैं। इस अभियान में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें राज्य के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर मादक पदार्थों की खेप बरामद की गई। अधिकारियों ने बताया कि बरामद नशीले पदार्थों में हेरोइन और अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थ शामिल हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह खेप कहां से लाई गई थी और इसके पीछे कौन-सा तस्करी नेटवर्क सक्रिय था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पुलिस पूरे गिरोह की कड़ियां जोड़ने का प्रयास कर रही है।

टेलीग्राम बैन पर हाईकोर्ट सख्त, पूछा- पूरे प्लेटफॉर्म पर रोक क्यों?

-केंद्र का दावा- साइबर अपराध, पेपर लीक और आतंकवादी गतिविधियों में हो रहा इस्तेमाल

-टेलीग्राम ने कहा- अवैध सामग्री हटाने में पूरा सहयोग किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के री-एग्जाम से पहले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने महत्वपूर्ण सवाल उठाते हुए पूछा कि किसी एक घटना को रोकने के लिए पूरे प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता क्यों पड़ी।

मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने केंद्र सरकार, टेलीग्राम और अन्य पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत ने पक्षकारों को शाम 7 बजे तक अतिरिक्त लिखित प्रस्तुतियां दाखिल करने की अनुमति भी दी। केंद्र सरकार ने अदालत में दाखिल हलफनामे में दावा किया कि टेलीग्राम का इस्तेमाल साइबर अपराध, परीक्षा प्रश्नपत्र लीक, बाल यौन शोषण सामग्री के प्रसार, आतंकवादी प्रचार और वित्तीय धोखाधड़ी जैसी गतिविधियों के लिए किया जा रहा है।

सरकार के अनुसार टेलीग्राम की गोपनीयता और उपयोगकर्ताओं की पहचान छिपाने वाली सुविधाएं इसे अपराधियों के लिए आकर्षक मंच बनाती हैं। जांच एजेंसियों का कहना है कि कई मामलों में अपराधियों की वास्तविक पहचान तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

हलफनामे में सरकार ने पांच प्रमुख चिंताएं भी रखीं- एक अकाउंट से बड़ी संख्या में बॉट बनाए जा सकते हैं। क्लाउड आधारित संरचना के कारण

उपयोगकर्ताओं का पता लगाना कठिन है। बड़े चैनलों के सदस्यों को कुछ ही सेकंड में दूसरे चैनलों में स्थानांतरित किया जा सकता है। संदेशों की तारीख और समय संपादित किए जा सकते हैं। अतीत में कथित रूप से परीक्षा संबंधी सामग्री की तारीख बदलकर भ्रामक जानकारी फैलाने के मामले सामने आए थे।

नीट री-एग्जाम से पहले लगाया गया प्रतिबंध

सरकार ने 21 जून को प्रस्तावित नीट री-एग्जाम से पहले टेलीग्राम पर अस्थायी रोक लगाई है। यह प्रतिबंध 22 जून 2026 तक लागू रहेगा। इसके अलावा कंपनी को 30 जून तक पहले भेजे गए संदेशों को संपादित करने की सुविधा सीमित करने का निर्देश भी दिया गया है। सरकार का तर्क है कि परीक्षा से पहले किसी भी प्रकार के पेपर लीक या भ्रामक सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए यह कदम आवश्यक था।

टेलीग्राम का पक्ष

टेलीग्राम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ध्रुव मेहता ने अदालत में कहा कि परीक्षा विवाद से बड़ी संख्या में छात्र प्रभावित हुए हैं और कंपनी इस गंभीरता को समझती है। लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि क्या किसी एक घटना के आधार पर पूरे प्लेटफॉर्म को बंद करना उचित है। कंपनी ने दावा किया कि अधिकारियों से 9 जून को विशिष्ट यूआरएल प्राप्त होने के एक घंटे के भीतर संबंधित सामग्री हटा दी गई थी। टेलीग्राम के अनुसार उसने नीट से जुड़ी अवैध या संदिग्ध सामग्री वाले 900 से अधिक लिंक हटाए हैं। कंपनी ने यह भी बताया कि नियमों के उल्लंघन की पहचान और रोकथाम के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग तकनीक और मैन्युअल मॉडरेशन का उपयोग किया जा रहा है।

पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली में पूर्व अग्निवीरों को 20 फीसदी आरक्षण मिलेगा। यह आरक्षण दिल्ली पुलिस, अग्निशमन सेवा, जेल और वन विभाग की समूह-ग भर्तियों में लागू होगा। उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त के साथ समीक्षा बैठक की। भर्ती नियमों में बदलाव की तैयारी तेज है। उपराज्यपाल ने कहा कि सभी योग्य पूर्व-अग्निवीरों के लिए भर्ती खुली रहेगी। इससे उन्हें समान अवसर मिल सकेंगे। यह देश के लिए उनकी सेवा को मान्यता देने का एक तरीका है। यह कदम उनके अनुभव का लाभ उठाने के लिए उठाया गया है। सभी संबंधित विभागों के लिए भर्ती नियमों में बदलाव की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इन जरूरी बदलावों को पूरा करने की समय-सीमा 30 जून तय की गई है। विभागों को इन भर्ती किए गए लोगों की विशेष क्षमताओं का उपयोग करने का अधिकार होगा। यह उपयोग उनकी ऑपरेशनल आवश्यकताओं के अनुसार किया जाएगा।

ममता बनर्जी को हाई कोर्ट से झटका

ऋतब्रत बनर्जी अभी बने रहेंगे नेता विपक्ष

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने फिलहाल बागी टीएमसी विधायक ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता बनाए जाने के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि, हाई कोर्ट ने इस मामले में कोई अंतरिम राहत नहीं दी। इसका मतलब है कि फिलहाल ऋतब्रत बनर्जी विपक्ष के नेता बने रहेंगे। लेकिन अदालत ने याचिका स्वीकार कर ली है और मामले की आगे सुनवाई करेगी। अंतिम फैसला बाद में लिया जाएगा।

बता दें कि तृणमूल कांग्रेस के विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने अदालत में याचिका दायर कर कहा था कि विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस ने उनकी दावेदारी खारिज कर गलत तरीके से बागी टीएमसी विधायक ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता नियुक्त कर दिया। हालांकि, हाई कोर्ट ने इस मामले में कोई अंतरिम राहत नहीं दी। यानी फिलहाल ऋतब्रत बनर्जी विपक्ष के नेता बने रहेंगे। लेकिन अदालत ने याचिका स्वीकार कर ली है और मामले की आगे सुनवाई करेगी। अंतिम फैसला बाद में लिया जाएगा। न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने विधानसभा अध्यक्ष के फैसले पर कोई अंतरिम आदेश देने से इनकार करते हुए मामले को अगली सुनवाई के लिए 28 जुलाई को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। अदालत ने याचिका में प्रतिवादियों को तीन सप्ताह के भीतर हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति राव ने कहा कि याचिकाकर्ता को इसके बाद दो सप्ताह के भीतर उन हलफनामों पर जवाब दाखिल करने का अवसर मिलेगा।

पेट्रोल बम हमले के 3 संदिग्ध गिरफ्तार

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमले के मामले में जांच एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले में अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया है कि 16 जून की रात करीब 11:35 बजे आरएसएस कार्यालय को निशाना बनाकर दो पेट्रोल बम फेंके गए थे। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस लगातार मामले की जांच में जुटी हुई हैं। रांची पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी झारखंड के निवासी हैं। इनमें एक आरोपी रांची जिले का रहने वाला है, जबकि दो अन्य आरोपी लोहरदगा जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। मामले में अन्य संदिग्धों की तलाश भी जारी है। जांच में पता चला है कि हमलावरों ने आरएसएस कार्यालय पर दो पेट्रोल बम फेंके थे। इनमें से एक पेट्रोल बम कार्यालय के मुख्य गेट के बाहर मिला, जबकि दूसरा कार्यालय की छत पर फेंका गया था। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन इसे गंभीर सुरक्षा चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

तेलंगाना में भीषण सड़क हादसों में सात की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना में गुरुवार का दिन सड़क हादसों के नाम रहा, जब राज्यभर में तीन अलग-अलग घटनाओं में करीब सात लोगों की जान चली गई। इन हादसों में तेज रफ्तार, अनियंत्रित वाहन और सड़क किनारे खड़े वाहनों से टक्कर मुख्य वजह बनी।

पहली दर्दनाक घटना हैदराबाद के पास मेडचल मलकाजगिरी जिले में हुई। यहां एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार उछलकर सड़क के दूसरी ओर जा गिरी और सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। यह हादसा तुर्कपल्ली और मुरहरपल्ली के बीच हुआ, जिसमें एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि कार करीमनगर से हैदराबाद की ओर आ रही थी और चालक ने अपना नियंत्रण खो चुका था।

एक अन्य घटना में, जंगांव जिले में हैदराबाद-वारंगल राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक लॉरी ने टायर पंक्चर होने के कारण सड़क पर खड़े एक मिनी ट्रक को टक्कर मार दी, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा तब हुआ जब मिनी ट्रक का चालक, एक सफाईकर्मी और एक अन्य व्यक्ति लिंगलघनपुर मंडल के नेल्लुतला के पास वाहन की मरम्मत कर रहे थे। मृतकों की पहचान रोहित, राजेंद्र और मधु के रूप में हुई है। रोहित जंगांव के देवुरुप्पला मंडल में एक किराने की दुकान चलाता था और अपनी दुकान के लिए हैदराबाद से किराने का सामान ला रहा था, जबकि मधु यादद्री भुवनगिरी जिले की रहने वाली थीं। हादसे में एक व्यक्ति ने मौके पर दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य की अस्पताल ले जाते समय या इलाज के दौरान मौत हो गई। तीसरी घटना विकाराबाद जिले में दर्ज की गई, जहां एक लॉरी और मोटरसाइकिल की टक्कर में एक व्यक्ति की जान चली गई। यह दुर्घटना परिगी मंडल के चिगुरलपल्ली के पास हुई। मृतक की पहचान मोमिंकलान निवासी 30 वर्षीय जावेद पाशा के रूप में हुई है।

कुछ ना कहना

विवादित वीडियो पर फिर बोले भगवंत मान, कहा- वायरल क्लिप पूरी तरह फर्जी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक बार फिर विवादित वायरल वीडियो को लेकर सफाई दी है। उन्होंने दावा किया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा वीडियो पूरी तरह फर्जी है और उनका नाम बदनाम करने के उद्देश्य से फैलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीडियो में दिखाई दे रहा व्यक्ति वह नहीं हैं और इस मामले को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। भगवंत मान ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ सुनियोजित दुष्प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार किसानों, युवाओं और राज्य के हितों से जुड़े मुद्दों पर काम कर रही है, जिससे कुछ राजनीतिक ताकतें परेशान हैं और इसी वजह से उनकी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वीडियो की किसी भी मान्यता प्राप्त फॉरेंसिक प्रयोगशाला से जांच कराई जा सकती है। उन्होंने दोहराया कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है और सच्चाई सामने आनी चाहिए। इससे पहले भी वह इस वीडियो को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार किया गया या छेड़छाड़ किया गया वीडियो बता चुके हैं। हालांकि इस मामले में विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। दूसरी ओर, अकाल तख्त से जुड़े प्रतिनिधियों ने वीडियो को प्रामाणिक बताया है, जबकि आम आदमी पार्टी के नेताओं का कहना है कि वीडियो में दिखाई देने वाला व्यक्ति भगवंत मान नहीं है।

शिवसेना (यूबीटी) में नई टूट के संकेत, संसदीय दल की बैठक से 6 सांसद नदारद

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में फिर बड़ा उलटफेर सामने आया है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के संसदीय दल में टूट की आशंका बढ़ गई है, जब दिल्ली में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी के 9 लोकसभा सांसदों में से केवल 3 ही उपस्थित हुए। बैठक में लोकसभा सांसद अनिल देसाई, अरविंद सावंत और राजाभाऊ वाजे शामिल थे, जबकि पार्टी ने सभी सांसदों के लिए व्हिप जारी किया था।

इस अनुपस्थिति पर यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि उनके सांसदों का अपहरण किया गया है और जो बैठक में नहीं आए, उन्हें जनता गद्दार के रूप में देखेगी। दूसरी ओर, शिंदे गुट के नेता चंद्रकांत रघुवंशी ने दावा किया है कि शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने ऑपरेशन टाइगर की सफलता बताया और कहा कि विलय संबंधी एक पत्र लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भी भेजा गया है। हालांकि, लोकसभा सचिवालय या कथित बागी सांसदों की ओर से अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यदि दावा सही साबित होता है, तब 2022 में हुए बड़े विभाजन के बाद उद्धव ठाकरे की पार्टी के लिए यह एक और बड़ा राजनीतिक झटका होगा, जिसने शिवसेना के नाम और चुनाव चिह्न पर लंबी कानूनी लड़ाई को जन्म दिया था। राजनीतिक विश्लेषक इस लोकसभा चुनावों के बाद महाराष्ट्र के बदलते समीकरणों और महाविकास अघाड़ी के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं।

खाई में गिरी बोलेरो गाड़ी, 7 की मौत

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा-मसरूंड मार्ग पर सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। इनमें मेहल गांव के एक ही परिवार के छह लोग शामिल हैं, जबकि सातवां मृतक ड्राइवर था। पुलिस ने सभी के शवों को खाई से निकाल कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। सूचना के अनुसार, गाड़ी में सवार सभी लोग काकड़ोथा गांव से मुंडन संस्कार में शामिल होकर बुधवार रात को घर लौट रहे थे। इस दौरान इनकी बोलेरो अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि सडक से गाड़ी लगभग 1200 फीट नीचे गिरी। इससे गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। आधी रात में हादसे की वजह से किसी को इसकी भनक नहीं लगी। सुबह के वक्त पुलिस को जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य में जुटी। मगर तब तक सभी लोगों की मौत हो चुकी थी।

मानसून की बेरुखी से बढ़ी परेशानी, भीषण गर्मी और बिजली कटौती से जनजीवन प्रभावित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जून का आधा महीना बीत जाने के बावजूद जिले में मानसून की सक्रियता दिखाई नहीं दे रही है। आसमान में बादल तो रोजाना मंडरा रहे हैं, लेकिन बारिश नहीं होने से लोगों को भीषण गर्मी और उमस का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बढ़ते तापमान और बिजली कटौती ने आमजन की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। वहीं किसान भी बारिश के इंतजार में आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं, क्योंकि समय पर वर्षा नहीं होने से खरीफ सीजन की तैयारियां प्रभावित होने लगी हैं।

जिले में पिछले एक सप्ताह से अधिकतम तापमान 39 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। सुबह 10 बजे के बाद ही तेज धूप निकलने लगती है और दोपहर होते-होते स्थिति लू जैसी हो जाती है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक सड़कों और बाजारों में सन्नाटा पसरा रहता है। जरूरी काम से निकलने वाले लोग सिर से लेकर पैर तक खुद को कपड़ों से ढंककर बाहर निकल रहे हैं। गर्मी के साथ उमस ने भी लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। दिन में तेज धूप और रात में उमस भरी गर्मी के कारण लोगों की नींद तक प्रभावित हो रही है। ऐसे में बार-बार होने वाली बिजली कटौती परेशानी को और बढ़ा रही है। शहर मुख्यालय में भी कई बार बिजली का आना-जाना लगा रहता है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और अधिक खराब बताई जा रही है। गांवों में प्रतिदिन तीन से चार घंटे तक अघोषित बिजली कटौती की शिकायतें सामने आ रही हैं। बिजली संकट का असर केवल घरों तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों की खेती भी इससे प्रभावित हो रही है। कई किसानों ने खेतों की जुताई और अन्य तैयारियां पूरी कर ली हैं, लेकिन बारिश नहीं होने के कारण बोवनी शुरू नहीं हो पा रही है। जिन किसानों के पास सिंचाई के लिए बोरवेल की सुविधा है, वे भी पर्याप्त बिजली नहीं मिलने के कारण खेतों तक पानी नहीं पहुंचा पा रहे हैं। स्थानीय निवासी महेश यादव ने बताया कि गर्मी से वैसे ही हाल बेहाल है, ऊपर से बिजली कटौती ने स्थिति और खराब कर दी है। उन्होंने कहा कि रात में बिजली चले जाने पर न पंखा चलता है और न कूलर, जिससे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी होती है। कई बार पूरी रात हाथ वाले पंखे से हवा करनी पड़ती है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द बारिश नहीं हुई तो धान की नर्सरी और बोवनी का कार्य प्रभावित हो सकता है। कृषि विभाग के अनुसार वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए खरीफ फसलों की बुआई 15 से 20 दिन तक पिछड़ सकती है, जिससे उत्पादन पर भी असर पड़ने की संभावना है। वहीं अस्पतालों, स्कूलों और अन्य संस्थानों में भी बिजली कटौती का असर देखने को मिल रहा है। लगातार बढ़ती गर्मी के कारण इन्वर्टर और जनरेटर भी जवाब देने लगे हैं, जिससे लोगों को अतिरिक्त परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल बंगाल की खाड़ी में बना मौसम तंत्र कमजोर है, जिसके कारण मानसून की रफ्तार धीमी बनी हुई है। विभाग का अनुमान है कि आगामी तीन से चार दिनों में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है, लेकिन जिले में अच्छी और व्यापक बारिश के लिए अभी 20 जून के बाद तक इंतजार करना पड़ सकता है। इधर बिजली विभाग का कहना है कि बढ़ते तापमान के कारण बिजली की मांग अचानक बढ़ गई है। अधिक लोड के चलते कई स्थानों पर ट्रांसफॉर्मर प्रभावित हो रहे हैं और मेंटेनेंस कार्य भी जारी है। विभाग का दावा है कि बारिश शुरू होने के बाद बिजली व्यवस्था में सुधार आएगा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्का एवं पौष्टिक भोजन करने तथा बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है। फिलहाल जिलेवासियों की निगाहें आसमान पर टिकी हैं और सभी को मानसून की पहली अच्छी बारिश का बेसब्री से इंतजार है।

कृषि महाविद्यालय बालाघाट के दो विद्यार्थियों का राष्ट्रीय संस्थानों में चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कृषि महाविद्यालय, बालाघाट के लिए यह अत्यंत गर्व और खुशी का विषय है कि महाविद्यालय के दो मेधावी विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थानों में प्रवेश प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है।

महाविद्यालय के विद्यार्थी मानव मुरझानी का चयन इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट, आनंद (आईआरएमए), गुजरात तथा दर्शन शर्मा का चयन चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (सीसीएस एनआईएएम), जयपुर, राजस्थान में हुआ है। दोनों विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है।

इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम देशमुख ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी कठिन मेहनत, दृढ़ संकल्प, लगन एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत और पारिवारिक गौरव का विषय है, बल्कि कृषि महाविद्यालय, बालाघाट की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं प्रतिष्ठा को भी राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान प्रदान करती है।

महाविद्यालय परिवार ने दोनों विद्यार्थियों को इस उल्लेखनीय सफलता पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं वैज्ञानिकों—डॉ. सुरेन्द्र राय, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, डॉ. शैलेन्द्र भलावे, डॉ. ऋषिकेश ठाकुर, डॉ. सुनील रजक, डॉ. विक्रम सिंह गौर, डॉ. रामकृष्ण सिंह सोलंकी, डॉ. उत्तम बिसेन, डॉ. पूजा गोस्वामी एवं डॉ. अमिता शर्मा ने भी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके सफल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

महाविद्यालय प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों विद्यार्थी अपने ज्ञान, कौशल और नेतृत्व क्षमता के माध्यम से कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देंगे तथा राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान, जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

मोहर्रम पर शहीदाने कर्बला की याद में 10 दिवसीय लंगर-ए-हुसैनी शुरू

वार्ड-3 में बाबा ताज कमेटी की पहल, रोज शाम लोग ग्रहण कर रहे लंगर, भाईचारे और इंसानियत का दिया जा रहा संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मोहर्रम का पर्व इस्लाम धर्म में त्याग, बलिदान, मानवता और सत्य के लिए संघर्ष का प्रतीक माना जाता है। हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में देशभर में विभिन्न धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में बालाघाट शहर के बैहर चौकी वार्ड क्रमांक-3 स्थित पानी टंकी के नीचे शहीदाने कर्बला की याद में 10 दिवसीय लंगर-ए-हुसैनी का आयोजन शुरू किया गया है। यह आयोजन 17 जून से प्रारंभ हुआ है, जो लगातार 10 दिनों तक चलेगा।

आयोजन की जानकारी देते हुए वार्ड क्रमांक-3 के पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान ने बताया कि बाबा ताज कमेटी की जानिब से इस वर्ष पहली बार इस विशेष लंगर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोहर्रम केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है, बल्कि यह इंसानियत, भाईचारे और जरूरतमंदों की सेवा का संदेश देने वाला अवसर भी है। इसी सोच के साथ कमेटी द्वारा 10 दिनों तक प्रतिदिन आमजन के लिए नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन शाम 7 बजे से स्थानीय पानी टंकी के नीचे लंगर शुरू किया जाता है, जो देर रात तक चलता है। इस दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर लंगर ग्रहण कर रहे हैं। आयोजन में किसी भी धर्म, जाति या वर्ग के लिए कोई प्रतिबंध नहीं है। सभी लोगों का खुले दिल से स्वागत किया जा रहा है। सोहेल खान ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन ने अन्याय और अत्याचार के खिलाफ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उनकी शहादत आज भी पूरी दुनिया को सत्य, न्याय और मानवता के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देती है। इसी संदेश को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है, ताकि समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का वातावरण मजबूत हो सके।

उन्होंने बताया कि आयोजन में स्थानीय युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। रोजाना बड़ी संख्या में स्वयंसेवक लंगर की व्यवस्था संभाल रहे हैं और आने वाले लोगों की सेवा कर रहे हैं। आयोजन स्थल पर साफ-सफाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। पार्षद प्रतिनिधि ने बताया कि यह पहला अवसर है जब बाबा ताज कमेटी द्वारा इस तरह का 10 दिवसीय लंगर आयोजित किया जा रहा है। लोगों से मिल रहे सकारात्मक सहयोग और उत्साह को देखते हुए भविष्य में भी इस परंपरा को जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में आयोजन को और अधिक भव्य स्वरूप देने का प्रयास किया जाएगा। आयोजकों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर लंगर-ए-हुसैनी में शामिल हों और शहीदाने कर्बला की कुर्बानी को याद करते हुए आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश मजबूत करें।

दीनदयाल पुरम में मंदिर पुनर्निर्माण के बाद हुआ भव्य रुद्राभिषेक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक 23 स्थित दीनदयाल पुरम कॉलोनी में बुधवार की रात धार्मिक आस्था और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। कॉलोनी के गार्डन परिसर में स्थित प्राचीन मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद वार्डवासियों द्वारा विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना एवं रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कॉलोनी के महिला-पुरुष, बुजुर्ग और युवा श्रद्धालु शामिल हुए तथा भगवान शिव की आराधना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

जानकारी के अनुसार दीनदयाल पुरम कॉलोनी में वर्षों से एक मंदिर स्थापित है, जो स्थानीय लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। समय के साथ मंदिर के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए कॉलोनीवासियों के सहयोग से मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। पुनर्निर्माण पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें रुद्राभिषेक, पूजा-अर्चना और हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शामिल शिक्षाविद एवं सामाजिक रूप से सक्रिय महिलाओं ने बताया कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं होता, बल्कि समाज को जोड़ने और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने का केंद्र भी होता है। उन्होंने कहा कि कॉलोनी में मंदिर के पुनर्निर्माण से धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी तथा बच्चों और युवाओं में भी संस्कारों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर परिवार, समाज और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। पूरे परिसर में भक्ति गीतों और हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। देर रात तक श्रद्धालुओं का मंदिर में आना-जाना लगा रहा और सभी ने पूजा-अर्चना में भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर वार्डवासियों की ओर से महाप्रसादी एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। महिलाओं ने सभी कॉलोनीवासियों से अपील की कि वे नियमित रूप से मंदिर में पहुंचकर पूजा-अर्चना करें और धार्मिक गतिविधियों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। कॉलोनीवासियों का कहना है कि मंदिर के पुनर्निर्माण से क्षेत्र में धार्मिक वातावरण और अधिक सशक्त होगा तथा यह स्थान भविष्य में सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों का भी प्रमुख केंद्र बनेगा। देर रात तक चले भंडारे और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बंधुआ एवं बाल श्रम रोकने नियमित निरीक्षण करें अधिकारी - कलेक्टर मृणाल मीना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में गुरुवार 18 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बंधुआ श्रम (उन्मूलन) अधिनियम एवं बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बंधुआ श्रम और बाल श्रम की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री मीना ने श्रम निरीक्षकों को निर्देशित किया कि वे जिले के निर्माण स्थलों, ढाबों, होटलों तथा अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान यदि कोई बाल श्रमिक कार्य करते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए तथा संबंधित बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिलाकर उनकी शिक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने समिति की बैठक नियमित अंतराल पर आयोजित करने तथा बंधुआ श्रम एवं बाल श्रम की रोकथाम के लिए की गई कार्रवाई का विस्तृत प्रतिवेदन प्रत्येक बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में बताया गया कि बंधुआ श्रम प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 के अंतर्गत किसी व्यक्ति से उसकी इच्छा के विरुद्ध अथवा श्रम कानूनों का उल्लंघन करते हुए कार्य कराया जाना बंधुआ श्रम की श्रेणी में आता है। ऐसे मामलों में दोषी व्यक्ति को तीन वर्ष तक के कारावास तथा दो हजार रुपये तक के जुर्माने से दंडित किए जाने का प्रावधान है। साथ ही, जिले के किसी भी श्रमिक के देश के अन्य क्षेत्रों में बंधक बनाकर कार्य कराए जाने की शिकायत मिलने पर श्रम विभाग द्वारा उन्हें मुक्त कराकर राहत एवं पुनर्वास की कार्रवाई की जाती है।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों और किशोरों को खतरनाक कार्यों एवं प्रक्रियाओं में नियोजित करना प्रतिबंधित है। अधिनियम का उल्लंघन करने पर दोषियों के विरुद्ध 20 हजार से 50 हजार रुपये तक के जुर्माने तथा छह माह से दो वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है।

कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि बंधुआ श्रम और बाल श्रम जैसी सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिए प्रशासन, श्रम विभाग, पंचायतों तथा समाज के सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना होगा, ताकि बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 9425138670
ललित बाघरेचा 9424765679

खो-खो खेल शिविर आरोह 2026 का उत्साहपूर्ण समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मूलना स्टेडियम के नव-निर्मित खो-खो मैदान में आयोजित ग्रीष्मकालीन खो-खो खेल शिविर 'आरोह 2026' का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं छात्र शक्ति संगठन के अध्यक्ष राज उपवंशी विशिष्ट अतिथि तथा सीनियर फुटबॉल कोच नईम खान, कार्यालय प्रभारी योगेंद्र पटले, जिला खेल कराते प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन, खेलो इंडिया कोच आशु पंवार, ब्लॉक युवा समन्वयक लव कुमार नगपुरे, केदारनाथ ठाकरे एवं धीरज डोंगरे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समापन अवसर पर खिलाड़ियों के बीच मैत्री मैच का आयोजन किया गया। रोमांचक मुकाबले में जय भवानी क्लब ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि शिव शक्ति टीम उपविजेता रही। मैच के उपरांत सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यंत लोकप्रिय खेल खो-खो को पहली बार मूलना स्टेडियम के आरोह 2026 खेल शिविर में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों से खिलाड़ियों की बड़ी संख्या में सहभागिता को देखते हुए इस खेल को शिविर का हिस्सा बनाया गया। शिविर के दौरान प्रशिक्षक सतीश लिल्हारे ने खिलाड़ियों को नियमित रूप से प्रशिक्षण प्रदान किया, जिससे प्रतिभागियों के खेल कौशल में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला।

समारोह के दौरान अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों के माध्यम से अनुशासन, टीम भावना और शारीरिक विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षक सतीश लिल्हारे ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। खेल भावना और उत्साह से भरपूर इस आयोजन के सफल समापन के साथ खिलाड़ियों ने भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया।

शराब पीने से मना करने पर एक व्यक्ति ने पत्नी सास से की मारपीट-दी जान से मारने की धमकी

आरोपी शिवानंद के विरुद्ध मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम लवेरी में ससुराल आए एक युवक ने शराब पीने मना करने पर अपनी पत्नी और सास के साथ मारपीट कर दी और दोबारा शराब पीने मना करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने आरोपी शिवानंद बसोने ग्राम दिघोरी निवासी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हिना बसोने की शादी अप्रैल 2025 में ग्राम दिघोरी निवासी 24 वर्षीय शिवानंद बसोने से हुई थी। शादी के बाद हिना अपने पति के साथ दिघोरी में ही रह रही थी। बताया गया है कि शिवानंद शराब का आदी है और नशे में अक्सर घरेलू बातों को लेकर पत्नी हिना से मारपीट करता है। करीब एक सप्ताह पहले हिना अपने पति शिवानंद के साथ मायके लवेरी आई थी और दोनों यहीं रह रहे थे।16 जून को दोपहर करीब 1 बजे शिवानंद शराब पीकर घर पहुंचा। हिना ने जब उसे शराब पीने से मना किया तो वह आगबबूला हो गया।और उसने पत्नी को अश्लील गालियां देते हुए शराब पीने से मना करती है कहकर हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आई सास शशिकला नगपुरे के साथ भी शिवानंद ने मारपीट की। शोर सुनकर पड़ोसी दौड़े और दोनों को छुड़ाया। इसके बाद शिवानंद ने पत्नी हिना को को दोबारा शराब पीने मना करने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। मारपीट में हिना और उसकी मां शशिकला को चोटें आईं। किरनापुर पुलिस ने दोनों का मेडिकल मुलाहिजा करवाया। पुलिस ने आरोपी शिवानंद बसोने के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। मामले की विवेचना जारी है।

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

आवश्यकता है
एकार्ड मोटर्स, महिन्द्रा शोरूम बालाघाट में सेल्स कंसल्टेंट के पदों के लिये आवश्यकता है
सैलरी-अनुभव एवं योग्यतानुसार
इच्छुक व्यक्ति जानकारी व साक्षात्कार (इंटरव्यू) के लिए संपर्क करें
मो.9425818191
8518888607

आवश्यकता है
एन.जी.ओ. में स्वास्थ्य एवं सामाजिक कार्य तथा होम वेलनेस सेंटर सर्वे कार्य करने हेतु बालाघाट, सिवनी, मण्डला तथा छिंदवाड़ा जिलों में कार्य करने हेतु युवक/युवतियों की आवश्यकता है
पात्रता- BSW/MSW
मासिक वेतन- 9000/-मो. रिचार्ज
संपर्क-श्रीधाम वेलनेस फाउंडेशन समिति (रजि.)
सहयोगी संस्था-अनुश्री सेवा संस्थान
मोबाईल नम्बर-9752109010
9340299285
हमारा पता-
कार्यालय-श्रीधाम हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च भटेरा रोड़ बालाघाट (म.प्र.)481001

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
-निर्माता-
तिरुपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

कंजई घाटी में यात्री बस और ट्रक की भिड़ंत-डेढ़ दर्जन से अधिक यात्री घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सिवनी रोड स्थित कंजई घाटी में गुरुवार सुबह एक यात्री बस और ट्रक के बीच आमने सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में डेढ़ दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों में दो महिलाओं सहित तीन लोगों को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। जबकि अन्य घायलों का उपचार बरघाट अस्पताल में किए जाने की जानकारी सामने आई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बालाघाट से जबलपुर जाने वाली यात्री बस रोज की तरह 18 जून की सुबह करीब 5:30 बजे बालाघाट से जबलपुर के लिए रवाना हुई थी। बस लालबर्रा से सिवनी मार्ग की ओर जा रही थी। इसी दौरान सुबह लगभग 7:30 बजे सिवनी रोड स्थित कंजई घाटी में सामने से आ रहे ट्रक से बस की जोरदार भिड़ंत हो गई।टक्कर इतनी तेज थी कि बस में सवार कई यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।बताया गया है कि अधिकांश घायलों को बरघाट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं तीन घायलों को उनके परिजन अपनी व्यवस्था से जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे। जहां उनका इलाज जारी है।जिला अस्पताल में भर्ती घायलों में सुलोचना बाई पति देवेंद्र ब्रम्हे 40 वर्ष सुकवारा बाई पति रूपचंद बराडे 70 वर्ष दोनो ग्राम गर्रा थाना बालाघाट तथा अंकित पिता सदनलाल राठौर 30 वर्ष ग्राम मांझापुर थाना वारासिवनी निवासी शामिल हैं।फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक संपन्न

विभिन्न विभागों की योजनाओं की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंचायत बालाघाट के सभागार में गुरुवार 18 जून को जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार की अध्यक्षता में जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा विभागीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष योगेश राजा लिल्हारे, विभिन्न समितियों के सभापति, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक की शुरुआत पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा से हुई। इसके बाद स्वास्थ्य, कृषि, सहकारिता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) तथा सिंचाई विभाग सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे उठाते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सरसवार ने जिले के अस्पतालों में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा जिले में 52 स्थायी मेडिकल अधिकारियों की पदस्थापना की गई है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा। अध्यक्ष ने आउटसोर्स के माध्यम से कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही वर्षा ऋतु में सर्पदंश के मामलों को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में एंटी स्नेक वेनम उपलब्ध रखने पर जोर दिया। विभाग द्वारा बताया गया कि जिले में विषरोधी दवा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान उपसंचालक कृषि ने बताया कि जिले में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के अंतर्गत मृदा परीक्षण के लक्ष्य पूरे किए जा रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 19 जून को मुरझड़ कृषि महाविद्यालय तथा 20 जून को राणा हनुमान सिंह कृषि विज्ञान केंद्र में कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। अध्यक्ष ने किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद एवं बीज उपलब्ध कराने तथा नकली खाद-बीज बेचने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि डीएसआर तकनीक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने से भू-जल संरक्षण के साथ-साथ भूमि की उर्वरता में भी वृद्धि होगी। सुपर सीडर मशीन के उपयोग के अच्छे परिणाम सामने आए हैं तथा इस पर किसानों को 40 प्रतिशत तक अनुदान भी दिया जा रहा है।

सहकारिता विभाग की समीक्षा के दौरान अध्यक्ष ने सेवा सहकारी समितियों में सामने आए भ्रष्टाचार संबंधी मामलों में की गई कार्रवाई की विस्तृत जानकारी तीन दिवस के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में डीएपी एवं यूरिया की कीमतों में अंतर, किसानों को खाद वितरण में आने वाली तकनीकी समस्याओं तथा समितियों में सर्वर डाउन होने जैसी शिकायतों पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों को इन समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए।

पीएचई विभाग की समीक्षा के दौरान नल-जल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव को लेकर चर्चा हुई। अध्यक्ष ने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों को योजनाएं हस्तांतरित की जा चुकी हैं, वहां कई स्थानों पर समस्याएं सामने आ रही हैं। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जिले में जल निगम की 71 योजनाएं संचालित हैं और अधिक ग्रामों को इन योजनाओं से जोड़ने के लिए प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। बैठक में अवैध रेत उत्खनन के कारण नदियों के घटते जलस्तर पर भी चिंता व्यक्त की गई।

सिंचाई विभाग की समीक्षा में नहरों की साफ-सफाई और मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। सभापति डुलेंद्र ठाकरे ने वैनगंगा नदी के जल संरक्षण एवं संग्रहण की दीर्घकालिक योजना तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। अधिकारियों ने इस संबंध में सर्वेक्षण कर प्रस्ताव शासन को भेजने का आश्वासन दिया। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार, विकास कार्यों में तेजी लाने तथा शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

बीमारी से परेशान भोजनालय संचालक ने किया कीटनाशक सेवन-उपचार के दौरान मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीमारी से परेशान एक व्यक्ति की कीटनाशक सेवन करने के बाद जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक मुरली मोहन पिता गरीब दास सूर्यवंशी 58 वर्ष वार्ड क्रमांक 19 लामता निवासी बताये गये है। बताया जा रहा है कि लंबे समय से बीमारी से परेशान होने के कारण उन्होंने जहरीले पदार्थ का सेवन किया था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुरली मोहन लामता में एक भोजनालय संचालित करते थे। उनके परिवार में तीन बेटियां और एक बेटा हैं। वर्ष 2015 में उन्हें लकवा (पक्षाघात) की बीमारी हो गई थी।जिसके कारण वे ठीक से चल फिर नहीं पाते थे। उनका लगातार इलाज चल रहा था।बताया गया कि 17 जून की रात मुरली मोहन परिवार के साथ भोजन करने के बाद सो गए थे। 18 जून की सुबह उन्होंने उल्टी की जिसमें कीटनाशक की दुर्गंध आ रही थी। साथ ही उनकी सांसें भी तेज चल रही थीं। परिजनों ने तत्काल उन्हें लामता अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था।जिला अस्पताल में उपचार के दौरान सुबह लगभग 10 बजे उनकी मौत हो गई। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि बीमारी से परेशान होकर उन्होंने कीटनाशक दवा का सेवन किया था।

जिला अस्पताल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले को आगे की जांच के लिए थाना लामता भेज दिया है।

सिक्ख समाज ने श्रद्धा और सेवा भाव से मनाया गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सिक्ख धर्म के पांचवें गुरु एवं प्रथम शहीद गुरु, श्री गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी दिवस गुरुवार को बालाघाट में श्रद्धा, सेवा और समर्पण के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सिक्ख समाज द्वारा शहर के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों पर मीठे पानी की छबील लगाकर राहगीरों को शरबत वितरित किया गया। वहीं गुरुद्वारे में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों के साथ लंगर का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और आम नागरिकों ने शामिल होकर गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया।

शहीदी दिवस के अवसर पर सुबह से ही गुरुद्वारे में विशेष अरदास, कीर्तन और गुरु वाणी का पाठ किया गया। समाज के लोगों ने गुरु अर्जुन देव जी के जीवन, त्याग और बलिदान को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने गुरु के चरणों में मत्था टेककर देश, समाज और मानवता की खुशहाली की कामना की। सिक्ख समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि गुरु अर्जुन देव जी ने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने मुगल शासन के दबाव के बावजूद अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और धर्म परिवर्तन स्वीकार करने से इंकार कर दिया। इसके कारण तत्कालीन मुगल बादशाह जहांगीर के आदेश पर वर्ष 1606 में लाहौर में उन्हें अमानवीय यातनाएं दी गईं और अंततः वे शहीद हो गए। गुरु अर्जुन देव जी की शहादत सिक्ख इतिहास में साहस, त्याग और सत्य के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक मानी जाती है। समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने बताया कि शहादत के दौरान भी गुरु अर्जुन देव जी ने धैर्य, शांति और ईश्वर के प्रति समर्पण का परिचय दिया था। उनका प्रसिद्ध वचन तेरा किया मीठा लागे, हरि नामु पदारथु नानक मांगें आज भी लोगों को विपरीत परिस्थितियों में धैर्य और विश्वास बनाए रखने की प्रेरणा देता है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए शहीदी दिवस पर मीठे पानी की छबील लगाने की परंपरा निभाई जाती है। भीषण गर्मी को देखते हुए सिक्ख समाज द्वारा शहर के प्रमुख स्थानों पर छबील लगाकर राहगीरों, वाहन चालकों और आम नागरिकों को ठंडा मीठा पानी एवं शरबत वितरित किया गया। सेवा कार्य में समाज के बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। राहगीरों ने भी इस सेवा भावना की सराहना करते हुए सिक्ख समाज का आभार व्यक्त किया। गुरुद्वारे में आयोजित लंगर में सभी धर्मों और समुदायों के लोगों ने एक साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया। समाज के लोगों ने बताया कि लंगर केवल भोजन वितरण नहीं बल्कि समानता, भाईचारे और मानव सेवा का प्रतीक है। गुरु परंपरा के अनुसार बिना किसी भेदभाव के सभी लोगों को भोजन कराया गया। सिक्ख समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि गुरु अर्जुन देव जी का जीवन हमें सत्य, सेवा, सहिष्णुता और मानवता के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। उनके आदर्श आज भी समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य कर रहे हैं। शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से नई पीढ़ी को भी गुरु साहिब के जीवन और उनके बलिदान से अवगत कराया गया।

बैंक से लोन नहीं लेने पर एक महिला से पति-सास ने की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बिनोरा में लोन के दबाव में एक महिला से मारपीट का मामला सामने आया है। पति और सास द्वारा महिला को बैंक से लोन लेने के लिए प्रताड़ित किया गया। मना करने पर उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी भी दी गई।

घायल महिला मनीषा आसोले पति सन्नी कुमार आसोले 26 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति सास के विरुद्ध मामला कायम कर लिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मनीषा का मायका ग्राम नीलागोंदी का है।2020 में मनीषा ने सन्नी कुमार आसोले से प्रेम विवाह की है। शादी के बाद दोनो नागपुर में रहकर काम कर रहे थे। एक माह पहले दोनो अपने घर बिनोरा लौटे है और पुराना मकान तोड़कर नया बना रहे हैं। इसके लिए पति सन्नी और सास ताराबाई ने बैंक से लोन लिये है। दोनों मनीषा पर भी उसके नाम से लोन लेने का दबाव बना रहे थे। मनीषा का का कहना था कि लोन लिया तो चुकाऊंगी कैसे यह कहकर मनीषा ने लोन लेने से इनकार कर दी । इसी बात पर आए दिन विवाद होते रहता था।लोन न लेने की बात पर 16 जून की रात फिर विवाद हुआ। आरोप है कि पति सन्नी कुमार और सास ताराबाई ने मनीषा से हाथ मुक्कों से मारपीट किये और लोन नहीं लिया तो जान से खत्म करने की धमकी दे दी। मारपीट में मनीषा के पीठ और कंधे में चोटें आईं। घटना के बाद मनीषा मायके नीलागोंदी चली गई और परिजनों को जानकारी दी। 17 जून को भाई के साथ किरनापुर थाना पहुंची। पुलिस ने पहले मनीषा का इलाज व मेडिकल कराया। फिर पति सन्नी कुमार और सास ताराबाई के खिलाफ मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

पारिवारिक विवाद में छोटे भाई ने ही की थी कुलदीप की हत्या

गला घोंटकर उतारा मौत के घाट जांच में खुला हत्या का राज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 14 हट्टा में दो दिन पहले कुलदीप की हत्या उसके छोटे भाई ने ही गला घोंटकर की थी। यह वारदात 15 जून की रात पारिवारिक विवाद के चलते हुई थी। हट्टा पुलिस ने गहन जांच और पूछताछ के बाद कृष्ण किशोर उदयपुरे को अभिरक्षा में ले लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुलदीप उदयपुरे अपने छोटे भाई कृष्ण किशोर उदयपुरे, विधवा बहन ज्योति और भांजी सोनिया के साथ रहता था। पिछले माह 12 मई को ही उनकी मां का निधन हुआ था। हट्टा के सेनानी चौक में कुलदीप की ऑटो पार्ट्स एवं गैरेज की दुकान थी। जिसका संचालन वह अपने छोटे भाई कृष्ण किशोर के साथ करता था। बताया गया है कि दोनों भाई शराब पीने के आदी थे तथा पारिवारिक बातों को लेकर पिछले कुछ महीनों से उनके बीच विवाद चल रहा था। दोनों भाइयों की शादी भी नहीं हुई थी। जानकारी के अनुसार कुलदीप के घर आने-जाने का कोई निश्चित समय नहीं था और वह अक्सर बाहर ही सोता था। 15 जून को कुलदीप रोज की तरह गैरेज गया था। शाम को घर लौटने के बाद वह मोटरसाइकिल से बाहर निकला था। 16 जून की सुबह जब परिजन जागे तो कुलदीप का शव घर के आंगन में पड़ा मिला। उसके गले पर फांसी जैसे निशान दिखाई दे रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अविनाश सिंह राठौर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जिला मुख्यालय से एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान मृतक के गले पर रस्सी के निशान तो पाए गए।लेकिन घटनास्थल पर ऐसा कोई स्थान नहीं मिला जहां फांसी लगाई गई हो। न ही कोई रस्सी या फंदा बरामद हुआ। इससे मामला संदिग्ध हो गया था।

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया और आत्महत्या एवं हत्या के दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच शुरू की। परिजनों ने बताया था कि कुलदीप की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। इसके बाद पुलिस का संदेह घर के लोगों पर गया।थाना प्रभारी अविनाश सिंह राठौर ने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गहन पूछताछ की। पूछताछ के दौरान छोटे भाई कृष्ण किशोर ने हत्या करना स्वीकार कर लिया।15 जून की रात कुलदीप शराब पीकर घर पहुंचा था। इसी दौरान पारिवारिक बातों को लेकर दोनों भाइयों के बीच विवाद हुआ। गुस्से में आकर कृष्ण किशोर ने नायलॉन की रस्सी कुलदीप के गले में कस दी।जिससे दम घुटने से उसकी मौत हो गई।हत्या के बाद आरोपी ने साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को आंगन में रख दिया था ताकि मामला संदिग्ध बना रहे और हत्या का खुलासा न हो सके। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर आगे की कार्यवाही कर रही है।

एक साल से मानदेय का इंतजार, आर्थिक संकट में रसोइया बहनें पहुंचीं कलेक्ट्रेट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा विकासखंड के विभिन्न शासकीय अस्पतालों में भोजन व्यवस्था संभालने वाली रसोइया बहनों ने लंबे समय से लंबित मानदेय भुगतान को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। आर्थिक तंगी और लगातार बढ़ती परेशानियों से जूझ रही इन महिलाओं ने प्रशासन से शीघ्र भुगतान कराने की मांग की है। रसोइया बहनों का कहना है कि वे वर्षों से अस्पतालों में मरीजों के लिए भोजन तैयार करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें समय पर मानदेय नहीं मिल रहा है। स्थिति यह है कि पिछले लगभग एक वर्ष से उनका भुगतान लंबित है, जिससे उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

कलेक्ट्रेट पहुंची महिलाओं ने बताया कि वे बिरसा विकासखंड के विभिन्न शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में प्रतिदिन भोजन बनाने का कार्य करती हैं। अस्पतालों में भर्ती मरीजों के लिए भोजन तैयार करने से लेकर रसोई व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तक की जिम्मेदारी वे नियमित रूप से निभा रही हैं। इसके बावजूद उन्हें अपने श्रम का उचित और समय पर भुगतान नहीं मिल पा रहा है। महिलाओं ने बताया कि उन्हें प्रतिमाह केवल 2 हजार रुपये मानदेय मिलता है, जो वर्तमान महंगाई के दौर में पहले ही बहुत कम है। इसके बाद भी यदि एक-एक वर्ष तक भुगतान नहीं किया जाए तो परिवार का भरण-पोषण करना बेहद कठिन हो जाता है। रसोइया बहनों ने बताया कि मानदेय नहीं मिलने के कारण उन्हें घर चलाने में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई महिलाओं ने कहा कि परिवार की रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है। बच्चों की पढ़ाई, घरेलू खर्च, स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें और अन्य आवश्यक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। कुछ महिलाओं ने बताया कि आर्थिक तंगी के कारण उन्हें उधार लेकर घर चलाना पड़ रहा है। लगातार भुगतान लंबित रहने से अब कर्ज का बोझ भी बढ़ता जा रहा है। महिलाओं का कहना है कि वे अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन कर रही हैं। अस्पतालों में मरीजों को समय पर भोजन उपलब्ध हो, इसके लिए वे प्रतिदिन निर्धारित समय पर पहुंचकर कार्य करती हैं। इसके बावजूद उनके प्रति विभाग की उदासीनता समझ से परे है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि लंबे समय से लंबित मानदेय का तत्काल भुगतान कराया जाए और भविष्य में नियमित रूप से मानदेय देने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन सौंपने पहुंची महिला वर्षा मराठे ने यह भी कहा कि यदि जल्द भुगतान नहीं किया गया तो उनकी आर्थिक स्थिति और अधिक खराब हो जाएगी। उनका कहना है कि इतनी कम राशि में परिवार चलाना पहले ही मुश्किल है, ऐसे में भुगतान में महीनों और वर्षों की देरी उनके लिए बड़ी परेशानी का कारण बन रही है। उन्होंने प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए शीघ्र समाधान की मांग की है।

अभी रसोइया बहनों का मानदेय भुगतान लंबित है - परेश उपलव

इस पूरे मामले को लेकर जब जिला अस्पताल के प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलव से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने स्वीकार किया कि रसोइया बहनों का मानदेय भुगतान लंबित है। उन्होंने बताया कि भुगतान संबंधी आवश्यक बिल तैयार कर प्रक्रिया में भेज दिए गए हैं। विभागीय औपचारिकताएं पूरी होते ही लंबित राशि का भुगतान कर दिया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि रसोइया बहनों को जल्द उनका मानदेय उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल रसोइया बहनों की उम्मीदें प्रशासन के आश्वासन पर टिकी हुई हैं, लेकिन उनका कहना है कि जब तक उनके खाते में लंबित मानदेय नहीं पहुंचता, तब तक उनकी आर्थिक परेशानियां कम नहीं होंगी।

राजा भोज पर कथित टिप्पणी को लेकर पूर्व सांसद कंकर मुंजारे पर एफआईआर दर्ज

पंवार समाज की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने बीएनएस की धारा 299 के तहत किया मामला दर्ज, जांच शुरू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सम्राट राजा भोज को लेकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में पूर्व सांसद कंकर मुंजारे की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पंवार (पोवार) समाज की शिकायत पर थाना कोतवाली बालाघाट में उनके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गर्रा निवासी एवं जिला पंवार समाज अध्यक्ष विशाल बिसेन ने थाना कोतवाली में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि 13 जून 2026 को बालाघाट में आयोजित ओवरब्रिज लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद कंकर मुंजारे द्वारा सम्राट राजा भोज के संबंध में कथित रूप से अपना विडियो बयान जारी किया गया था । विशाल बिसेन का आरोप है कि उक्त टिप्पणी से संबंधित वीडियो और समाचार विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तथा समाचार माध्यमों के जरिए व्यापक रूप से प्रसारित हुए, जिसके बाद पंवार समाज के लोगों की धार्मिक एवं सामाजिक भावनाएं आहत हुईं। समाज के लोगों में इस बयान को लेकर गहरा आक्रोश व्याप्त हो गया और इसे अपने आराध्य एवं ऐतिहासिक महापुरुष का अपमान बताया गया। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि कथित टिप्पणी के कारण समाज के विभिन्न वर्गों में नाराजगी का माहौल बना और सामाजिक सद्भाव तथा शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका उत्पन्न हो गई। इसी आधार पर संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की मांग की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना कोतवाली पुलिस ने शिकायत का परीक्षण करने के बाद भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस अब मामले से जुड़े वीडियो, समाचार सामग्री, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण कर रही है। उल्लेखनीय है कि गर्रा रेलवे ओवरब्रिज के नामकरण को लेकर पिछले कुछ दिनों से जिले में राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर विवाद चल रहा है। इस विषय को लेकर पंवार समाज द्वारा विरोध प्रदर्शन, रैली और ज्ञापन सौंपे जाने जैसी गतिविधियां भी सामने आ चुकी हैं। इसी क्रम में समाज की ओर से पूर्व सांसद के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई थी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की विवेचना कर रही है। जांच के दौरान प्राप्त साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मामले को लेकर जिले में राजनीतिक और सामाजिक हलकों की नजरें पुलिस जांच पर टिकी हुई हैं।

पाइपलाइन बिछाने का कार्य धीमा और अव्यवस्थित, वार्डवासियों में आक्रोश व्याप्त

बड़ी मस्जिद के पीछे निवासरत लोगों को 5 दिनों से नहीं मिल रहा नल-जल योजना का पानी

भीषण गर्मी में पानी के लिए परेशान हो रहे वार्डवासी, गुणवत्तापूर्ण और तीव्र गति से कार्य करवाने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में पिछले 30 वर्ष से पुरानी नल-जल योजना की पाइपलाइन खराब हो चुकी थी। इसे बदलकर इसके स्थान पर पीएचई विभाग द्वारा नई पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। लालबर्रा की बड़ी मस्जिद वार्ड नंबर 19 सहित अन्य वार्डों में गत दिनों से जेसीबी मशीन के माध्यम से खुदाई कर नई पाइपलाइन बिछाने और नये नल कनेक्शन देने का काम जारी है। लेकिन ठेकेदार और निर्माण कंपनी की लापरवाही के कारण यह विकास कार्य अब स्थानीय निवासियों के लिए मुसीबत बन चुका है। वहीं वार्डवासियों का आरोप है कि पाइपलाइन बिछाने का कार्य अत्यंत धीमी (कछुआ) गति से चल रहा है। सबसे बड़ी लापरवाही यह है कि बिना लेवल मिलाये ही पाइपलाइन को जमीन में दबाया जा रहा है। जिससे टेल क्षेत्र में निवासरत लोगों को नल-जल योजना का पानी नही मिल पायेगा। साथ ही वार्ड नंबर 19 सहित अन्य वार्डों में 4 से 5 दिनों ने पानी नही मिल रहा है जिससे उक्त वार्डों में पानी की समस्या उत्पन्न हो चुकी है। वहीं स्थानीयजनों का कहना है कि पुरानी पाइपलाइन पूरी तरह लेवल में थी, जिससे सभी के घरों में नियमित रूप से पानी आता था। लेकिन नई पाइपलाइन का कोई लेवल नहीं होने के कारण पानी का दबाव प्रभावित होगा और भविष्य में कई वार्डों तक पानी पहुंचेगा ही नहीं। साथ ही पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क के दोनों ओर नाली किनारे खुदाई कर दी गई है। जिससे कुछ स्थानों पर नाली भी क्षतिग्रस्त हो चुकी है, अगर तेज बारिश होती है तो कीचड़ होने के साथ ही पानी निकासी की भी समस्या उत्पन्न होगी। इसलिए वार्डवासियों ने निर्माण कंपनी एवं प्रशासन से पाइपलाइन बिछाने का कार्य लेवल मिलाकर तीव्र गति से एवं गुणवत्तापूर्ण करवाने की मांग की है।

5 दिनों से जलापूर्ति ठप, भीषण गर्मी में लोग परेशान

आपको बता दे कि पीएचई विभाग के द्वारा पांढरवानी पंचायत क्षेत्र के लालबर्रा में नल-जल योजना की पुरानी पाइपलाइन जो खराब हो चुकी थी। उसे बदलकर उसके स्थान पर नई पाइपलाइन बिछाने का कार्य करवा रही है। किन्तु नई पाइपलाइन का कार्य अव्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है जिस कारण से वार्ड नंबर 19 सहित आसपास के अन्य वार्डों में पिछले 4 से 5 दिनों से नल-जल योजना की आपूर्ति पूरी तरह ठप है। इस भीषण गर्मी में पानी न मिलने से पानी के लिए वार्डवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही निर्माण कंपनी ने पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क किनारे लंबी खुदाई तो कर दी है, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद उसे समतल (प्लेन) नहीं किया गया है। रास्ते भर मिट्टी के ढेर और खुले गड्ढे होने से राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रात के समय यहा दुर्घटना होने की आशंका लगातार बनी रहती है। वार्डवासियों ने पीएचई विभाग और निर्माण कंपनी की इस अनियमितता को लेकर वार्डवासियों ने जिला प्रशासन से निर्माण कार्य कर निरीक्षण कर बिना लेवल के बिछाई जा रही पाइपलाइन को सुधारने एवं कार्य में तेजी लाकर गुणवत्तापूर्ण तरीके से इसे जल्द से जल्द पूरा करवाने की मांग की है ताकि लोगों को आसानी से नल-जल योजना का पानी नल के माध्यम से मिल सके।

पुरानी पाइपलाइन से सभी घरों में पहुंचता था पानी - कलीमुद्दीन

कलीमुद्दीन हंफी ने बताया कि वार्ड नंबर 19 में पिछले पांच दिनों से पानी की विकट समस्या खड़ी हो गई है और जनता पानी के लिए परेशान है। वहीं ठेकेदार के कर्मचारी 50 मीटर पाइपलाइन डालते हैं और आनन फानन में कनेक्शन जोड़कर उसे तुरंत मिट्टी से ढक देते हैं। बिना लेवलिंग के कार्य होने के कारण पाइपलाइन कहीं ऊपर तो कहीं नीचे हो गई है। इस तकनीकी खामी की वजह से पानी का प्रवाह आगे नहीं बढ़ पा रहा है और लोगों के घरों तक पानी पहुंच ही नहीं रहा है। स्थिति यह है कि दो घरों में पानी मिल रहा है तो आगे के बीस घर सूखे रह जाते हैं। श्री हंफी ने बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा करीब 30 वर्ष पहले जो पाइपलाइन बिछाई गई थी, वह पूरी तरह से एक लेवल पर थी। उससे पूरे गांव को बिना किसी शिकायत के नियमित रूप से पानी मिलता था। लेकिन वर्तमान में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पीएचई विभाग के अधिकारियों की अनदेखी के चलते ठेकेदार के आदमी अपनी मनमानी पर उतारू हैं। कार्य की गति बेहद धीमी है और खोदे गए गड्ढों को अधूरा छोड़ देने से आगामी बारिश के मौसम में दुपहिया और चौपहिया वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा भी बढ़ गया है। साथ ही यह भी बताया कि एक ही घर के कनेक्शन के लिए पति और पत्नि दोनों के अलग अलग आधार कार्ड मांगे जा रहे हैं, जो कि पूरी तरह त्रुटिपूर्ण और तर्कहीन है। यदि विभाग को प्रतियों की आवश्यकता है, तो वह एक ही व्यक्ति के आधार कार्ड की दो प्रतियां ले सकता है। एक पीएचई विभाग के लिए और दूसरी ग्राम पंचायत या कार्यालय के लिए। इसके अलावा एक ही घर में बहुकनेक्शन देने पर क्या अतिरिक्त शुल्क लगेगा। इस बात का भी कोई खुलासा ठेकेदार या विभाग द्वारा नहीं किया जा रहा है।

लेवल के अनुसार हो पाइपलाइन का कार्य - घाटे

पंच प्रतिनिधि एसपी घाटे ने बताया कि पीएचई विभाग के ठेकेदार के द्वारा पाइपलाइन का जो काम किया जा रहा है वह गुणवत्तापूर्ण ढंग से नहीं किया जा रहा है, क्योंकि उसके द्वारा जो पाइपलाइन बिछाई जा रही है उसमें एक साइड की पाइपलाइन नीचे तो एक साइड की पाइपलाइन ऊंची है। जिसकी वजह से पानी आगे नहीं बढ़ पाता है और वह वापस पीछे की ओर जाता है। श्री घाटे ने बताया कि जो पाइपलाइन बिछाई गई है उससे पानी लीकेज होता है और इस लिकेज के कारण मोहल्ले में कीचड़ की स्थिति निर्मित हो रही है। वही ठेकेदार के द्वारा गुणवत्तापूर्ण काम करने की बात कही जा रही है परंतु गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं किया जा रहा है जिससे वार्ड में पानी की समस्या खड़ी हो गई। जबकि पाइपलाइन का कार्य लेवल के हिसाब से होना चाहिए था जिससे पानी सुचारु रूप से सभी के घरों तक पहुंच सके। श्री घाटे ने बताया कि पुरानी जो पाइपलाइन थी उसे लेवल मिलाकर बिछाया गया था जिसकी वजह से सभी घरों में पानी की सप्लाई सही ढंग से हो पाती थी, लेकिन वर्तमान में लेवल मिलाकर पाइपलाइन नहीं बिछाया जा रहा है। जिससे यह समस्या उत्पन्न हो रही है, हमारी मांग है कि पुन: पाइपलाइन को खोदकर लेवल मिलकर फिर से पाइपलाइन बिछाया जाये, जिससे सभी के घरों तक पानी पर्याप्त मात्रा में पहुंच सके।

ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने किया गया है निर्देशित - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि वर्तमान में ठेकेदार के द्वारा पाइपलाइन के लिए खुदाई का काम किया जा रहा है और वार्डवासियों के द्वारा जो समस्या बताई जा रही है उस संबंध में ठेकेदार से चर्चा की गई है, उन्होने समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया है। श्री खान ने बताया कि हमारी पंचायत में अधिकतर जगह समतल है, कहीं भी उबाड खाबड़ या उच-नीच वाला स्थान नहीं है, यदि कोई गलती हुई हो तो उसमें सुधार करने का प्रयास किया जायेगा। वहीं निर्माण कार्य को गति देने एवं जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण कार्य करने ठेकेदार को निर्देशित किया गया है।

महाविद्यालय में जनजागरूकता एवं व्याख्यान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशो के परिपालन में शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में गत 12 जून से 18 जून तक विश्व पर्यावरण दिवस एवं अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस अभियान के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किय गया। इसी कड़ी में गुरूवार को महाविद्यालय में शासकीय योजनाओं के संबंधित जनजागरूकता एवं व्याख्यान कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा ने विद्यार्थियों को शासकीय योजनाओं एवं जनजागरूकता गतिविधियों की जानकारी दी। वहीं डॉ. संगीता मेश्राम एवं डॉ. देवराज चौरे ने शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएँ जैसे मुख्यमंत्री मेधावी योजना, विद्यार्थी आवास योजना, अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति, पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति, गांव की बेटी योजना, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा रेड रिबन क्लब और साथ ही नि:शुल्क स्टेशनरी एवं पुस्तकें जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में बारी-बारी से बताया। वहीं विद्यार्थियों द्वारा योजनाओं से संबंधित प्रश्न किये गये जिसका समाधान उपस्थित प्रध्यापकों द्वारा किया गया। इस आयोजन से विद्यार्थियों की उत्साहपूर्वक उपस्थिति रही। इस महत्वपूर्ण व्याख्यान को सफल बनाने में डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, नरेश सौलाखे, श्रीमती संध्या भलावे, मनीष शिवहरे, डॉ. आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

जनपद में खंड स्तरीय जनकल्याण शिविर का हुआ आयोजन

आमजनों की समस्याओं का त्वरित निराकरण और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाना मुख्य उद्देश्य

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। शासन के निर्देशानुसार आमजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक विशेष मुहिम चलाई गई। विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में बीते दिनों से ग्राम पंचायतों में क्लस्टर वार जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा था। इस पूरी मुहिम का विधिवत समापन 18 जून को जनपद पंचायत लालबर्रा के सभाकक्ष में आयोजित खंड स्तरीय जनकल्याण शिविर के साथ हुआ। यह महत्वपूर्ण शिविर मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) चंदरसिंह मंडलोई एवं खंड पंचायत अधिकारी खिलेन्द्र सोनवंशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। शिविर के दौरान ग्रामीण अंचलों से आये लोगों ने अपनी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। वहीं कई ग्रामीणों ने उन योजनाओं की जानकारी दी, जिनका लाभ पात्रता होने के बावजूद उन्हें किन्हीं कारणों से नहीं मिल पा रहा था। ग्रामीणों ने लाभ प्राप्त करने के लिए संबंधित विभागों में नये आवेदन भी प्रस्तुत किये है। साथ ही शिविर में उपस्थित विभिन्न विभागों के प्रभारियों ने ग्रामीणों को अपने-अपने विभाग द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। वहीं अधिकारियों ने मंच से ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जितने भी पात्र हितग्राही हैं, उन्हें शत-प्रतिशत योजनाओं का लाभ दिलवाया जायेगा। वहीं पूर्व में ग्राम पंचायतों में आयोजित क्लस्टरवार शिविरों से प्राप्त आवेदनों की समीक्षा कर इस खंड स्तरीय शिविर में एक ठोस कार्ययोजना तैयार की गई। सीईओ चंदरसिंह मंडलोई ने सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को कड़ी गाइडलाइन जारी करते हुए निर्देशित किया है कि आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही की जाये और शासन की मंशा के अनुरूप हर पात्र व्यक्ति को लाभान्वित किया जाये।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार का नगर में भव्य स्वागत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय में स्थित स्थानीय विश्राम गृह में 18 जून को भारतीय जनता पार्टी के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के प्रथम नगर आगमन हुआ। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर शॉल, श्रीफल से सम्मानित किया गया। इस गरिमामय स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में भाजपा मंडल के कार्यकर्ता और क्षेत्रीय नेता उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं से चर्चा करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। जहां हर कार्यकर्ता की मेहनत को सम्मान मिलता है। उन्होंने पिछड़ा वर्ग मोर्चा के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि वे केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से जुट जाये। उन्होंने आगामी संगठनात्मक कार्यों को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दियें। कार्यक्रम के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष सहित मोर्चा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, मातृशक्ति और युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं के उत्साह को देखते हुए श्री पाटीदार ने सभी का आभार व्यक्त किया और संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष झामसिंह नागेश्वर, भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, नगर अध्यक्ष संजीव अवधिया सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आस-पास की खबरें

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार का भाजपाईयों ने किया स्वागत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार का बालाघाट प्रवास के दौरान गुरुवार को वारासिवनी आगमन पर नगर के वरिष्ठ भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। साथ ही पार्टी में वर्षों से साथ काम कर रहे हमारे साथी राम पटेल पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष गजेन्द्र भारद्वाज ने भी सभी कार्यकर्ताओं एवं साथियों के साथ भेंट की। इस अवसर पर शैलेंद्र सेठी ,दीप चौहान,समीर बिसेन,शैलेश पारधी, रामसिंह धाकड़,भोजेंद्र चौधरी,गगन बागड़े ,राकेश नागेश्वर,तरुण हेडाऊ, धनवर पटले एवं अन्य कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

केशव इंग्लिश स्कूल में मनाया गया महाराणा प्रताप की जयंती एवं रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। केशव इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल में महाराणा प्रताप की जयंती एवं रानी लक्ष्मीबाई का बलिदान दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन कर सरस्वती वंदना के साथ किया गया। विद्यालय के अधीक्षक जितेन्द्र टेंभरे ,विद्यालय के प्राचार्य मयंक मिश्रा के द्वारा महाराणा प्रताप एवं रानी लक्ष्मीबाई के छाया चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उनके साहस, त्याग और देशभक्ति को नमन किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक श्री राम पारधी ने बताया कि महाराणा प्रताप और रानी लक्ष्मीबाई के जीवन से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंगों का उल्लेख करते हुये साहस, वीरता एवं राष्ट्रप्रेम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होने विद्यार्थियों को कठिन परिस्थितियों में भी दृढ़ रहने और अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य ने विद्यार्थियों को अनुशासन एवं सदाचार की शपथ दिलाई।

जर्जर मार्ग बदल रहा हादसों के मार्ग में बांसी चौक से बस्ती मार्ग पर चलना हुआ दूभर

मार्ग पर अनगिनत गड्ढे राहगीर हो रहे चोटिल ग्रामीणों में भारी आक्रोश

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बांसी के बस्ती पहुंच मार्ग की हालत इन दिनों बद से बदतर हो चुकी है। झालीवाड़ा से कटंगी मार्ग पर स्थित बांसी चौक से लेकर गांव की बस्ती तक जाने वाला करीब 500 मीटर का यह मार्ग पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। मार्ग पर कदम कदम पर बने अनगिनत बडे बड़े गड्ढे अब राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन गए हैं। स्थिति इतनी गंभीर है कि वर्तमान सूखे मौसम में भी यहाँ आए दिन लोग दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं जिससे ग्रामीणों में स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है।

बाईपास के रूप में होता है उपयोग रोजाना हजारों का आवागमन

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह 500 मीटर का मार्ग केवल बांसी ग्राम के लिए ही नहीं बल्कि क्षेत्र के अन्य गांवों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। यह मार्ग एक प्रमुख बाईपास के रूप में रामपायली, बोदलकसा सहित विभिन्न ग्रामीण अंचलों को आपस में जोड़ता है। इस वजह से यहाँ से प्रतिदिन सैकड़ों स्कूली विद्यार्थी अपने खेत एवं उपज लेकर जाने वाले किसान, नौकरीपेशा और आम ग्रामीण अपने दैनिक कार्यों के लिए गुजरते हैं। वर्तमान में स्थिति यह है कि पूरे मार्ग पर सिर्फ गिट्टियाँ और गहरे गड्ढे नजर आते हैं। दुपहिया और साइकिल सवारों का संतुलन बिगड़ना यहाँ आम बात हो चुकी है। आए दिन लोग गाड़ी स्लिप होने से गिरकर चोटिल हो रहे हैं साथ ही उनके कपड़े और वाहन भी खराब हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब सूखे मौसम में यह हाल है तो बारिश के दिनों में स्थिति खराब हो जाती है। वर्षाकाल में यह पूरा 500 मीटर का मार्ग भयंकर कीचड़ में तब्दील हो जाता है जिससे पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। इस अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग के नवनिर्माण और डामरीकरण के लिए ग्राम पंचायत से लेकर जनपद पंचायत स्तर तक कई बार मांग की जा चुकी है। परंतु विडंबना यह है कि आज तक इस मार्ग का निर्माण तो दूर गड्ढों को भरने के लिए सामान्य मरम्मत कार्य तक नहीं कराया गया है। प्रशासन की इस अनदेखी से ऐसा प्रतीत होता है कि वे किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं। मार्ग की खस्ताहाली और प्रशासनिक उदासीनता को लेकर अब बांसी और आसपास के ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे रहा है। ग्रामीणों ने मार्ग का कायाकल्प या सुदृढ़ीकरण कार्य करने शासन प्रशासन से मांग की हैं।

बांसी चौक से बस्ती जाने वाला मार्ग की हालत जर्जर-भूमेंद्र सिंह जैतवार

ग्रामीण भूमेंद्र सिंह जैतवार ने बताया की हमारे गांव में आने जाने में रोड़ से एक मार्ग अंदर जाता है। उस पर बारिश में दलदल की स्थिति हो जाती है अभी फिर बारिश लगने वाली है उसके पहले यदि मरम्मत होती है तो सभी को सहूलियत होगी क्योंकि आने जाने की काफी दिक्कत है। यह इकलौता मार्ग है सड़क आगे तक नहीं बन पाई है मुरूम वाला कच्चा मार्ग है जहां गड्ढे हो गए हैं बारिश में लोग गिरते हैं दुर्घटना होती रहती है। स्लिप होने से लोगों के हाथ पैर टूट चुके हैं यह बहुत बड़ी समस्या है इस पर ध्यान देना जरूरी है।

सड़क की समस्या सभी को पता है समाधान कोई नहीं कर रहा है-मोहित पटले

छात्र मोहित पटले ने बताया कि मैं कक्षा 9 वी का छात्र हूं बांसी रहता हूं बकेरा स्कूल रोज इसी मार्ग से मैं आना जाना करता हूं। साथ ही गांव के कई विद्यार्थी भी शिक्षा अध्ययन करने के लिए आते जाते हैं परंतु सभी को दुर्घटना का सामना करना पड़ता है। बारिश में चलने लायक सड़क रहती नहीं है कभी दुर्घटना हो गई तो कपड़े कापी पुस्तक सब खराब हो जाती है वापस घर लौटना पड़ता है। इस सड़क की समस्या सभी को पता है समाधान कोई नहीं कर रहा है बहुत दिक्कत का विषय है इसकी मरम्मत जल्द की जानी चाहिए।

सरपंच को सड़क निर्माण करना चाहिये-पत्रश करकाड़े

ग्रामीण पत्रश करकाड़े ने बताया की बांसी चौक पर मेरी दुकान है जिसके बाजू से यह सड़क बस्ती के लिए जाती है। इसमें बहुत दिक्कत है गड्ढे हो गए हैं बरसात में कीचड़ हो जाता है गड्ढों में पानी भरा रहता है स्कूल के बच्चे किसान विभिन्न ग्राम के ग्रामीण रोजाना आना जाना करते हैं। दुर्घटनाग्रस्त होते हैं पहले भी कई लोग दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं हमारे द्वारा लोगों को उठाया जाता है। सरपंच को जल्दी इस मार्ग का निर्माण करना चाहिए ताकि लोगों को दिक्कत ना हो। आज हमारी इतनी उम्र हो गई है कभी हमने इस मार्ग की मरम्मत नहीं देखे हैं हमेशा लोगों को इस मार्ग से तकलीफ ही मिली है। इस पर गंभीरता से ध्यान देते हुए समस्या का निराकरण करना चाहिए किंतु आज तक कुछ हुआ नहीं है यह दुख का विषय है।

भाजपा की खुशबू गिरीश बिसेन बनीं जनपद की कार्यवाहक अध्यक्ष,रीतू सुलाखिया को 6 मतों से दी पटखनी

खैरलांजी जनपद पंचायत में कार्यवाहक अध्यक्ष निर्वाचन शांतिपूर्ण संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जनपद पंचायत खैरलांजी में लंबे समय से चल रहे सियासी घटनाक्रम और कानूनी दांव पेंच के बाद आखिरकार नए कार्यवाहक अध्यक्ष का फैसला हो गया है। गुरुवार को कड़ी सुरक्षा और प्रशासनिक मुस्तैदी के बीच कार्यवाहक जनपद अध्यक्ष पद के लिए मतदान संपन्न हुआ। इस रोमांचक चुनावी मुकाबले में जनपद सदस्य खुशबू गिरीश बिसेन ने एक तरफा और शानदार जीत हासिल की है। उन्होंने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी और जनपद सदस्य रीतू योगेश सुलाखिया को 6 मतों के भारी अंतर से पराजित कर कार्यवाहक अध्यक्ष की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया।

वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में संपन्न हुई चुनाव प्रक्रिया

इस महत्वपूर्ण निर्वाचन को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन के द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए थे। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया निर्वाचन रिटर्निंग अधिकारी कार्तिकेय जायसवाल एसडीएम एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी गायत्री कुमार सारथी मुख्य कार्यपालक अधिकारी जनपद पंचायत खैरलांजी की प्रत्यक्ष देखरेख और कुशल मार्गदर्शन में सफलता पूर्वक संपन्न करवायी गई। दोनों अधिकारियों की मौजूदगी में मतदान और मतगणना की हर प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ पूरी हुई।

चुनावी गणित 23 सदस्यों ने किया मतदान 1 वोट हुआ निरस्त

आधिकाधिक जानकारी के मुताबिक खैरलांजी जनपद पंचायत में कुल 24 जनपद सदस्य क्षेत्र हैं। हालांकि क्षेत्र क्रमांक 19 के एक जनपद सदस्य का निर्वाचन न्यायालय के द्वारा पूर्व में ही निरस्त किया जा चुका है,जिसके कारण वर्तमान में प्रभावी सदस्यों की संख्या 23 थी। गुरुवार को हुई इस चुनावी प्रक्रिया में सर्वप्रथम अध्यक्ष पद के लिए खुशबू गिरीश बिसेन एवं रीतू योगेश सुलाखिया के द्वारा नामांकन दर्ज किया गया। जिसके बाद सभी 23 जनपद सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। रिटर्निंग अधिकारियों के द्वारा की गई मतगणना के बाद स्थिति पूरी तरह साफहो गई की खुशबू गिरीश बिसेन को कुल 14 मत एवं रीतू योगेश सुलाखिया को कुल 8 मत मिले चुनावी प्रक्रिया के दौरान 1 मतपत्र अवैध पाया गया। इस प्रकार खुशबू बिसेन ने 6 मतों के स्पष्ट बहुमत के साथ जीत का परचम लहराया।

अध्यक्ष पद खाली होने का यह है कारण

गौरतलब है कि यह चुनाव पूर्व जनपद अध्यक्ष आशु गुनाराम बघेले को पद से हटाए जाने के कारण अनिवार्य हुआ था। आशु बघेले के महाराष्ट्र के जाति प्रमाण पत्र को लेकर कानूनी विवाद चल रहा था। इस मामले में न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाते हुए उनके जाति प्रमाण पत्र को अमान्य कर उनके जनपद सदस्य व जनपद अध्यक्ष पद के निर्वाचन को शून्य घोषित कर दिया था। इसके बाद से ही कार्यवाहक अध्यक्ष के चुनाव को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मियां चरम पर थीं।

क्षेत्र का चहुंओर विकास ही मुख्य लक्ष्य -खुशबू बिसेन

जीत दर्ज करने के बाद नवनिर्वाचित कार्यवाहक अध्यक्ष खुशबू गिरीश बिसेन ने अपनी इस सफलता का पूरा श्रेय साथी जनपद सदस्यों, वरिष्ठ नेताओं और अपने समर्पित समर्थकों को दिया। उन्होंने चर्चा करते हुए कहा की यह जीत खैरलांजी क्षेत्र की जनता और हमारे साथी सदस्यों के विश्वास की जीत है। हमारे पास कार्यकाल की जो भी अवधि शेष है उसमें राजनीति से ऊपर उठकर क्षेत्र का चहुंओर विकास करना ही मेरी पहली प्राथमिकता होगी। हम सब मिलकर खैरलांजी को विकास के पथ पर आगे ले जाएंगे।

जीत के बाद निकला विजय जुलूस जमकर मना जश्न

जीत की आधिकाधिक घोषणा होते ही जनपद पंचायत परिसर के बाहर मौजूद समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया। समर्थकों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष खुशबू बिसेन का फूल.मालाओं और आतिशबाजी के साथ जोरदार स्वागत किया। इसके बाद समर्थकों द्वारा एक भव्य विजय रैली निकाली गई जिसने पूरे नगर का भ्रमण किया। रैली में शामिल कार्यकर्ता ढोल.ताशों की थाप पर थिरकते और गुलाल उड़ाते हुए खुशी का इजहार कर रहे थे। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य सुनीता मानसिंह बहेटवार ,पूर्व जनपद अध्यक्ष राकेश बनोटे ,मंडल भाजपा अध्यक्ष नरेंद्र शुक्ला,ज्ञानेश रांगहडाले , गिरीश बिसेन ,सागर बिसेन ,नरेंद्र साहू ,फिरोज ठाकरे ,देवेंद्र लिल्हारे ,अभिषेक सेलोकर ,पलास बिसेन, डालीराम नगपुरे सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे।

जिले के 26 शासकीय भवनों पर रेस्को मॉडल से लगेंगे सोलर पैनल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के विभिन्न विभागों के 26 शासकीय भवनों पर रेस्को (RESCO) मॉडल के तहत सोलर पैनल स्थापित किए जाएंगे। इस संबंध में गुरुवार18 जून को कलेक्टर मृणाल मीना की उपस्थिति में संबंधित विभागों के अधिकारियों, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम तथा सोलर पैनल स्थापित करने वाली कंपनी के बीच अनुबंध संपन्न हुआ। बैठक में कलेक्टर

श्री मीना ने बताया कि जिले में विभिन्न विभागों के कुल 78 शासकीय भवनों को सोलर पैनल स्थापना के लिए चिन्हित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 26 भवनों के साथ-साथ शेष भवनों पर भी सोलर पैनल लगाने के लिए अनुबंध संबंधी प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण की जाए, ताकि जिले में अक्षय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिल सके। अनुबंध के अनुसार सोलर पैनल की स्थापना करने वाली कंपनी द्वारा आगामी 25 वर्षों तक उनके संचालन एवं रखरखाव (मेंटेनेंस) की जिम्मेदारी निभाई जाएगी। जिन 26 भवनों पर सोलर पैनल लगाए जाने हैं, उनमें जिला चिकित्सालय, पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, सांदीपनि विद्यालय, जनजातीय कार्य विभाग के छात्रावास, आईटीआई भवन सहित विभिन्न विभागों के अन्य शासकीय भवन शामिल हैं। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि शासकीय भवनों पर सोलर पैनल लगने से बिजली व्यय में उल्लेखनीय कमी आएगी। सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली ग्रिड में प्रवाहित की जाएगी और उसके मूल्य का समायोजन संबंधित भवनों के बिजली बिल में किया जाएगा। इससे विभागों को बिजली बिल के भुगतान में बड़ी राहत मिलेगी तथा ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य को भी बल मिलेगा। यह पहल जिले में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिससे सरकारी संस्थानों की ऊर्जा लागत घटेगी और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन मिलेगा।

अज्ञात बाइक की टक्कर से राकेश घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम के सामने एक तेज रफ्तार अज्ञात मोटरसाइकिल चालक ने पैदल जा रहे एक व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में व्यक्ति घायल हो गया है जिसे स्थानीय नागरिकों की मदद से तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राकेश धार्मिक उम्र 45 वर्ष प्रतिदिन की तरह अपने जरूरी कार्यों के लिए बस स्टैंड आए हुए थे। अपना काम निपटाने के बाद वे पैदल ही दीनदयाल चौक की ओर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम के सामने पहुंचते

ही एक अज्ञात मोटरसाइकिल चालक ने उन्हें लापरवाही से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। राकेश धार्मिक सड़क पर गिरकर चोटिल हो गए। घटना के बाद आरोपी मोटरसाइकिल चालक मौके का फायदा उठाकर अपनी बाइक सहित वहां से फ रार हो गया। हादसे को देखकर आसपास मौजूद लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल राकेश को संभाला। स्थानीय नागरिकों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों के द्वारा उनका प्राथमिक उपचार कर दिया गया है।

एआई तकनीक बदल रही रोजगार की दुनियां

भारत की अर्थव्यवस्था एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था से औद्योगिक और सेवा आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ चुके भारत में, अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी-एआई) नई आर्थिक क्रांति का आधार बनती दिखाई दे रही है। आने वाले दो से तीन वर्षों में एआई तकनीक का प्रभाव रोजगार, शिक्षा, उद्योग, व्यापार और प्रशासन के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देगा। विशेषज्ञों का मानना है, भारत की आर्थिक प्रगति में सर्विस सेक्टर की भूमिका और अधिक बढ़ेगी तथा रोजगार का बड़ा हिस्सा एआई समर्थित सेवाओं से जुड़ा होगा। आज बैंकिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, ई-कॉमर्स, मीडिया, कृषि और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में एआई आधारित उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। पहले जिन कार्यों को करने के लिए बड़ी संख्या में कर्मचारियों की आवश्यकता होती थी, अब उनमें से कई कार्य स्वचालित उपकरणों के द्वारा किए जा रहे हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि रोजगार समाप्त हो जाएंगे, बल्कि रोजगार का स्वरूप बदल जाएगा। पारंपरिक कार्यों की जगह ऐसे लोगों की मांग बढ़ेगी जो एआई आधारित तकनीक में कार्य का संचालन, रख-रखाव, विश्लेषण और प्रबंधन कर सकें। भारत में बड़ी संख्या में एआई आधारित मशीनें, रोबोटिक उपकरण, स्मार्ट सेंसर, स्वचालित उत्पादन प्रणाली और डिजिटल सेवा से संबंधित उपकरण आयात किए जाएंगे। इन उपकरणों के संचालन, मरम्मत, निगरानी, डेटा विश्लेषण और तकनीकी सहायता के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता होगी। परिणामस्वरूप सर्विस सेक्टर में नए प्रकार की नौकरियां पैदा होंगी। तकनीकी सहायता विशेषज्ञ, एआई ऑपरेटर, डेटा विश्लेषक, डिजिटल सलाहकार, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और स्मार्ट सिस्टम प्रबंधक जैसे पदों की मांग लगातार बढ़ेगी।

शिक्षा क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव

शिक्षा क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव दिखाई दे रहे हैं। लंबे समय तक डिग्री आधारित शिक्षा को रोजगार का आधार माना जाता रहा है। अब उद्योग जगत सहित सभी क्षेत्रों में कौशल आधारित मानव संसाधन को अधिक महत्व मिल रहा है। किसी शैक्षणिक संस्थान से केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि किसी व्यक्ति की वास्तविक उपयोगिता इस बात से तय होगी, वह अपने कार्यक्षेत्र में एआई आधारित उपकरणों और तकनीकों का कितना प्रभावी उपयोग अपने कार्य में कर सकता है। यही कारण है कि तकनीकी प्रशिक्षण, अल्पकालिक कौशल पाठ्यक्रम, डिजिटल साक्षरता और व्यावहारिक शिक्षा का महत्व लगातार बढ़ रहा है। रोजगार और नौकरी में वही सफल होंगे जो अपने कार्यों में जिम्मेदारी के साथ दक्ष होंगे। असंगठित क्षेत्र, जो भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता माना जाता है। वह भी इस परिवर्तन से अछूता नहीं रहेगा। छोटे दुकानदार, कुटीर उद्योग, परिवहन सेवाएं, कृषि आधारित व्यवसाय, स्थानीय सेवा प्रदाता और स्वरोजगार से जुड़े लोग भी एआई आधारित डिजिटल उपकरणों का उपयोग बहुतायत में करने लगेंगे। ऑनलाइन भुगतान, स्मार्ट लेखांकन, डिजिटल विपणन, ग्राहक प्रबंधन और स्वचालित व्यावसायिक प्रणालियां असंगठित क्षेत्र की कार्यशैली को बदलाव लाएंगी। हालांकि इस क्षेत्र के सटीक आर्थिक आंकड़े उपलब्ध नहीं होने के कारण इसके वास्तविक प्रभाव का अनुमान लगाना कठिन है। फिर भी स्पष्ट है, कि एआई का विस्तार हर क्षेत्र में तेजी से होगा।

गृहिणियाँ @ गृहिणी नहीं,राष्ट्र निर्माता,नेशन बिल्डर-सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

अवैतनिक घरेलू श्रम को मिली कानूनी मान्यता

वैश्विक स्तरपर भारतीय समाज में सदियों से गृहिणी को परिवार की धुरी माना जाता रहा है,किंतु विडंबना यह है कि जिस महिला के श्रम पर पूरा परिवार, समाज और अंततः राष्ट्र की सामाजिक संरचना टिकी होती है,उसी के कार्य को आर्थिक दृष्टि से कभी उचित मान्यता नहीं मिल सकी। घर की सफाई,भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की देखभाल,परिवार के स्वास्थ्य और भावनात्मक संतुलन को बनाए रखना,घरेलू वित्तीय प्रबंधन करना तथा परिवार के प्रत्येक सदस्य की आवश्यकताओं का ध्यान रखना ऐसे कार्य हैं जो किसी भी पेशेवर सेवा से कम नहीं हैं। इसके बावजूद इन कार्यों को काम के बजाय कर्तव्य या पारिवारिक जिम्मेदारी मान लिया गया। परिणामस्वरूप करोड़ों महिलाओं द्वारा प्रतिदिन किए जाने वाले अवैतनिक घरेलू श्रम को राष्ट्रीय आय,सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) तथा आर्थिक उत्पादकता के पारंपरिक मापदंडों में स्थान नहीं मिल पाया।आधुनिक डिजिटल और बाजार आधारित अर्थव्यवस्था में भी किसी व्यक्ति के योगदान कामूल्यांकन प्रायः उसके वेतन,आयकर या बैंक खाते में आने वाली आय से किया जाता है,जबकि गृहिणी का श्रम अदृश्य रह जाता है।यही कारण है कि लंबे समय से महिला अधिकार संगठनों, अर्थशास्त्रियों और समाज शास्त्रियों द्वारा यह मांग उठाई जाती रही है कि घरेलू कार्य को आर्थिक मूल्य दिया जाए और गृहिणियों के योगदान को औपचारिक मान्यता प्रदान की जाए। इसी व्यापक सामाजिक और संवैधानिक पृष्ठभूमि में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 11 जून 2026 को, यह निर्णय एसएलपी (सिविल) नंबर 33915 शुद्ध 2025 से उत्पन्न 2026 आईएनएससी 634 के रूपमें एक ऐसा ऐतिहासिक निर्णय दिया है जिसने गृहिणियों को केवल होममेकर नहीं बल्कि नेशन बिल्डरअर्थात राष्ट्रनिर्माता की संज्ञा देकर भारतीय न्यायिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह निर्णय केवल मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज की उस सोच को चुनौती देता है जो महिलाओं के घरेलू श्रम को कमतर आंकती रही है।

साथियों यह ऐतिहासिक निर्णय शिशुपाल शिशराम अदर्स वर्सेज सुरजीत एंड अदर्स मामलेमें 11 जून 2026 को सुनाया गया। यह मामला वर्ष 2001 में पंजाब में हुई एक सड़क दुर्घटना से संबंधित था, जिसमें एक गृहिणी की मृत्यु हो गई थी। मृतका के परिवार ने मुआवजे की राशि को अपर्याप्त बताते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और अंततः मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा। मामले की सुनवाई जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन . कोटिश्वर सिंह की द्वि-न्यायाधीशीय पीठ ने की। यह निर्णय एसएलपी (सिविल) नंबर . 33915 शुद्ध 2025 से उत्पन्न 2026 आईएनएससी 634 के रूप में दर्ज है। न्यायालय ने न केवल मुआवजे को बढ़ाकर लगभग 62.77 लाख रूपए कर दिया बल्कि गृहिणियों के आर्थिक योगदान पर भी व्यापक टिप्पणियां कीं।अपने निर्णय में न्यायालय ने अत्यंत महत्वपूर्ण शब्दों में कहा कि गृहिणियां परिवार मेंयोगदान देती हैं। वे राष्ट्र निर्माता हैं। वे राष्ट्र का निर्माण करती हैं। उनके योगदान का मूल्यांकन और मौद्रिक आकलन कैसे किया जाए, यही चुनौती है। न्यायालय ने यह भी आशा व्यक्त की कि अब होममेकर शब्द को नेशन बिल्डरके रूप में देखा जाएगा। यह टिप्पणी केवल एक भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं थी, बल्कि इसके पीछे एक गहरी संवैधानिक और सामाजिक सोच थी। न्यायालय ने स्वीकार किया कि जिस महिला के श्रम के कारण परिवार का प्रत्येक सदस्य अपनी शिक्षा, रोजगार और सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर पाता है, उसका योगदान राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा है। साथियों इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणी के अवैतनिक घरेलू श्रम कान्यूनतम आर्थिक मूल्य निर्धारित करते हुए कहा कि मोटर दुर्घटना दावों में मुआवजा निर्धारित करने के लिए गृहिणी की काल्पनिक मासिक आय (नोशनल मंथली इन्कम) कम से कम 30,000 रूपए प्रति माह मानी जाएगी। भारतीय न्यायिक इतिहास में पहली बार सर्वोच्च न्यायालय ने इतनी स्पष्टता के साथ गृहिणी के श्रम को मौद्रिक मूल्य प्रदान किया है। न्यायालय ने माना कि यदि वही कार्य बाजार से खरीदे जाएं तो उनके लिए रसोइया, देखभालकर्ता, शिक्षक, घरेलू प्रबंधक और परामर्शदाता जैसी अनेक सेवाओं का भुगतान करना पड़ेगा। इसलिए यह कहना कि गृहिणी आय अर्जित नहीं करती,वास्तविकता के विपरीत है। साथियों, न्यायालय ने एक और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए लॉस ऑफ डोमेस्टिक केयर अर्थात घरेलू देखभाल की हानि को मुआवजे की एक स्वतंत्र श्रेणी के रूप में मान्यता दी। पहले मोटर दुर्घटना मामलों में मुख्य रूप से आय की हानि, आश्रितों की हानि, चिकित्सा व्यय और अन्य पारंपरिक मदों के आधार पर मुआवजा निर्धारित किया जाता था।लेकिन गृहिणियों के मामले में यह व्यवस्था अपर्याप्त थी क्योंकि उनकी कोई प्रत्यक्ष वेतन आय नहीं होती। न्यायालय ने कहा कि परिवार को मिलने वाली घरेलू देखभाल, बच्चों की परवरिश, पति-पत्नी के पारस्परिक सहयोग तथा परिवार के भावनात्मक और सामाजिक प्रबंधन का भी आर्थिक मूल्य है। इसलिए इसे अलग श्रेणी में शामिल किया जाना चाहिए। साथियों, निर्णय की सबसे प्रभावशाली टिप्पणियों में से एक यह थी कि गृहिणी को डिपेंडेंट अर्थात आश्रित कहना विडंबनापूर्ण है। न्यायालय ने कहा कि वास्तव में पूरा परिवार गृहिणी पर निर्भर रहता है। भारतीय न्यायिक विमर्श में यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण दृष्टिकोण परिवर्तन है। पारंपरिक रूप से आय अर्जित करने वाले व्यक्ति को परिवार का मुख्य आधार माना जाता रहा है, जबकि न्यायालय ने स्पष्ट किया कि घर की व्यवस्था,बच्चों का पालन- पोषण, बुजुर्गों की देखभाल और सामाजिक स्थिरता का वास्तविक आधार गृहिणी होती है। इसलिए उसे केवल आश्रित के रूप में देखना उसकी भूमिका को कम करके आंकना है।सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में यह भी माना कि महिलाओं का अवैतनिक श्रम भारतीय अर्थव्यवस्था की अदृश्य नींव है। न्यायालय ने पितृसत्तात्मक सोच की आलोचना करते हुए कहा कि लंबे समय से घरेलू कार्य को वास्तविक काम नहीं माना गया, जबकि यह समाज के पुनरुत्पादन और मानव संसाधन निर्माण की मूल प्रक्रिया है।बच्चे का पालन-पोषण, बुजुर्गों की देखभाल,भोजन तैयार करना,परिवार का भावनात्मक संतुलन बनाए रखना और सामाजिक मूल्यों का हस्तांतरण, ये सभी कार्य आर्थिक विकास के लिए आवश्यक हैं। यदि ये कार्य न हों तो श्रम बाजार, शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक संरचना गंभीर रूप से सटीकता से प्रभावित हो जाएगी। साथियों, इस निर्णय का महत्व केवल मुआवजा कानून तक सीमित नहीं है। यह भारतीय समाज को यह संदेश देता है कि महिलाओं का घरेलू श्रम किसी वेतनभोगी नौकरी से कम नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी वर्षों से अनपेड केयर इकॉनमी और केयर वर्क को मान्यता देने की मांग उठती रही है। संयुक्त राष्ट्र और अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने बार-बार कहा है कि महिलाओं का अवैतनिक श्रम आर्थिक विकास का आधार है, लेकिन राष्ट्रीय लेखांकन प्रणालियों में इसे पर्याप्त स्थान नहीं मिला है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय उसी वैश्विक विमर्श के अनुरूप दिखाई देता है। इस फैसले का एक महत्वपूर्ण कानूनी प्रभाव यह होगा कि भविष्य में मोटर वाहन दुर्घटना मामलों में गृहिणियों के लिए दिए जाने वाले मुआवजे की गणना का तरीका बदल जाएगा। अब बीमा कंपनियां और न्यायाधिकरण गृहिणी के योगदान को केवल सांकेतिक रूप से नहीं आंक सकेंगे। उन्हें न्यायालय द्वारा निर्धारित सिद्धांतों का पालन करना होगा। इससे हजारों परिवारों को अधिक न्यायसंगत मुआवजा मिलने की संभावना है। साथियों, सामाजिक दृष्टि से भी यह निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है। लंबे समय से यह धारणा बनी हुई थी कि परिवार का आर्थिक योगदान केवल वही व्यक्ति करता है जो घर से बाहर जाकर वेतन अर्जित करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस सोच को चुनौती देते हुए स्पष्ट कर दिया कि घरेलू श्रम भी आर्थिक मूल्य रखता है। यह निर्णय महिलाओं के सम्मान, आत्मसम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाला है। यह संदेश देता है कि राष्ट्र निर्माण केवल कारखानों, कार्यालयों और संस्थानों में नहीं होता, बल्कि घरों में भी होता है जहां गृहिणियां आने वाली पीढ़ियों का निर्माण करती हैं।

अतः अगर हम उपयोग पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 11 जून 2026 का यह निर्णय एसएलपी (सिविल) नंबर .33915 of 2025 से उत्पन्न 2026 आईएनएससी 634 के रूपमें एक ऐसा ऐतिहासिक निर्णय दिया है जिसने गृहिणियों को केवल होममेकर नहीं बल्कि नेशन बिल्डरअर्थात राष्ट्र निर्माता की संज्ञा देकर भारतीय न्यायिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है।भारतीय न्यायिक इतिहास में महिलाओं के अवैतनिक घरेलू श्रम को कानूनी,आर्थिक और सामाजिक मान्यता देने वाला एक मील का पत्थर है। शिशुपाल व शिशराम वर्सेज सुरजीत मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि गृहिणियां राष्ट्र निर्माता हैं, उनकी सेवाओं का आर्थिक मूल्य है, उन्हें आश्रित नहीं माना जा सकता और उनके घरेलू श्रम की न्यूनतम कीमत 30,000 रूपए प्रतिमाह आंकी जानी चाहिए।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

भागवत बोले- इतिहासकार केवल नैरेटिव बनाते हैं

-कांतिलाल मांडोत

हल्दीघाटी के युद्ध में विजय केवल महाराणा प्रताप की हुई, मुगलों को पीछे हटना पड़ा

उदयपुर में आयोजित राष्ट्र चेतना संकल्प सभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने हल्दीघाटी के युद्ध और महाराणा प्रताप के अद्वितीय व्यक्तित्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इतिहासकारों ने इस युद्ध को लेकर केवल एक नैरेटिव गढ़ने का प्रयास किया, जबकि वास्तविकता यह है कि हल्दीघाटी के युद्ध में विजय महाराणा प्रताप की ही हुई थी। उन्होंने कहा कि मुगल इतिहासकारों के विवरणों में भी यह उल्लेख मिलता है कि युद्ध के दौरान मुगल सेना को पीछे हटना पड़ा था। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि मुगल सेना पीछे खिसकी, भयभीत हुई और युद्ध के बाद सुरक्षित स्थानों में सीमित रहने को विवश हो गई, तो विजय किसकी मानी जानी चाहिए। भागवत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह विजय केवल महाराणा प्रताप की ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और स्वतंत्रता के संकल्प की विजय थी।

महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के उन महानतम योद्धाओं में गिने जाते हैं जिन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण मातृभूमि की रक्षा और स्वाभिमान के संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया। वे केवल मेवाड़ के शासक नहीं थे, बल्कि राष्ट्र गौरव, स्वतंत्रता और आत्मसम्मान के जीवंत प्रतीक थे। जिस समय भारत के अनेक शासक मुगल सत्ता के सामने झुक चुके थे, उस समय महाराणा प्रताप ने अपने स्वाभिमान को सर्वोच्च मानते हुए संघर्ष का मार्ग चुना। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि मेवाड़ की धरती पर विदेशी सत्ता का आधिपत्य स्वीकार नहीं किया जाएगा।

भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि हल्दीघाटी का युद्ध केवल महाराणा प्रताप और उनकी सेना का युद्ध नहीं था, बल्कि यह पूरे समाज का संघर्ष था। मेवाड़ की जनता, भील समुदाय और विभिन्न वर्गों ने इस युद्ध में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भाग लिया था। यही कारण था कि संसाधनों की कमी के बावजूद प्रताप का संघर्ष वर्षों तक चलता रहा। उन्होंने कहा कि अकबर के पास विशाल सेना, अपार धन और असीमित संसाधन थे, जबकि महाराणा प्रताप सीमित साधनों के साथ युद्ध लड़ रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने कभी हार स्वीकार नहीं की और स्वतंत्रता के संकल्प को जीवित रखा।

हल्दीघाटी का युद्ध भारतीय इतिहास की सबसे चर्चित और प्रेरणादायक घटनाओं में से एक है। 18 जून 1576 को लड़े गए इस युद्ध में एक ओर मुगल साम्राज्य की विशाल शक्ति थी और दूसरी ओर मातृभूमि की रक्षा के लिए समर्पित महाराणा प्रताप का अदम्य साहस। युद्ध के दौरान प्रताप ने जो पराक्रम दिखाया, उसने उन्हें अमर बना दिया। उनका प्रिय अश्व चेतक भी वीरता और स्वामिभक्ति का अद्भुत उदाहरण बन गया। चेतक ने अपने स्वामी की रक्षा के लिए प्राणों का बलिदान दिया, जिसके कारण उसका नाम भी इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित हो गया।

डॉ. मोहन भागवत ने युद्ध के विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि मुगल सेना को कई अवसरों पर पीछे हटना पड़ा। उन्होंने कहा कि यदि युद्ध के प्रथम चरण में मुगल पीछे खिसके, यदि दूसरे चरण में महाराणा प्रताप ने दुश्मन के प्रमुख योद्धाओं को चुनौती दी और यदि युद्ध के बाद मुगल सेना भय के कारण सुरक्षित स्थानों में सीमित रहने को विवश हुई, तो यह स्पष्ट संकेत है कि युद्ध का नैतिक और वास्तविक पलड़ा महाराणा प्रताप के पक्ष में था। उन्होंने कहा कि इतिहास को तथ्यों के आधार पर देखा जाना चाहिए, न कि केवल स्थापित धारणाओं के आधार पर।

महाराणा प्रताप का जीवन केवल युद्धों तक सीमित नहीं था। वे आदर्श शासन, जनकल्याण और नैतिक मूल्यों के भी प्रतीक थे। उन्होंने कभी अपने व्यक्तिगत सुख और वैभव को महत्व नहीं दिया। कठिन परिस्थितियों में जंगलों और पहाड़ों में जीवन व्यतीत करना पड़ा, परिवार को कष्ट सहने पड़े, लेकिन उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। यही कारण है कि उन्हें 'हिंदुआ सूरज' कहा जाता है। वे केवल एक राजा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और स्वाभिमान के प्रहरी थे।

भागवत ने कहा कि महाराणा प्रताप कभी स्वार्थ के लिए नहीं लड़े। उनका संघर्ष समाज, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा के लिए था। उन्होंने यह दिखाया कि सच्चा नेतृत्व वही है जो व्यक्तिगत लाभ से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के हित को सर्वोच्च स्थान दे। महाराणा प्रताप ने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत क्यों न हों, यदि संकल्प अडिग हो तो विजय का मार्ग अवश्य निकलता है।

उदयपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए संत-महात्माओं और गणमान्य व्यक्तियों ने भी महाराणा प्रताप के योगदान को स्मरण किया। निम्बार्क पीठ के पीठाधीश्वर ने कहा कि यह भूमि बलिदान और त्याग की भूमि है तथा समाज को एकजुट रहकर राष्ट्र निर्माण के कार्य में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कीचड़ में कमल खिलता है, उसी प्रकार चुनौतियों के बीच भी राष्ट्र की महानता और संस्कृति का संरक्षण किया जा सकता है।

महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती और हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम केवल एक स्मरण समारोह नहीं था, बल्कि राष्ट्र चेतना को जागृत करने का प्रयास भी था। इस अवसर पर वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि नई पीढ़ी को महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उनका संघर्ष हमें सिखाता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है और स्वाभिमान से बढ़कर कोई संपत्ति नहीं होती।

आज भी महाराणा प्रताप का नाम सुनते ही साहस, त्याग और देशभक्ति की भावना जागृत हो उठती है। वे भारतीय इतिहास के ऐसे नायक हैं जिनकी महानता समय के साथ और अधिक बढ़ती गई है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि शक्ति केवल सेना और धन में नहीं होती, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और मातृभूमि के प्रति समर्पण में भी होती है।

डॉ. मोहन भागवत के वक्तव्य ने एक बार फिर हल्दीघाटी के युद्ध और महाराणा प्रताप के संघर्ष को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया है। चाहे इतिहास की व्याख्याएं अलग-अलग हों, लेकिन यह निर्विवाद सत्य है कि महाराणा प्रताप भारतीय स्वाभिमान के सबसे उज्ज्वल प्रतीकों में से एक हैं। उन्होंने पराधीनता के स्थान पर संघर्ष को चुना, समझौते के स्थान पर सम्मान को चुना और व्यक्तिगत हितों के स्थान पर राष्ट्रहित को चुना। यही कारण है कि वे आज भी करोड़ों भारतीयों के हृदय में आदर्श, प्रेरणा और गौरव के रूप में विराजमान हैं। महाराणा प्रताप का जीवन भारतीय संस्कृति, स्वतंत्रता और आत्मसम्मान की ऐसी अमर गाथा है जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और ब?ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है।

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषतः ईरान- इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी-7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे।

यही कारण है कि जी-7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है।

आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋण के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी-7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है। जी-7 की प्रासंगिकता पर सबसे ब?ा प्रश्न उसकी प्रभावशीलता को लेकर है। यदि कोई संगठन विश्व की प्रमुख समस्याओं को रोकने या सुलझाने में सक्षम नहीं है, तो उसकी उपयोगिता स्वतः प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से जारी है। पश्चिम एशिया लगातार अशांत बना हुआ है। आतंकवाद और कट्टरता की चुनौतियां बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया अभूतपूर्व संकटों का सामना कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक नेतृत्व देने का दावा करने वाले मंचों की उपलब्धियां सीमित दिखाई देती हैं।

हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति और सहमति की दिशा में बढ़ने की खबरों ने पूरी दुनिया को राहत दी है। लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ रही थी और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा था। जैसे ही दोनों देशों के बीच समझौते और संवाद की संभावनाएं मजबूत हुईं, दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखाई दिए। निवेशकों का विश्वास बढ़ा, ऊर्जा बाजार में स्थिरता के संकेत मिले और तेल की कीमतों में नरमी आई। इससे स्पष्ट है कि शांति केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उसका सीधा संबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और आम नागरिक के जीवन से भी होता है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि संवाद और समझौता ही अंततः समाधान का मार्ग था, तो फिर टकराव और तनाव की स्थिति को इतना लंबा क्यों खींचा गया? आखिर राष्ट्रपति ट्रंप को समझौते और सहमति के लिए राजी होने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? क्या इसके पीछे आर्थिक दबाव थे? क्या वैश्विक बाजारों की चिंता थी? क्या अमेरिकी जनता की अपेक्षाएं थीं? या फिर यह स्वीकारोक्ति थी कि युद्ध और दबाव की राजनीति की भी सीमाएं होती हैं? ये ऐसे प्रश्न हैं जिन पर जी-7 जैसे मंचों में गंभीर चर्चा होनी चाहिए।

विश्व समुदाय केवल औपचारिक शांति समझौतों से संतुष्ट नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि शांति स्थायी, विश्वसनीय और न्यायपूर्ण हो। यदि समझौते केवल राजनीतिक छवि निर्माण, चुनावी लाभ या अस्थायी रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किए जाते हैं, तो वे लंबे समय तक टिक नहीं पाते। जी-7 को यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहल करनी चाहिए कि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले शांति प्रयास वास्तविक हों और उनका उद्देश्य मानवता के हितों की रक्षा करना हो। आज वैश्विक व्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। दुनिया अब एकध्रुवीय नहीं रही। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक शक्ति संतुलन को नया स्वरूप दे रही हैं। ऐसे समय में जी-7 को भी अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण में परिवर्तन करना होगा। यदि यह मंच केवल अमेरिकी नेतृत्व और पश्चिमी हितों का प्रतिनिधि बना रहेगा, तो इसकी स्वीकार्यता और प्रभावशीलता लगातार घटती जाएगी। आवश्यकता इस बात की है कि जी-7 स्वयं को अधिक समावेशी बनाए, विकासशील देशों को निर्णय प्रक्रिया में अधिक स्थान दे, आर्थिक न्याय और जलवायु न्याय के प्रश्नों पर ठोस पहल करे तथा वैश्विक शांति को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करे। अमेरिका को भी यह समझना होगा कि नेतृत्व और प्रभुत्व में अंतर होता है। नेतृत्व विश्वास अर्जित करता है, जबकि प्रभुत्व विरोध को जन्म देता है। फ्रांस में हो रहा यह सम्मेलन केवल आर्थिक या राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का मंच नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए।

जी-7 को यह विचार करना होगा कि बदलती दुनिया में उसकी भूमिका क्या है और वह किस प्रकार अधिक उपयोगी, प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता है। यदि यह संगठन अपने भीतर बढ़ते मतभेदों को दूर कर, समानता और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ता है, तभी वह विश्व समुदाय की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकेगा। भारत को इस अवसर पर साहसपूर्वक यह संदेश देना चाहिए कि विश्व का भविष्य शक्ति-संतुलन, संवाद, सहयोग और समावेशिता में निहित है। किसी एक देश या समूह की प्रभुत्ववादी सोच से नहीं, बल्कि साझी जिम्मेदारी और साझा विकास की भावना से ही विश्व में स्थायी शांति, आर्थिक स्थिरता और मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही जी-7 जैसे मंचों की वास्तविक कसौटी भी।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। चौतरफा बिकवाली से गुरुवार को दलहनों में चना, तुअर व मूंग में बाजार गिरावट के रहे। खाद्य तेलों में बाजार सुस्त रहे। तिलहनों में सोयाबीन 6800 रू. क्विंटल पर कमजोर रहा। किराना जिंसों में शक्कर मजबूत नज़र आयी। सौंफ व जीरे में भी बाजार सुर्ख नज़र आये। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार दलहनों में बिकवाली के चलते चना, तुअर व मूंग में बाजार 50-100 रू. प्रति क्विंटल तक टूट गये। खाद्य तेलों में सुस्ती रही। तिलहनों में सोयाबीन 6800 रू. क्विंटल पर कमजोर रहा। उधर, किराना जिंसों में सौंफ व जीरे में लेवाली से बाजार सुर्ख रहे। शक्कर में मजबूती आयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4290, खोपरा गोला 365-421, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 800-825, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2000-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2800-2850, (160) 3250-3300, (200) 3750-3800, (250) 4400-4500

तेल- सींगदाना 1560-1580, मुम्बई 1590, राजकोट तेलिया 2470, सोया साल्वेंट 1370-1375, सोया रिफाइंड 1435-1440, कपास्या 1465-1470, धूलिया 1470, कड़ी 1470,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1520, मुम्बई पाम 1460, मुम्बई सोया 1460,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7800, रायडा 6800, सोयाबीन 6800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना काटेवाला बेस्ट 6000, एवरेज 6000-6050, विशाल 5900-5950, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रर्शा?यन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7700, मीडि?यम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 8500-8800, एवरेज 8200-8300, हल्की 7700-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7450-7550, मीडियम 7650-7750, बोल्ड 7950-8150, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में नरमी का रूख रहा। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 245000, चाँदी (99) 244800, टंच 244200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 148800,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 20 पैसे की तेजी के साथ ही 94.36 पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह बाजार 13 पैसे कमजोर होकर 94.66 पर खुला। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और भू-राजनीतिक तनाव कम होने से रुपये को कुछ राहत मिली है पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से डॉलर मजबूत बना हुआ है। बुधवार को भारतीय रुपया मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.56 रुपए पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियों के सकारात्मक संकेतों ने घरेलू मुद्रा को सहारा दिया, जिससे रुपये ने लगातार तीसरे दिन अपनी बढ़त बनाए रखी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इस सप्ताह की शुरुआत से ही बाजार में बढ़त का दौर छाया रहा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 254.36 अंक बढ़कर 77,409.98 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 82.30 अंक बढ़कर 24,168.00 पर बंद हुआ। आज मध्यम और छोटे शेयरों में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 255.90 अंक बढ़कर 62,379.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 82.40 अंक बढ़कर 18,705.60 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी का नेतृत्व हेल्थकेयर और रियल्टी शेयरों ने किया। निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी रियल्टी के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। निफ्टी पीएसई, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी

सर्विसेज के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं, निफ्टी आईटी, निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑयलएंडगैस के शेयर गिरावट पर बंद हुए। सेंसेक्स पैक में ट्रेंट, बीईएल, एनटीपीसी, ई, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, एचयूएल, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, के शेयर लाभ में रहे जबकि टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, टीसीएस, एलएंडटी, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन के शेयर गिरे। जानकारों के अनुसार घरेलू शेयर बाजार ने सत्र में एक सीमित दायरे में सकारात्मक रुख के कारोबार किया। यूएस फेड के सख्त रुख से भी निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं। ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई का दबाव बढ़ सकता है, जिससे केंद्रीय बैंक साल के आखिरी हिस्से में ब्याज दरें बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं; ऐसे में निवेशक सतर्क रुख अपना सकते हैं। अमेरिका ईरान शांति समझौते पर भीएबाबीसकी नजरें टिकी हैं। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई।

पीएफ खाता खोलना हुआ आसान, ईपीएफओ ने शुरू की चेहरा पहचान तकनीक

नई दिल्ली। एजेंसी। देश के करोड़ों नौकरीपेशा कर्मचारियों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने एक बेहद महत्वपूर्ण और राहत भरी घोषणा की है। अब पीएफ खाते से जुड़े यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) को एक्टिवेट करने के लिए न तो आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर आने वाले ओटीपी का इंतजार करना होगा और न ही बायोमेट्रिक मशीन पर उंगलियों के निशान देने होंगे। ईपीएफओ ने यूएमएएनजी ऐप पर फेस ऑथेंटिकेशन (चेहरा पहचानने वाली हाई-टेक तकनीक) की नई सुविधा शुरू की है, जिससे यह प्रक्रिया अब काफी आसान और तेज हो जाएगी। अब तक यूएएन एक्टिवेट करने में आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर ओटीपी न आने या पुराना नंबर बंद होने जैसी तकनीकी दिक्कतें आती थीं, जिससे कर्मचारियों का काम हफ्तों अटका रहता था। साथ ही, उम्र बढ़ने या कठिन शारीरिक श्रम के कारण जिन बुजुर्ग या कामकाजी कर्मचारियों के उंगलियों के निशान मशीन पर मैच नहीं हो पाते थे, उनके लिए भी अब केवल चेहरा स्कैन करना ही काफी होगा। यह नई सुविधा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की लाइव फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक के साथ जोड़ी गई है। इसका लाभ लेने के लिए फोन में आधार फेसआरडी ऐप डाउनलोड होना जरूरी है। यह ऐप केवल लाइव चेहरे को पहचानता है, जिससे पुरानी फोटो या वीडियो के जरिए किसी भी तरह की धोखाधड़ी की आशंका पूरी तरह खत्म हो जाती है। यह आधुनिक सुरक्षा प्रणाली पीएफ फंड को बेहद सुरक्षित और फुलप्रूफ बनाती है।

श्रम संहिताओं के लिए एकीकृत डिजिटल प्रणाली, राज्यों से पोर्टल जोड़ने का आग्रह

नई दिल्ली। एजेंसी। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने राज्यों से अपने-अपने श्रम पोर्टलों को केंद्र के श्रम सुविधा और समाधान पोर्टलों के साथ जोड़ने का आग्रह किया है। यह कदम देश में चार श्रम संहिताओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और श्रम प्रशासन के लिए एक एकीकृत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इस पहल का उद्देश्य अनुपालन, पंजीकरण, निरीक्षण, शिकायत निवारण और विवाद समाधान पर केंद्र और राज्यों के बीच सूचनाओं का निर्बाध आदान-प्रदान सुनिश्चित करना है। जिन राज्यों के पास पहले से अपने श्रम पोर्टल हैं, उन्हें

अपने एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) को केंद्रीय प्लेटफार्मों से जोड़ने को कहा गया है। वहीं, जिन राज्यों के पास समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म नहीं हैं, उन्हें केंद्र द्वारा आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण और एकीकरण में तकनीकी सहायता की पेशकश की गई है। मौजूदा स्थिति में, श्रम सुविधा पोर्टल पर राज्यों द्वारा एकीकृत सेवाओं में काफी भिन्नता है। उदाहरण के लिए, कर्नाटक ने 15 स्वीकृतियों को जोड़ा है, वहीं गुजरात और केरल में केवल दो-दो, जबकि कुछ राज्यों में कोई एकीकरण नहीं हुआ है। श्रम सुविधा पोर्टल कानून अनुपालन के लिए और समाधान पोर्टल विवादों के निवारण के लिए है। ये दोनों पोर्टल श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन में अहम होंगे। अधिकांश राज्यों ने मसौदा नियम तैयार किए हैं, लेकिन कई ने अभी तक अंतिम नियम अधिसूचित नहीं किए हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए खुशियों और शुभ संकेतों से भरा रहने वाला है। किसी मांगलिक या धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिससे मन को सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। हालांकि दूर रहने वाले किसी अपने की याद आपको थोड़ा भावुक कर सकती हैं। नौकरी या करियर से जुड़ा कोई काम आपको यात्रा पर ले जा सकता है।

वृषभ- आज रिश्तों में अपनापन और मजबूती महसूस होगी, खासकर परिवार और करीबी लोगों के साथ। किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने से आपकी पहचान और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे। विरोधियों को मात देने की पूरी कोशिश करेंगे और काफी हद तक सफल भी रहेंगे। हालांकि अपनी निजी या जरूरी बातें किसी से साझा करने से बचें, वरना परेशानी हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन बाकी दिनों से कहीं ज्यादा राहत और खुशी देने वाला रहेगा। आपकी मेहनत आपको नई पहचान दिला सकती है और परिवार के साथ रिश्तों में भी मिठास बनी रहेगी। जीवनसाथी को नई नौकरी या नए अवसर का बुलावा मिल सकता है, जिसके कारण उन्हें बाहर जाना पड़ सकता है। कोई बनता हुआ काम अचानक अटकने से थोड़ी चिंता बढ़ सकती है। अविवाहित लोगों के जीवन में किसी नए रिश्ते की दस्तक होने के संकेत हैं, जिससे मन में उत्साह बना रहेगा।

कर्क- आज खर्चे आपकी जेब पर थोड़ा ज्यादा असर डाल सकते हैं, इसलिए सोच-समझकर खर्च करना बेहतर रहेगा। संतान की पढ़ाई और भविष्य को लेकर आप कोई बड़ा कदम उठा सकते हैं, जैसे मनपसंद कोर्स में दाखिला दिलाना। परिवार में किसी सदस्य के करियर या काम से जुड़ी परेशानी बातचीत से सुलझ सकती है। भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे मन मजबूत रहेगा। घर के रिनोवेशन या सजावट का रुका हुआ काम दोबारा शुरू हो सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए खास और यादगार साबित हो सकता है। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में बिजनेस और करियर के लिए फायदेमंद साबित होगी। किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने से मन को शांति और सुकून मिलेगा। प्रेम संबंधों में कुछ नई चुनौतियां सामने आ सकती हैं, इसलिए जल्दबाजी या गुस्से से बचना जरूरी होगा। प्रॉपर्टी खरीदने या निवेश की योजना भी आज आपके मन में आकार ले सकती है।

कन्या- आज का दिन सकारात्मक परिणाम और नई उम्मीदें लेकर आएगा। घूमने-फिरने या यात्रा के दौरान कोई ऐसी जानकारी मिल सकती है, जो आगे चलकर आपके बहुत काम आएगी। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई से जुड़ी समस्याओं को गुरुजनों की मदद से सुलझाने की कोशिश करेंगे। व्यापार में हल्के उतार-चढ़ाव बने रहेंगे, जिससे मन थोड़ा विचलित हो सकता है।

तुला- आज आर्थिक मामलों में आपको राहत और मजबूती महसूस होगी। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी और फैसले लेने की क्षमता भी मजबूत बनी रहेगी। किसी भी काम में लापरवाही करना नुकसानदेह हो सकता है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर बढ़ाएं। भगवान की भक्ति और आध्यात्मिक कार्यों में मन लगेगा, जिससे मानसिक शांति मिलेगी।

वृश्चिक- आज जमीन-जायदाद या प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में आपके लिए अच्छे संकेत हैं। मेहनत का पूरा फल मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। किसी कानूनी मामले को लेकर अनुभवी व्यक्ति या वकील की सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। मन में आगे बढ़ने और खुद को साबित करने की भावना बनी रहेगी। अपने कामों को धैर्य और साहस के साथ पूरा करें।

धनु- आज आपका मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ने के संकेत हैं। यदि नए वाहन के लिए लोन अप्लाई किया हुआ था, तो उसमें सफलता मिल सकती है। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना और सम्मान देना बहुत जरूरी होगा, वरना छोटी-सी बात बड़ा विवाद बन सकती है। कार्यक्षेत्र में मनपसंद काम न मिलने से थोड़ा असंतोष रह सकता है और आप नई नौकरी की तलाश की ओर भी कदम बढ़ा सकते हैं।

मकर- आज का दिन विद्यार्थियों के लिए काफी उत्साहजनक रहेगा। पुराने लेन-देन या आर्थिक उलझनों से राहत मिल सकती है। संतान के परीक्षा परिणाम घर में खुशी और गर्व का माहौल बनाएंगे। पिताजी के साथ किसी जरूरी काम को लेकर चर्चा हो सकती है। माता-पिता के आशीर्वाद से रुका हुआ काम पूरा होने की संभावना है।

कुंभ- आज का दिन मस्ती और हल्के-फुल्के पलों से भरा रहेगा, लेकिन दूसरों के कामों में ज्यादा उलझना बाद में आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है। लंबे समय से रुका हुआ पैसा मिलने से मन खुश हो जाएगा। यदि किसी और का वाहन चला रहे हैं, तो बेहद सावधानी बरतें, क्योंकि छोटी लापरवाही नुकसान दे सकती है।

मीन- आज आपको हर कदम पर सावधानी और सतर्कता बरतने की जरूरत होगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए किसी अजनबी पर भरोसा करना नुकसानदायक साबित हो सकता है। पैसों से जुड़ी कोई भी निजी बात किसी के साथ साझा करने से बचें। सरकारी कामों में थोड़ी परेशानी या देरी हो सकती है।

शब्दजाल - 8294

प्र	अ	मे	रि	का	स	मा	न	न	प	क
न	का	क	वि	इं	डे	ने	ज	ति	मा	न
अ	दा	श	ल	मा	ग	स	द	ह	प	का
जी	ग	ल	मा	व	न	स	पा	ह	लि	ल
त	अ	अ	सौ	न	जा	मे	ह	मा	न	दे
अ	भि	नु	मो	व	प	वा	स्ता	ह	यु	वां
ग	मा	ल	मा	व	प	ला	य	मा	न	ज
र	न	भा	र	व	प	स	रा	ल	वि	ला
क	या	बा	तें	व	न	ई	मा	न	जू	दे
र	प्र	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	अ	प	श
बां	स	ल	प	रु	स	स	ता	प	क	र

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'मान' लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अनुमान, प्रकाशमान, ईमान, मेहमान, प्रतिमान, विमान, पलायमान, समान, गतिमान, अभिमान

शब्दजाल - 8293 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7238

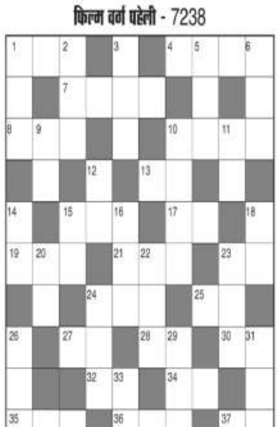

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्वीट हार्ट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अमिताभ, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. संजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नैनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी [illegible] की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हसन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'अब ना मना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7237

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

19 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	05.00 बजे से
चंद्र	कर्क में	कर्क	07.17 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	09.33 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.45 बजे से
गुरू	कर्क में	तुला	13.56 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.10 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.26 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.31 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.18 बजे से
		मीन	23.51 बजे से
		मेष	01.21 बजे से
		वृष	03.01 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 170 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि पंचमी 17.00 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 10.07 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 14.54 बजे को समाप्त।
करण बव 05.54 बजे, बालव 17.00 बजे तदनन्तर कौलव 04.18 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 3.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 25'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872745
जूलियन दिन 2461210.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम तारीख 03
विशेष स्कन्द षष्ठी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः आंखें होते हुए भी अंधा

एक आदमी कहीं जा रहा था. उसे वहां पहुंचने की जल्दी थी. इसलिए वह बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा था. सोच रहा था कि समय पर वहां पहुंच नहीं पायगा और उसका जाना बेकार हो जायगा. वह अपने विचारों में खोया था. अचानक उसे किसी चीज की ठोकर लगी, उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गिर पड़ा. निगाह उठाकर उसने देखा, एक खोपड़ी पड़ी थी. उस आदमी को बड़ा गुस्सा आया. देर हो जाने से वैसे ही उसका मन खिन्न हो रहा था. अब गिर जाने से उसके पैर में चोट आ गई और चलना उसके लिए मुश्किल हो गया. उसने दांत पीसते हुए कहा, "अरी, दुष्ट, सताने के लिए क्या मैं ही रह गया था?" उसी समय कहीं से आवाज आई, "अरे ओ नादान, तू इसे क्यों दोष दे रहा है? क्यों इस पर क्रोधित हो रहा है? इसके तो आंखें नहीं हैं, जो तुझे देख लेतीं, लेकिन तेरे तो आंखें हैं? तू ही बता कि जिसकी आंखें हैं, उसको देखना चाहिए, या जिसके आंखें नहीं हैं, उसे?"

सूडोकु नवताल- 7547

★★★★☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7546 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 8762

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. ....-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -8761 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी पुलिस ने मरार मोहल्ले में हुई चोरी का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी नगर के वार्ड क्रमांक 06 मरार मोहल्ला निवासी रूपेश पिता बुधराम बड़में कैटरिंग का कार्य करते है। आपने थाना लांजी में घर में हुई चोरी की सूचना दी थी कि 30 मई को उनके सूने मकान में अज्ञात चोरो के द्वारा सोने चांदी के जेवरात सहित नगदी चोरी की गई है। फरियादी रूपेश बडमें ने पुलिस मे दर्ज शिकायत के आधार पर बताया कि शनिवार 30 मई को रूपेश बड़में अपने दोपहिया वाहन के सुधार कार्य के लिए घर से कुछ रुपये लेने पहुंचे। जैसे ही उन्होंने अलमारी खोली, सामने का मंजर देखकर उनके होश उड़ गए। अलमारी में रखे गुल्लक से करीब 15 हजार रुपये सहित अन्य स्थानों पर रखी नगदी गायब थी। वहीं आलमारी में रखे जेवरात जिसमें सोने की अंगूठी एक नग, सोने का गले हार पेण्डल सहित 1 नग, सोने का ऊँ लॉकेट 01 नग, सोने की कान की बालियॉ 01 जोड़ी, सोने की चैन 01 जोड़ी, सोने की डोरला मनी 01 नग, कुल मिलाकर करीब 4 से 5 लाख रूपये की जेवरात चोरी होना बताया गया। जिस आधार पर लांजी पुलिस ने तहकीकात प्रारंभ करते हुये दो आरोपियों को हिरासत मे लेकर पुछताछ की है।

इस पूरे घटना क्रम को लेकर लांजी पुलिस के द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बालाघाट जिले में चोरी जैसे अपराधों पर सख्ती से निपटने के लिए पुलिस अधीक्षक, आदित्य मिश्रा के विशेष निर्देशों के अनुपालन में लांजी थाना पुलिस ने यह उल्लेखनीय कार्यवाही की। थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया। फरियादी रूपेश बडमें के द्वारा दर्ज रिपोर्ट के आधार पर लांजी पुलिस ने जांच प्रारंभ की तथा थाना प्रभारी लांजी दीपसिंह परमार के निर्देशन में तुरंत विशेष टीम गठित की गई। टीम ने क्षेत्र में सघन छानबीन, मुखबिरों के जरिए सूचना जुटाने और आसपास के इलाकों में सर्च अभियान चलाया।

टीम को सूचना मिली कि दो संदिग्ध व्यक्ति सुजुकी एक्सेस स्कूटी पर सवार होकर लांजी सराफा बाजार के आसपास सोने की अंगूठी बेचने की कोशिश कर रहे हैं। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए विकास बड़मे (24 वर्ष, निवासी ग्राम पूर्वाटोला, लांजी) और मनीष नागेन्द्र (19 वर्ष, निवासी लांजी) को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चोरी की घटना कबूल ली। उन्होंने बताया कि घटना वाले दिन उन्होंने फरियादी के मकान के पीछे वाले दरवाजे से प्रवेश किया और आलमारी का ताला तोडकर सोने के आभूषण व नकदी चुराई थी। लांजी पुलिस ने दोनों ही आरोपियों के विरूद्ध दर्ज अपराध क्रमांक अपराध क्रमांक- 213/2026 धारा- 331(4), 305(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीकृत किया गया है। दोनो ही आरोपी विकास बड़मे, 24 वर्ष, ग्राम पूर्वाटोला, लांजी, मनीष नागेन्द्र, 19 वर्ष, लांजी को हिरासत में लिया गया तथा आरोपियों के पास से 100 प्रतिशत मशरूका रिकवरी की गई है। जिसमें सोने की अंगूठी एक नग, सोने का गले हार पेण्डल सहित 1 नग, सोने का ऊँ लॉकेट 01 नग, सोने की कान की बालियां 01 जोड़ी, सोने की चैन 01 जोड़ी, सोने की डोरला मनी 01 नग तथा 15 हजार रूपये नगदी कुल 4 लाख 15 हजार का मशरूका तथा एक स्कूटी आरोपियों के पास से जप्त कर आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया गया है।

इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी लांजी, उनि. दीपसिंह परमार और सउनि. तोपसिंह उइके, आरक्षक, महिला आरक्षक मुखबिर तंत्र आदि की सराहनीय भूमिका रही पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशानुसार जिले में चोरी-डकैती जैसे अपराधों पर सतर्क नजर रखी जा रही है। लांजी थाना पुलिस की इस कार्यवाही से स्थानीय नागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है।

देवलगांव में संत कबीरदास जी के प्रगट दिवस पर हुआ भव्य आयोजन

महिलाओं द्वारा निकाली गई भव्य कलश शोभायात्रा

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम देवलगांव में संत शिरोमणि कबीरदास जी के प्रगट दिवस के अवसर पर गुरुवार 18 जून को पंथ प्रेमियों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम हनुमान मंदिर, खड़ी गली में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पंथ प्रेमी शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत महिलाओं द्वारा निकाली गई भव्य कलश शोभायात्रा से हुई। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने संत कबीरदास जी के जयकारे लगाते हुए पूरे गांव में भक्ति भाव का अलख जगाया।

इसके बाद गुरु महिमा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें संत कबीरदास जी के जीवन चरित्र, उनके आध्यात्मिक संदेशों, समरसता, मानव प्रेम तथा सामाजिक सद्भाव के उपदेशों का स्मरण किया गया।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण के रूप में अमीन माता मंडल द्वारा प्रस्तुत भजन-कीर्तन रहा। कबीर वाणी और भक्ति गीतों से पूरा मंदिर परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। भजन-कीर्तन के पश्चात श्रद्धालुओं ने सामूहिक चौका आरती में भाग लेकर संत कबीरदास जी के प्रति अपनी अटूट आस्था व्यक्त की।

इस दौरान वक्ताओं ने संत कबीरदास जी के समरसता, मानवता, प्रेम और सद्भाव के संदेशों को वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक बताते हुए सभी से उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं में पान परवाना वितरित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से महंत नरोत्तम साहेब जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही प्रमुख पंथ प्रेमी नीलचंद हरिनखेड़े, कोमलचंद टेंभरे, नंदकिशोर टेंभरे, नोहरलाल टेंभरे, नन्हुलाल टेंभरे, मोहन राहंगडाले, श्रीराम राहंगडाले, धनलाल राहंगडाले, लालचंद राहंगडाले, वासुदेव राहंगडाले, उमेंद्र हरिनखेड़े, सोमेश्वर हरिनखेड़े, उमाशंकर टेंभरे, देवलाल टेंभरे, येवक ठाकरे, छदनलाल टेंभरे, जगतराम टेंभरे, कवडूलाल ठाकरे, उरकुड़ी ठाकरे, तथा महिलाओं में अमीन माता मंडल की ओर से श्रीमती ममता टेंभरे, श्रीमती जयवंता, श्रीमती पुष्पा टेंभरे, श्रीमती ममता हरिनखेड़े, श्रीमती कला ठाकरे तथा अन्य बहनों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मप्र के आदिवासी अंचलों में विकास की तस्वीर चिंताजनक

भोपाल। एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज से पांच दिवसीय मध्य प्रदेश के दौरे पर रहेंगी। वे इंदौर, बैतूल, ओंकारेश्वर मंदिर (खंडवा), जबलपुर, ग्वालियर और श्योपुर कूनो नेशनल पार्क में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगी। प्रेसिडेंट के एमपी आगमन पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने उन्हें एक पत्र लिखा हैं। जिसमें आदिवासी समाज के कई मुद्दे उठाए और आदिवासी क्षेत्रों के लिए विशेष शिक्षा-स्वास्थ्य आपात योजना समेत कई मांगें की है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने राष्ट्रपति के नाम एक पत्र लिखा हैं। जिसमें उन्होंने कहा कि 'मध्य प्रदेश देश का सबसे बड़ा आदिवासी आबादी वाला राज्य है। राज्य में अनुसूचित जनजाति की आबादी लगभग 1.53 करोड़ है, जो प्रदेश की कुल आबादी का लगभग 21 प्रतिशत है। देश की कुल आदिवासी आबादी का भी एक बड़ा हिस्सा मध्य प्रदेश में निवास करता है। संविधान निर्माताओं ने आदिवासी समाज को विशेष संरक्षण देने की परिकल्पना की थी, लेकिन आज भी मध्य प्रदेश के आदिवासी अंचलों झाबुआ, आलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, मंडला, डिंडौरी, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी और शिवपुरी में विकास की तस्वीर बेहद चिंताजनक है।'

उन्होंने आगे लिखा कि 'आदिवासी समाज की उन्नति का सबसे बड़ा माध्यम शिक्षा है, लेकिन वास्तविकता यह है कि आदिवासी समुदाय की साक्षरता दर राज्य की औसत साक्षरता दर से काफी कम है। जहां मध्य प्रदेश की कुल साक्षरता दर लगभग 70 प्रतिशत से अधिक है, वहीं अनुसूचित जनजातियों में यह लगभग 50 प्रतिशत के आसपास दर्ज की गई है। विशेष रूप से आदिवासी बेटियों की शिक्षा की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। सैकड़ों विद्यालयों में शिक्षकों के पद रिक्त हैं। दूरस्थ वन क्षेत्रों में छात्रावासों की स्थिति खराब है। उच्च शिक्षा तक पहुंच सीमित है। परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में आदिवासी युवा शिक्षा से वंचित होकर असंगठित श्रम बाजार की ओर धकेले जा रहे हैं।'

स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली-बेरोजगारी और पलायन

जीतू पटवारी ने स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली, बेरोजगारी और पलायन को लेकर भी बात कही। उन्होंने लिखा कि 'आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य सेवाएं गंभीर संकट से गुजर रही हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों और विशेषज्ञों की भारी कमी है। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर, कुपोषण, एनीमिया और संक्रामक रोगों का बोझ आज भी अत्यधिक है। विशेष रूप से सहरिया जैसी अत्यंत कमजोर जनजातीय समूहों में टीबी और कुपोषण की समस्या राष्ट्रीय चिंता का विषय बनी हुई है। 'प्रदेश के आदिवासी युवा रोजगार के अवसरों के अभाव में पलायन को विवश हैं। वन क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों के लिए परंपरागत आजीविका के साधन लगातार कमजोर हुए हैं। लघु वनोपज के उचित मूल्य, प्रसंस्करण और विपणन की समुचित व्यवस्था नहीं है। परिणामस्वरूप आदिवासी परिवार गरीबी और कर्ज के दुष्चक्र में फंसते जा रहे हैं।'

गरीबी/महंगाई का दोहरा प्रहार

पीसीसी चीफ ने आगे लिखा कि 'विभिन्न अध्ययनों में अनुसूचित जनजाति समुदाय को देश के सबसे अधिक वंचित सामाजिक समूहों में पाया गया है। स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के अधिकांश मानकों पर आदिवासी समुदाय सबसे अधिक अभावग्रस्त है। आदिवासी क्षेत्रों में महिलाओं के विरुद्ध अपराध, मानव तस्करी, भूमि विवाद, वनाधिकार से जुड़े संघर्ष, अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की कमी जैसी समस्याएं लगातार सामने आ रही है। अनेक मामलों में पीड़ित परिवारों को न्याय पाने के लिए लंबी प्रशासनिक प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।' उन्होंने जल जंगल और जमीन का भी प्रश्न उठाया।

जीतू पटवारी ने की ये प्रमुख मांगें

आदिवासी क्षेत्रों के लिए विशेष शिक्षा एवं स्वास्थ्य आपात योजना लागू की जाए। रिक्त शिक्षक, डॉक्टर और पैरामेडिकल पदों की समयबद्ध भर्ती हो। वनाधिकार कानून का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। आदिवासी युवाओं के लिए विशेष रोजगार एवं कौशल विकास मिशन संचालित किया जाए। कुपोषण, टीबी और मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर विशेष अभियान चलाया जाए। आदिवासी महिलाओं की सुरक्षा एवं आर्थिक सशक्तिकरण हेतु अलग कार्ययोजना बने। अनुसूचित जनजाति उपयोजना के धन का पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। आदिवासी अंचलों में सडक, पेयजल, इंटरनेट और उच्च शिक्षा संस्थानों का विस्तार किया जाए। पेसा कानून और ग्राम सभाओं के अधिकारों का वास्तविक क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। आदिवासी समाज की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा आयोग गठित किया जाए।

सेन शक्ति महा संगठन ने सेन समाज में विधानसभा वार अध्यक्षों की हुई नियुक्ति

पद्मेश न्यूज। लांजी। सेन शक्ति महा संगठन ने बालाघाट जिले में संगठनात्मक मजबूती और समाजसेवा गतिविधियों को नई दिशा देने के उद्देश्य से तहसील/विधानसभा व जिला स्तर पर कई महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ की हैं। कोर कमेटी की सहमति तथा प्रदेश अध्यक्ष राजेश्वर सेन (जबलपुर), संभाग अध्यक्ष संतोष श्रीवास (जबलपुर) और जिला संयोजक डॉ. भुवनेश्वर भारद्वाज की उपस्थिति में लिए गए निर्णय के अनुसार संगठन ने समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं को अध्यक्षता के दायित्व सौंपे हैं।

जिला संयोजक डॉ. भुवनेश्वर भारद्वाज ने नए नियुक्त अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि इनके नेतृत्व में जिले में संगठन की गतिविधियाँ और अधिक प्रभावी व समन्वित होंगी। संभाग अध्यक्ष संतोष श्रीवास—जो मध्य प्रदेश शासन के शिल्पी बोर्ड के प्रतिनिधि तथा नगर परिषद लांजी के प्रतिनिधि भी हैं—ने भी इन नियुक्तियों का स्वागत किया और संगठन की सामाजिक परियोजनाओं में तेजी आने की अपेक्षा व्यक्त की।

संगठन ने नियुक्ति पत्र में स्पष्ट किया है कि ये नियुक्तियाँ समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सांस्कृतिक संरक्षण जैसे क्षेत्रों में किए गए सार्थक कार्यों तथा समर्पण के आधार पर की गई हैं। पत्र में

उल्लेख है कि नियुक्त अधिकारी संगठन के संविधान का पालन करते हुए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने दायित्व निभाएँगे तथा संगठन को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

डॉ. भुवनेश्वर भारद्वाज, जिला संयोजक, बालाघाट ने इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नए अध्यक्ष के नेतृत्व में जिले में संगठन की गतिविधियां और अधिक प्रभावी होंगी। संभाग अध्यक्ष संतोष श्रीवास (जो मध्य प्रदेश शासन के शिल्पी बोर्ड के प्रतिनिधि तथा नगर परिषद लांजी के प्रतिनिधि भी हैं) ने भी इस नियुक्ति का स्वागत किया।

यह नियुक्ति सेन समाज के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार कर रही है। संगठन के पदाधिकारियों का मानना है कि समाज की सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सांस्कृतिक संरक्षण जैसे क्षेत्रों में नए अध्यक्ष के मार्गदर्शन में बेहतर कार्य होंगे।

सेन शक्ति महा संगठन ने जिले में विधानसभावार अध्यक्षों की नियुक्ति की है जिसमें राकेश श्रीवास अध्यक्ष विधानसभा लांजी, लक्ष्मण श्रीवास नगर संयोजक नगर परिषद् लांजी, चैनलाल श्रीवास संयोजक विधानसभा लालबर्रा, यशवंतराव लक्षणे संयोजक विधानसभा वारासिवनी, नंदलाल भारद्वाज ग्रामीण अध्यक्ष विधानसभा लांजी, चन्द्रकुमार श्रीवास अध्यक्ष विधानसभा तिरोडी, गुरु श्रीवास अध्यक्ष बिरसा-मलाजखण्ड, विजय श्रीवास अध्यक्ष विधानसभा लांजी-किरनापुर, सुशील उइके अध्यक्ष विधानसभा खैरलांजी, ताराचन्द सेन अध्यक्ष विधानसभा बालाघाट (भरवेली), रमेश सेन अध्यक्ष विधानसभा बालाघाट, शुभम श्रीवास जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ विधानसभा बालाघाट को नियुक्त किया गया है।

नीट परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु इंदौर-भोपाल-रतलाम स्पेशल ट्रेन का संचालन

भोपाल। एजेंसी। रेलवे द्वारा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-2026) में 21 जून 2026 को सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा एवं परीक्षा केन्द्रों तक उनकी सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इंदौर-भोपाल-रतलाम के बीच एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन इंदौर एवं मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों से भोपाल आने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र तक पहुंचने में सुविधा प्रदान करेगी।

इंदौर-भोपाल-रतलाम परीक्षा स्पेशल ट्रेन-

गाड़ी संख्या 09354 इंदौर-भोपाल स्पेशल ट्रेन का संचालन दिनांक 20 जून 2026 को किया जाएगा। यह ट्रेन इंदौर स्टेशन से प्रातः 11:25 बजे प्रस्थान कर फतेहाबाद 12.00 बजे, बड़नगर 12.42 बजे, रतलाम 13.30 बजे, नागदा 14.23 बजे, उज्जैन 15.25 बजे, मक्सी 16.30 बजे, शुजालपुर 17.21 बजे, सीहोर 18.00 बजे एवं संत हिरदाराम नगर स्टेशन 18.38 बजे आगमन कर उसी दिन सायं 19:00 बजे भोपाल स्टेशन पहुंचेगी।

इसी प्रकार वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 09353 भोपाल-रतलाम स्पेशल ट्रेन 20 जून 2026 को भोपाल स्टेशन से सायं 19:40 बजे प्रस्थान कर संत हिरदाराम नगर 20.08 बजे, सीहोर 20.34 बजे, शुजालपुर 20.59 बजे, मक्सी 21.59 बजे, उज्जैन 23.05 बजे एवं अगले दिन नागदा रात 00.05 बजे आगमन कर गंतव्य स्टेशन रतलाम 00.55 बजे पहुंचेगी।

कोच कम्पोजीशन :- इस गाड़ी में 13 स्लीपर कोच, 02 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआर/डी सहित कुल 17 कोच रहेंगे।

सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि नीट परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए तथा उनके आवागमन को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से यह स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। परीक्षार्थियों से अनुरोध है कि वे इस स्पेशल ट्रेन सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठाएं।

उक्त विशेष ट्रेन के समय, ठहराव एवं अन्य विस्तृत जानकारी के लिए यात्रीगण एनटीईएस/रेलवन ऐप अथवा भारतीय रेलवे की आधिकारिक पूछताछ वेबसाइट डब्ल्यू.डब्ल्यू.डब्ल्यू.इंक्यूरी.इंडियनरेल.जीओव्ही.इन पर अवलोकन कर सकते हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय प्रांगण में होगा कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। करो योग रहो निरोग के साथ आगामी 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन होना है। जिसके तहत लांजी नगर के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय प्रांगण में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य आयोजन आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी सहभागी गण की उपस्थिती प्रातः 06 बजे, अतिथियों का उद्बोधन, कार्यक्रम का उद्घाटन, राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण, मा. प्रधानमंत्री जी का उद्बोधन, योग प्रोटोकॉल के अनुसार योग अभ्यास किया जायेगा। विद्यालय के प्राचार्य के द्वारा समस्त जनों से उक्त योग अभ्यास कार्यक्रम में उपस्थिती की अपील की गई है। योग करो,रोज करो, योग से रोग दुर करो।

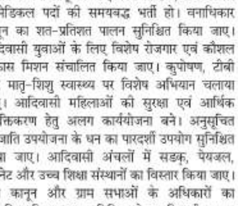

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

आज से शिक्षकों के तबादले, कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

स्थानांतरण नीति की शर्तों से नाराज शिक्षक, बोले- 95 प्रतिशत स्वैच्छिक तबादले से रह जाएंगे वंचित

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग में स्वैच्छिक स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 19 जून से शुरू होने जा रही है, लेकिन विभाग द्वारा निर्धारित शर्तों को लेकर शिक्षकों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि वर्तमान नियम इतने कठोर हैं कि प्रदेश के अधिकांश शिक्षक स्वैच्छिक तबादले का लाभ नहीं ले पाएंगे।

शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने स्कूल शिक्षा विभाग की स्वैच्छिक स्थानांतरण नीति में संशोधन की मांग की है। उनका कहना है कि 90 प्रतिशत ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता, जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों के स्थानांतरण पर रोक और न्यूनतम तीन वर्ष की सेवा अवधि जैसी शर्तें हजारों शिक्षकों के लिए बाधा बन रही हैं। बता दें कि मप्र में 3.50 लाख शिक्षक हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग
मध्य प्रदेश शासन

ई-अटेंडेंस और जनगणना ड्यूटी बनी परेशानी

कौशल ने बताया कि प्रदेश के कई शिक्षक पारिवारिक, स्वास्थ्य और अन्य व्यक्तिगत कारणों से लंबे समय से स्थानांतरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। लेकिन ई-अटेंडेंस से जुड़ी तकनीकी समस्याओं के कारण कई शिक्षकों की उपस्थिति रिकॉर्ड प्रभावित हुई है, जिसका असर अब उनके स्थानांतरण आवेदन पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में शिक्षक जनगणना कार्य में भी संलग्न हैं। ऐसे शिक्षकों को स्थानांतरण प्रक्रिया से बाहर रखने का निर्णय उनके लिए अन्यायपूर्ण साबित हो सकता है।

19 से 23 जून तक होंगे आवेदन

शिक्षक संगठन के अनुसार स्वैच्छिक स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन आवेदन 19 जून से 23 जून तक लिए जाएंगे। वहीं, पहले जारी प्रशासनिक स्थानांतरण आदेशों में भी यह उल्लेख किया गया है कि यदि संबंधित शिक्षक की जनगणना ड्यूटी लगी होगी तो स्थानांतरण आदेश स्वतः निरस्त माना जाएगा।

95 प्रतिशत शिक्षक रह सकते हैं बाहर

उपेन्द्र कौशल का दावा है कि वर्तमान परिस्थितियों में अधिकांश शिक्षक निर्धारित शर्तों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। उनके अनुसार प्रदेश के करीब 75 प्रतिशत शिक्षक जनगणना कार्य में लगे हुए हैं, जबकि बड़ी संख्या में शिक्षकों की ई-अटेंडेंस 90 प्रतिशत से कम है। वहीं कई शिक्षक तीन वर्ष की अनिवार्य सेवा अवधि की शर्त भी पूरी नहीं करते। ऐसी स्थिति में संगठन का अनुमान है कि स्वैच्छिक स्थानांतरण की इच्छा रखने वाले लगभग 95 प्रतिशत शिक्षक आवेदन करने से ही वंचित रह जाएंगे और शासन की स्थानांतरण नीति का लाभ नहीं ले सकेंगे।

शासन से पुनर्विचार की मांग

शासकीय शिक्षक संगठन ने राज्य सरकार और स्कूल शिक्षा विभाग से मांग की है कि शिक्षकों की व्यावहारिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए ई-अटेंडेंस, जनगणना ड्यूटी और सेवा अवधि संबंधी शर्तों में आवश्यक छूट एवं शिथिलता प्रदान की जाए। संगठन का कहना है कि इससे वर्षों से स्थानांतरण की प्रतीक्षा कर रहे पात्र शिक्षकों को राहत मिलेगी और स्थानांतरण नीति का उद्देश्य भी पूरा हो सकेगा।

मीनाक्षी नटराजन के मुद्दे पर महिला कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, जलाया पुतला

पुलिस ने महिलाओं को कलेक्टर कार्यालय की तरफ जाने से रोका

भोपाल। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र निरस्त किए जाने के विरोध में मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया के नेतृत्व में महिलाओं के समूह ने गुरुवार को जोरदार प्रदर्शन किया। कलेक्टर कार्यालय की तरफ जा रही महिलाओं को पुलिस ने रोका तो जिस स्थान पर रोका गया वहीं पर भाजपा का पुतला जला दिया।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा आज पूरे प्रदेश में महिला कांग्रेस को कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन करने और पुतला जलाने का निर्देश दिया गया था। इस परिप्रेक्ष्य में महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया के नेतृत्व में भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय पर बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्र हुईं। इसके बाद महिलाएं जुलूस के रूप में कलेक्टर कार्यालय के लिए रवाना हुई तो आधा किलोमीटर की दूरी पर ही पुलिस के द्वारा बेरी केटिंग करते हुए महिलाओं को आगे जाने से रोक दिया गया। पुलिस की कार्रवाई का विरोध करते हुए महिलाओं ने जिस स्थान पर रोका गया उसी स्थान पर जमकर नारेबाजी की और भाजपा का पुतला जलाया। रीना बौरासी सेतिया ने बताया कि आज पूरे प्रदेश में महिला कांग्रेस की नेताओं के द्वारा प्रदर्शन करते हुए नटराजन का नामांकन पत्र निरस्त किए जाने के विरोध में ज्ञापन दिया गया और पुतला दहन किया गया। प्रदेश के हर जिले में महिला कांग्रेस की ओर से यह आंदोलन किया गया। इस आंदोलन के माध्यम से महिला कांग्रेस के द्वारा गलत हथकंडे अपना कर उम्मीदवार की उम्मीदवारी को समाप्त करने के प्रयासों की निंदा की गई।

खरीफ फसलों की बुवाई नहीं कर पा रहे किसान

प्री मानसून बारिश दे गई दगा...मप्र के 13 जिलों में आधा इंच बारिश भी नहीं

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून का इंतजार और लंबा हो सकता है। अब यह 22 से 24 जून के बीच प्रदेश में एंटर हो सकता है। मौसम केंद्र के मुताबिक, मानसून पश्चिमी तट पर 8 जून से ही अटका है। अभी यह मुंबई ही नहीं पहुंचा है। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र के बाद एमपी में एंटर होगा। इससे पहले प्रदेश में हीटवेव का असर भी देखने को मिलेगा। अगले 3 दिन तक अलर्ट है। इधर, जून की बारिश के आंकड़ों में प्रदेश पिछड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में 1 से 17 जून के बीच औसत 41.6 मिमी यानी, 1.6 इंच बारिश होती है। इस बार यह 1 इंच ही हुई है।

इस तरह 37 प्रतिशत पानी कम गिरा है। आलीराजपुर ऐसा जिला है, जहां बारिश रिकॉर्ड नहीं की गई। इस वजह से आंकड़ा जीरो है। मानसून के नहीं आने और प्री-मानसून में कम बारिश होने की वजह से किसानों की चिंता बढ़ गई है। वे खरीफ सीजन की फसल जैसे- सोयाबीन, उड़द, मूंग, तुअर आदि की बुवाई नहीं कर पा रहे हैं। शाजापुर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एसएस धाकड़ बताते हैं कि बोवनी के लिए कम से कम 4 इंच बारिश जरूरी है। इससे जमीन में पर्याप्त नमी आती है। इतनी बारिश होने के बाद ही किसान बोवनी करें।

बीज खराब होने का खतरा बढ़ा

मानसून के समय पर आने की संभावना के चलते प्रदेश के कई जिलों में किसानों ने सोयाबीन की बोवनी कर दी। उन पर बीज खराब होने का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि पानी के अभाव में बीज खराब हो सकता है। ऐसे में किसानों को दोबारा बोवनी करना पड़ेगी। हालांकि, उन किसानों के लिए राहत है, जिनके पर सिंचाई के लिए पानी है।

इन जिलों में सबसे कम बारिश

आलीराजपुर में बारिश रिकॉर्ड नहीं की गई है। इसलिए यहां बारिश का आंकड़ा जीरो है। बालाघाट, दमोह, कटनी, मैहर, रीवा, शहडोल, टीकमगढ़, बड़वानी, भिंड, दतिया, धार और खरगोन में 12.5 मिमी यानी, आधा इंच से कम पानी गिरा है। प्रदेश में एक मात्र भोपाल ही ऐसा जिला है, जहां औसत 91.9 मिमी यानी, साढ़े 3 इंच से ज्यादा बारिश हुई है। आगर-मालवा, बुरहानपुर, देवास, गुना, हरदा, इंदौर, मंदसौर, नर्मदापुरम, नीमच, रायसेन, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, श्योपुर, शिवपुरी, विदिशा, डिंडौरी, सतना और सीधी में 1 से ढाई इंच तक बारिश हुई है। हालांकि, इतनी बारिश भी बोवनी के लिए पर्याप्त नहीं बताई जा रही है।

नीट परीक्षा को लेकर रेलवे अलर्ट

- भोपाल समेत 5 शहरों के स्टेशनों पर रहेगी विशेष व्यवस्था

भोपाल। 21 जून 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट परीक्षा को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे का भोपाल मंडल पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। परीक्षा में शामिल होने वाले लाखों परीक्षार्थियों और उनके परिजनों के सुगम आवागमन के लिए रेलवे ने एक विशेष भीड़ प्रबंधन योजना लागू की है। परीक्षा के दिन भोपाल सहित मंडल के 5 प्रमुख शहरों के रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त इंतजाम किए जाएंगे।

रेलवे विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस परीक्षा में सबसे अधिक 13,774 परीक्षार्थी भोपाल में परीक्षा देंगे। इसके अलावा अन्य शहरों में भी बड़ी संख्या में अभ्यर्थी शामिल होंगे। जिसमें गुना में 1839, विदिशा में 1709, नर्मदापुरम में 1283, अशोकनगर में 865 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

भीड़ नियंत्रण के लिए किए गए खास इंतजाम

स्टेशनों पर अचानक बढ़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने और अभ्यर्थियों की सहायता के लिए कई व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। सभी प्रमुख स्टेशनों पर वाणिज्यिक , रेलवे सुरक्षा बल और परिचालन कर्मचारियों का अतिरिक्त अमला तैनात रहेगा। यात्रियों व छात्रों की मदद के लिए अतिरिक्त पूछताछ काउंटर और लगातार अनाउंसमेंट की व्यवस्था सक्रिय रहेगी। सुचारु आवागमन और भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए स्टेशनों पर मजबूत बैरिकेडिंग और मार्गदर्शन बोर्ड लगाए जाएंगे।

परीक्षार्थियों एवं संरक्षकों की सुविधा हमारी प्राथमिकता

सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने कहा कि परीक्षार्थियों और उनके संरक्षकों की सुविधा हमारी प्राथमिकता है। सभी प्रमुख स्टेशनों पर सुरक्षा और सहयोग के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया जा रहा है। परीक्षा केंद्रों की ओर जाने वाले अभ्यर्थियों को स्टेशनों पर हर संभव आवश्यक जानकारी और सहायता तुरंत उपलब्ध कराई जाएगी।

फार्मासिस्टों को बड़ी सौगात

अब कहलाएंगे फार्मेसी ऑफिसर, जॉइंट डायरेक्टर तक मिलेगा प्रमोशन

भोपाल। फार्मासिस्टों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को बड़ी सफलता मिली है। भारत सरकार ने फार्मासिस्ट भर्ती, प्रमोशन एवं सेवा विनियम-2025 का गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन (आईपीए) के अनुसार यह फैसला देशभर के फार्मासिस्टों के सेवा हितों से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है। नए सेवा विनियम के तहत फार्मासिस्ट का पदनाम बदलकर फार्मेसी ऑफिसर कर दिया गया है। संगठन का कहना है कि इससे फार्मासिस्टों की भूमिका और जिम्मेदारियों को नई पहचान मिलेगी। लंबे समय से इस बदलाव की मांग की जा रही थी।

नए नियमों में 4600 ग्रेड पे के आधार पर वेतनमान निर्धारित किया गया है। वहीं पदोन्नति व्यवस्था को भी मजबूत किया गया है। अब फार्मेसी ऑफिसर से लेकर जॉइंट डायरेक्टर फार्मेसी तक पदोन्नति का स्पष्ट मार्ग तय किया गया है, जिससे कर्मचारियों को बेहतर कैरियर ग्रोथ मिलेगी। आईपीए के अनुसार नए सेवा विनियम लागू होने के बाद मध्य प्रदेश में शासकीय सेवा में कार्यरत करीब 4 हजार फार्मासिस्ट सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। संगठन का दावा है कि इसमें फार्मासिस्टों की अधिकांश लंबित मांगों को शामिल किया गया है।

आईपीए ने लगातार किया प्रयास

इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अम्बर चौहान ने बताया कि इस प्रस्ताव को लागू कराने के लिए संगठन लगातार प्रयासरत रहा। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रस्ताव को मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल के माध्यम से राज्य शासन को भेजा गया था, जिसके बाद प्रक्रिया आगे बढ़ी और गजट नोटिफिकेशन जारी हुआ।

स्वास्थ्य मंत्री और फार्मेसी काउंसिल का जताया आभार

आईपीए ने उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल, मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष संजय जैन तथा रजिस्ट्रार भव्या त्रिपाठी के प्रति आभार व्यक्त किया है। संगठन का कहना है कि सभी के सहयोग से यह महत्वपूर्ण उपलब्धि संभव हो सकी। संगठन ने घोषणा की है कि मध्य प्रदेश में नए सेवा विनियम लागू होने के बाद एक भव्य कार्यक्रम आयोजित कर इस उपलब्धि में योगदान देने वाले जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का सम्मान किया जाएगा।

राज्य परिवहन प्राधिकरण के पुनर्गठन पर हाईकोर्ट की रोक

- सरकार ने माना प्रक्रिया में कानूनी खामियां, तीन महीने का मांगा समय

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार की राज्य परिवहन प्राधिकरण यानी एसटीए के पुनर्गठन को लेकर बड़ा कानूनी विवाद खड़ा हो गया है। ग्वालियर हाईकोर्ट ने एसटीए के पुनर्गठन पर अंतरिम रोक लगा दी है। सुनवाई के दौरान सरकार ने खुद माना कि पूरी प्रक्रिया में कानूनी खामियां रह गई थीं। वहीं हाईकोर्ट ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मनीष सिंह से भी जवाब तलब किया है। इस पूरे मामले में यह आशंका भी जताई जा रही है कि एसटीए का कामकाज ग्वालियर से भोपाल शिफ्ट किया जा सकता है।

दरअसल राज्य परिवहन प्राधिकरण के पुनर्गठन को लेकर जारी अधिसूचना अब कानूनी विवाद में घिर गई है। ग्वालियर हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 9 फरवरी 2026 को जारी अधिसूचना पर अंतरिम रोक लगा दी। सुनवाई के दौरान राज्य शासन ने कोर्ट में स्वीकार किया कि पुनर्गठन की प्रक्रिया में कानूनी त्रुटियां रह गई थीं। सरकार ने इन्हें दूर करने के लिए तीन महीने का समय भी मांगा है। हाईकोर्ट ने इस मामले में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मनीष सिंह से भी जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ताओं को ग्वालियर से भोपाल ट्रांसफर करने की आशंका

याचिकाकर्ताओं, अधिवक्ताओं और बस ऑपरेटरों का कहना है कि पुनर्गठन के जरिए राज्य परिवहन प्राधिकरण का कामकाज ग्वालियर से भोपाल ट्रांसफर करने की कोशिश हो सकती है। हालांकि शासन की ओर से ऐसी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन इसी आशंका को लेकर विवाद गहराया हुआ है। यदि ऐसा होता है तो प्रदेशभर के बस ऑपरेटरों और परमिट से जुड़े मामलों के लिए नई प्रशासनिक व्यवस्था का सामना करना पड़ सकता है। याचिकाकर्ताओं की ओर से दलील दी गई कि मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत परिवहन विभाग के सचिव को प्राधिकरण की संरचना में शामिल किया गया है। साथ ही वही अधिकारी राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक भी हैं, जिससे हितों के टकराव की स्थिति बनती है।

अधिकारियों के जवाब पर कोर्ट करेगी फैसला

कोर्ट अब इस पूरे मामले की अगली सुनवाई में सरकार और संबंधित अधिकारियों के जवाब पर फैसला करेगा। फिलहाल एसटीए के पुनर्गठन पर हाईकोर्ट की रोक बरकरार है। सरकार को कानूनी खामियों को दूर करने के लिए समय मिला है, जबकि पूरे मामले पर अब सभी की नजर 24 जून को होने वाली अगली सुनवाई और हाईकोर्ट के अंतिम फैसले पर टिकी हुई है।

अधूरी योजनाओं ने बढ़ाया जल संकट

- 15 हजार करोड़ की योजनाएं, फिर भी पानी के लिए परेशान शहर

-पांच माह में 36 हजार शिकायतें; इंदौर-भोपाल सबसे ज्यादा प्रभावित

भोपाल। प्रदेश के शहरों में पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन आम नागरिकों को इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। नगरीय विकास विभाग की अमृत-2.0 योजना के तहत 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक के पेयजल और सीवेज प्रोजेक्ट चल रहे हैं, फिर भी इस वर्ष जनवरी से जून के बीच 16 नगर निगम क्षेत्रों से पेयजल संबंधी 36 हजार से अधिक शिकायतें दर्ज हुई हैं। स्थिति यह है कि इन शिकायतों में से केवल 61 प्रतिशत का ही समाधान हो पाया है। बाकी लोग आज भी पानी की अनियमित आपूर्ति, कम दबाव और दूषित पानी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। सबसे ज्यादा 11,464 शिकायतें इंदौर से आई हैं, जबकि भोपाल में 6,491 और ग्वालियर में 4,358 शिकायतें दर्ज हुई हैं।

नगरीय निकायों के आंकड़ों के अनुसार अधिकांश पेयजल परियोजनाओं का काम अभी पूरा नहीं हो पाया है। कई शहरों में प्रोजेक्ट 60 से 85 प्रतिशत तक ही पहुंचे हैं। तेजी से बढ़ते शहरी विस्तार के मुकाबले नई पाइपलाइन और जल वितरण नेटवर्क विकसित नहीं हो सके हैं, जिससे नए इलाकों में जल संकट गहराता जा रहा है। नगरीय विकास विभाग अमृत-2.0 योजना के तहत पेयजल और सीवेज परियोजनाओं पर 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रहा है, लेकिन अधिकांश परियोजनाएं अभी अधूरी हैं। कई शहरों में इनकी प्रगति 60 से 85 प्रतिशत के बीच ही सीमित है, जिससे नागरिकों को अपेक्षित राहत नहीं मिल पा रही।

पुरानी पाइपलाइन से बढ़ रहा खतरा

विशेषज्ञों के अनुसार प्रदेश में पानी की उपलब्धता बड़ी समस्या नहीं है, बल्कि वितरण और प्रबंधन की खामियां संकट को बढ़ा रही हैं। अधिकांश शहरों में दशकों पुरानी पाइपलाइनें लीकेज का शिकार हैं। कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन नालों के बीच से गुजर रही हैं, जिससे दूषित पानी की आपूर्ति का खतरा बना रहता है। अकेले भोपाल में ही 525 किलोमीटर पाइपलाइन ऐसी चिन्हित हुई है, जहां सीवेज मिश्रण की आशंका है। इसके अलावा नए विकसित इलाकों में अब तक पाइपलाइन नेटवर्क नहीं पहुंच पाया है, जबकि नियमित रखरखाव की कमी भी जलापूर्ति को प्रभावित कर रही है। प्रदेश में बड़े जलाशयों और नर्मदा जैसी परियोजनाओं के बावजूद शहरों में पेयजल संकट बना हुआ है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि पाइपलाइन नेटवर्क के आधुनिकीकरण, लीकेज नियंत्रण और जल गुणवत्ता निगरानी पर प्रभावी काम नहीं हुआ तो आने वाले वर्षों में शिकायतों की संख्या और बढ़ सकती है।

दूषित पानी ने बढ़ाई चिंता

पेयजल संकट के साथ-साथ पानी की गुणवत्ता भी सवालों के घेरे में है। पिछले पांच माह में गंदे, दूषित या सीवेज मिश्रित पानी की 5,875 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें लगभग 75 प्रतिशत मामलों का निराकरण बताया गया है, लेकिन 580 शिकायतें एल-4 स्तर तक पहुंच गईं, जो स्थानीय स्तर पर समाधान की विफलता को दर्शाती हैं। यह दर्शाता है कि समस्या केवल जलापूर्ति की नहीं, बल्कि गुणवत्ता नियंत्रण की भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदेश में जल स्रोतों की उपलब्धता पर्याप्त है, लेकिन वितरण व्यवस्था और रखरखाव की खामियां संकट की मुख्य वजह हैं। पेयजल और सामान्य उपयोग के पानी की अलग व्यवस्था विकसित नहीं होने से शुद्ध पानी पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। प्रदेश के अधिकांश शहरों में अभी तक पेयजल और अन्य उपयोग के पानी की अलग व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। परिणामस्वरूप महंगे फिल्टर्ड पानी का उपयोग घरेलू और अन्य सामान्य कार्यों में भी किया जा रहा है, जिससे संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। नगरीय विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने हाल ही में सभी नगर निगमों और नगरीय निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज पेयजल शिकायतों का समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया है कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी।

सबसे अधिक शिकायतें इंदौर में

अभी हाल ही में दूषित पानी के कारण करीब दो दर्जन मौतों के लिए बदनाम इंदौर में सबसे अधिक शिकायते हुई हैं। 1 जनवरी 2026 से 9 जून 2026 तक सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के आधार पर प्रदेश के 16 नगर निगमों में पेयजल शिकायतों की स्थिति को देखें तो इंदौर नगर निगम में 11,464, भोपाल में 6,491, ग्वालियर में 4,358, जबलपुर में 2,768, सतना में 2,070, रीवा में 1,847, छिंदवाड़ा में 1,402, उज्जैन में 1,268, देवास में 855, खंडवा में 794, रतलाम में 706, कटनी में 677, मुरैना में 631, सिंगरौली में 480, सागर में 163 और बुरहानपुर में 128 शिकायते हैं।

रेलवन से अनारक्षित टिकटों की बुकिंग पर 3 प्रतिशत की छूट

भोपाल। यात्रियों की सुविधा, डिजिटल सेवाओं के एकीकरण तथा रेल यात्रा को अधिक सरल और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे द्वारा रेलवन ऐप' को एक समग्र डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है। यह ऐप रेल यात्रा से जुड़ी लगभग सभी आवश्यक सेवाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराता है। वर्तमान में रेलवन पर अनारक्षित टिकटों की बुकिंग पर 3 प्रतिशत का छूट 14 जुलाई ,2026 तक प्रयोगिक तौर पर दिया जा रहा है।

रेलवन ऐप' के माध्यम से यात्रियों को आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट बुकिंग, प्लेटफॉर्म टिकट, लाइव ट्रेन स्थिति, आरक्षण विवरण, टिकट निरस्तीकरण एवं धनवापसी, रेल मदद सेवाएँ, शिकायत दर्ज करने एवं निवारण, तथा ट्रेन में भोजन बुकिंग जैसी सुविधाएँ एक ही मंच पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

ऐप की एक प्रमुख विशेषता सिंगल साइन-ऑन सुविधा है, जिसके अंतर्गत यात्री पूर्व में प्रयुक्त रेलकनेक्ट अथवा यूटीएस ऑन मोबाइल की उपयोक्ता आईडी से ही लॉगिन कर सकते हैं। इसके साथ ही रेलवे ई-वॉलेट की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसके माध्यम से अनारक्षित टिकट लेने पर यात्रियों को तीन प्रतिशत की छूट का लाभ मिलता है।

सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने यात्रियों से अपील की है कि वे समय रहते रेलवन ऐप' को अपने मोबाइल में डाउनलोड करें, रेलकनेक्ट अथवा यूटीएस ऑन मोबाइल' से रेलवन ऐप' पर स्थानांतरण सुनिश्चित करें तथा एकीकृत डिजिटल सेवाओं के माध्यम से अपनी रेल यात्रा को अधिक सहज और सुविधाजनक बनाएं।

उपभोक्ता आयोग ने लगाया डाक विभाग पर 8 हजार रुपए का हर्जाना

- स्पीड पोस्ट की डिलीवरी लेट होने पर लगा जुर्माना

भोपाल । स्पीड पोस्ट जैसी प्रीमियम सेवा में देरी को लेकर भोपाल जिला उपभोक्ता आयोग ने डाक विभाग पर 8 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने माना कि स्पीड पोस्ट का उद्देश्य कम समय में पार्सल पहुंचाना होता है, लेकिन निर्धारित अवधि में डिलीवरी नहीं होने से उपभोक्ता को परेशानी का सामना करना पड़ा।

मामले के अनुसार, सिल्वरलाइफकेयर निवासी ज्योति शर्मा ने जनवरी 2026 में अपनी बेटी को कपड़े और मिठाइयों का पार्सल स्पीड पोस्ट से भेजा था। इसके लिए उन्होंने 1,228 रुपए शुल्क भी जमा किया था। सामान्यतः 2 से 3 दिन में पहुंचने वाला पार्सल 7 दिन बाद प्राप्त हुआ। शिकायत पर सुनवाई करते हुए आयोग ने इसे सेवा में कमी माना और डाक विभाग को 8 हजार रुपए क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया। हालांकि विभाग ने तर्क दिया कि पार्सल सुरक्षित रूप से पहुंचा था और उपभोक्ता को कोई आर्थिक नुकसान नहीं हुआ।

1 जुलाई से 3 महीने के लिए बंद होंगे मप्र के 10 नेशनल पार्क

भोपाल। वाइल्ड लवर्स और जंगल सफारी के शौकीन लोगों के लिए काम की खबर है। मध्य प्रदेश के 10 नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व अगले तीन महीने के लिए बंद रहेंगे। 30 जून 2026 की शाम तक टूरिस्ट राज्य की समृद्ध जैव विविधता का लाभ उठा सकेंगे। 1 जुलाई से दरवाजे बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद सीधे सितंबर के आखिरी हफ्ते या अक्टूबर के पहले सप्ताह में फिर से पार्क और रिजर्व खुलेंगे।

दरअसल, मानसून के वक्त नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व बंद कर दिए जाते हैं। हालांकि कई पार्कों के कुछ हिस्से सफारी और दूसरी गतिविधियों के लिए खुले होते हैं। जिन नेशनल पार्कों और रिजर्व के हिस्से खुले होते हैं, उनमें भी केवल बफर जोन में जाने की इजाजत होती है। मानसून के समय कई जानवरों के मेटिंग और ब्रीडिंग का समय होता है। इस दौरान मानवीय गतिविधियों को पूरी तरह रोक दिया जाता है ताकि उन्हें सुरक्षित और शांत वातावरण मिल सके। सबसे महत्वपूर्ण कारणों में से एक ये भी है कि मानसून के समय बारिश के कारण जंगलों के रास्ते कच्चे खराब हो जाते हैं। जिन पर जिप्सी चलाना मुश्किल होता है। हादसे की आशंका बनी रहती है। इसी समय पौधरोपण, कोर एरिया के संरक्षण कार्यों में वन विभाग व्यस्त रहता है। दरअसल, जून का महीना इंसानों के साथ-साथ वाइल्डलाइफ के लिए अहम माना जाता है। अप्रैल-मई की भीषण गर्मी से इस महीने निजात मिलती है। प्री-मानसून एक्टिविटी होने से जानवर घने जंगलों से बाहर निकलते हैं। टाइगर, चीता, तेंदुआ जैसे बिग कैट को देखना आसान हो जाता है। ये सभी खुलकर सामने आते हैं जिससे लोग इनका दीदार करते हैं।

रोड्स ने बताया रोहित की सफलता का राज

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जॉंटी रोड्स ने भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की सफलता का राज बताया है। आईपीएल टीम मुम्बई इंडियंस के फील्डिंग कोच रहे रोड्स के अनुसार रोहित को जन्म से कोई असाधारण प्रतिभा नहीं मिली थी, बल्कि अपने काम करने के तरीके के साथ ही बेजोड़ निरंतरता और सहजता के कारण ही वह शीर्ष तक पहुंचे हैं। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ-साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीलए) में कप्तान के तौर पर भी उनका करियर बेहद सफल रहा है।

इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार आईपीएल में उन्होंने रोहित को बहुत करीब से अभ्यास करते देखा है। रोड्स के अनुसार, रोहित की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह खेल के सबसे कठिन परिस्थितियों को भी बेहद आसान बना देते हैं। रोड्स ने कहा, मैं हमेशा कहता रहता हूं कि मेरे पास दुनिया का सबसे अच्छा काम था। मुझे रोहित को अभ्यास करते हुए देखने का अवसर मिला। वह भारी-भरकम वर्कआउट सेशन की जगह मैदान के बीच में जाकर माहौल को महसूस करना ज्यादा पसंद करते थे। वह सब कुछ बहुत आसान बना देते हैं। उन्हें जन्म से ही कोई खास टैलेंट नहीं मिला था, लेकिन उनके काम करने के तरीके में हमेशा एक अद्भुत निरंतरता रही है, वह हमेशा से ऐसे ही रहे हैं।

रोड्स ने भारतीय क्रिकेट के तीन महान कप्तानों, महेन्द्र धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा की तुलना करते हुए कहा कि इनकी सफलता का मूल मंत्र उनकी अपनी स्वाभाविक कार्यशैली में रहना है। उन्होंने कहा कि ये तीनों खिलाड़ी कप्तान के तौर पर हमेशा वैसे ही रहे हैं जैसे वे असल जिंदगी में हैं, उन्होंने कभी किसी और के काम करने के तरीके को अपनाने की कोशिश नहीं की। रोड्स ने रोहित के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया, उनकी कप्तानी का अंदाज हमेशा एक जैसा रहा है। वह असल में बहुत मजाकिया हैं। स्टंप माइक पर उनकी मजेदार बातें सुनने को मिलती हैं और वह अपने साथियों की टांग खिंचाई भी करते हैं। उनका व्यक्तित्व हमेशा से ऐसा ही रहा है। बात वहीं आ जाती है। साथ ही कहा कि आपको एमएस धोनी या विराट जैसा बनने की जरूरत नहीं है। आपको बस वैसा ही रहना है जैसे आप हैं। ये तीनों बहुत अलग हैं और अपनी इसी निरंतरता की वजह से सफल हैं।रोड्स ने रोहित की तुलना भारतीय टेस्ट टीम के मौजूदा उप-कप्तान केएल राहुल से की। उनका मानना है कि दोनों ही बल्लेबाजों में अपनी सहज टाइमिंग और शानदार शॉट-प्ले से प्रशंसकों का दिल जीतने का प्रयास किया है।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन सात विकेट पर 291 रन बनाये

केनिंग्टन ओवल । न्यूजीलैंड ने यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ केनिंग्टन ओवल में शुरू हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में 77 ओवरों में 7 विकेट पर 291 रन बना लिए थे। स्टंप के समय ग्लेन फिलिप्स 49और काइल जैमीसन 6 रन बनाकर खेल रहे थे।

इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने टॉस जीतकर मेहमान कीवी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। उसके गेंदबाजों ने शुरुआती विकेट गिरा दिये पर कीवी टीम के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने हालात संभाल लिए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे केवल 9 रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद कप्तान टॉम लैथम और हेनरी निकोल्स ने पारी को संभाला। लैथम ने 75 गेंदों में 27 रन बनाए। वहीं हेनरी निकोल्स ने 24 रनों की पारी खेली। एक समय न्यूजीलैंड ने 79 रनों पर ही अपने 3 खिलाड़ी खो दिये थे।

इसके बाद कठिन समय में रचिन रवींद्र और डैरिल मिचेल ने पारी संभाली। रचिन ने 51 गेंदों में 6 चौकों की सहायता से 33 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल ने डैरिल मिचेल के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 81 रनों की शानदार साझेदारी की. मिचेल ने 74 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 44 रनों की अच्छी पारी खेली। वहीं ब्लंडेल ने अर्धशतक बनाया। ब्लंडेल ने 51 रनों की पारी खेलकर कीवी टीम को संभाला।

ब्लंडेल के आउट होने के बाद ग्लेन फिलिप्स ने तेजी से रन बनाये। उन्होंने नाबाद 49 रनों की पारी खेली। वहीं इंग्लैंड के गेंदबाजों की बात करें तो स्पिन ऑलराउंडर जैकब बेथेल ने 5 ओवरों में 8 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट लिए। उनके अलावा तेज गेंदबाज सॉनी बेकर ने15 ओवरों में 63 रन देकर 2 विकेट लिए।

10 मार्च से शुरू होगा आईपीएल का अगला सत्र - सैकिया

मैचों की संख्या बढ़ाने का कोई इरादा नहीं

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कहा गया है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 2027 सत्र 10 मार्च में शुरु हो सकता है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि मार्च की शुरुआत में ही सत्र शुरु करने का फैसला इसलिए लिया गया है ताकि खिलाड़ियों, दर्शकों सहित सभी लोगों को तेज गरमी से बचाया जा सके।

सैकिया के अनुसार देश के अधिकांश हिस्सों में मई में पड़ने वाली भीषण गर्मी से बचने के लिए लीग को अगले साल से 10 मार्च से 15 मई तक रखे जाने की योजना बनायी गयी है। सैकिया ने हालांकि साफ कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए मैचों की संख्या 74 से बढ़ाकर 94 करने का कोई इरादा नहीं है।.

गौरतलब है कि आईपीएल आमतौर पर मार्च के अंतिम सप्ताह में शुरू होता है और मई के अंत तक चलता है। सैकिया ने कहा कि आईपीएल को जल्दी शुरू करने से खिलाड़ी ही नहीं दर्शकों को भी लाभ होगा। उन्होंने कहा, "इस साल आईपीएल मार्च अंत में शुरू हुआ और 31 मई तक चला। 15 मई के बाद टूर्नामेंट के अंतिम चरण में बारिश या मानसून से पहले के मौसम से व्यवधान पड़ने की आशंका बनी रहती है।"

सैकिया ने कहा, "इसके अलावा मई में मौसम काफी गर्म हो जाता है जो न तो खिलाड़ियों के लिए और ना ही दर्शकों के लिए सही होता है।।" इसलिए मई के अंतिम पखवाड़े में बढ़ते तापमान से निपटने के लिए टूर्नामेंट को दो सप्ताह पहले शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "बीसीसीआई के साथ-साथ हमारी आईपीएल संचालन परिषद में भी इस बात पर चर्चा चल रही है कि क्या हम टूर्नामेंट को मार्च के शुरू में प्रारंभ कर सकते हैं।" सैकिया ने कहा, "अगले साल से हम इसे जल्दी शुरू करने का प्रयास करेंगे। मैंने अपने महाप्रबंधक (खेल विकास) (पूर्व तेज गेंदबाज एबी कुरुविला) को निर्देश दे दिया है कि वह ऐसा कार्यक्रम तैयार करें जिससे हम 10 मार्च तक टूर्नामेंट शुरू करके 15 मई तक समाप्त कर सकें।"

डियाज़ के अच्छे प्रदर्शन से कोलंबिया ने उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराया

मैक्सिको सिटी । लुई डियाज के अच्छे प्रदर्शन से फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 में कोलंबिया ने अपने पहले ही मैच में उज्बेकिस्तान को 3-1 से हरा दिया। इस मुकाबले में कोलंबिया की जीत के नायक रहे अनुभवी खिलाड़ी लुई डियाज़। डियाज ने एक गोल करने के साथ ही एक अन्य गोल में सहायता की थी। यह जीत कोलंबिया के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि उसने अपने पहले ही मैच में दमदार प्रदर्शन करते हुए आगामी मुकाबलों के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है।इस मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष हुआ। कोलंबियाई टीम की ओर से पहले हाफ के 40वें मिनट में डियाज़ के शानदार पास पर डेनियल मुनोज ने कर गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। वहीं इसके बाद दूसरे हाफ में

उज्बेकिस्तान ने वापसी के प्रयास किये और 60वें मिनट में फैजुल्लायेव अब्बोसबेक ने गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद कोलंबियाई टीम ने 65वें मिनट में डियाज़ के गोल से फिर बढ़त हासिल कर ली। इससे कोलंबिया 2-1 से आगे हो गयी। इसके बाद जैमिंटन कैम्पाज ने कोलंबिया की ओर से तीसरा गोल दागकर अपनी टीम की जीत तय कर दी। स्कोर 3-1 होने से उज्बेकिस्तान की वापसी संभव नहीं हुई। यह मैच उज्बेकिस्तान के लिए ऐतिहासिक था, क्योंकि उन्होंने 80,824 दर्शकों की उपस्थिति में एस्टाडियो एज्टेका में अपना पहला फीफा विश्व कप मैच खेला। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज कोलंबिया को 50वें स्थान की टीम उज्बेकिस्तान पर जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, और टीम ने उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन किया। इस शानदार जीत के साथ, कोलंबियाई टीम ग्रुप में पुर्तगाल और कांगो से आगे निकलकर शीर्ष पर पहुंच गयी है। अब कोलंबिया का मुकाबला मैक्सिको के ग्वाडलाजारा में कांगो से होगा, जबकि उज्बेकिस्तान की टीम ह्यूस्टन में दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल टीम से खेलेगी।

फीफा विश्वकप के पहले ही मैच में विफल रहे रोनाल्डो ने वापसी का वादा किया

कांगो ने पुर्तगाल को 1-1 से ड्रॉ पर रोका

न्यूजर्सी । पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो फीफा विश्व कप 2026 के अपने पहले ही मैच में असफल रहे है। इस कारण कांगों ने मुकाबले में पुर्तगाल को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। स्टार खिलाड़ी रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन से पुर्तगाल के प्रशंसकों को भी भारी निराशा हुई। कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मुकाबले में रोनाल्डो प्रभावहीन दिखे जिसका भी नुकसान पुर्तगाल को हुआ। छठी बार विश्वकप खेल रहे रोनाल्डो से इस प्रकार के खराब प्रदर्शन की उम्मीद किसी को नहीं थी।

रोनाल्डो ने मैच के बाद सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा, यह वैसी शुरुआत नहीं थी जैसी हम चाहते थे पर कहा कि कि अभी खेल खत्म नहीं हुआ है। हिम्मत रखो और अगले मैच पर ध्यान दोरो। उनके इन शब्दों में निराशा के साथ-साथ अगले मैच में वापसी करने का दृढ़ संकल्प साफ झलक रहा था। यह संदेश सिर्फ उनके प्रशंसकों के लिए ही नहीं, बल्कि उनकी टीम के लिए भी था कि उन्हें हौसला नहीं छोड़ना चाहिये। वहीं पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने भी रोनाल्डो का पूरा समर्थन किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने रोनाल्डो को शुरुआती एकादश से बाहर रखने पर विचार किया था, तो मार्टिनेज ने स्पष्ट जवाब दिया। उन्होंने कहा, जब आपको गोल की सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर को बाहर रखना समझदारी नहीं होती है। हमारे लिए रोनाल्डो का अनुभव महत्वपूर्ण है। कोच के इन शब्दों से साफ है कि वे अभी भी रोनाल्डो पर पूरा भरोसा करते हैं और उनका मानना है कि अनुभवी खिलाड़ी की उपस्थिति और नेतृत्व टीम के लिए बेहद मूल्यवान है।

प्रभसिमरन सिंह ने अर्शदीप का बचाव किया

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19में सत्र के दौरान वायरल हुए एक वीडियो को लेकर आलोचनाप का सामना कर रहे टीम पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बचाव में पंजाब किंग्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह आये हैं। जिस वीडियो को लेकर विवाद उठा है उसमें अर्शदीप हंसी मजाक के मूड में मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज तिलक वर्मा को ओए अंधेरे कहते हुए दिखाई दिए, जिसके बाद से ही अर्शदीप की सोशल मीडिया पर नस्लीय टिप्पणी करने के आरोपों को लेकर आलोचना हो रही। ऐसे में प्रभसिमरन ने कहा वीडियो में जो कहा जा रहा है ये केवल दो दोस्ती की मजाकिया बातचीत थी और इसे तूल नहीं दिया जाना चाहिये। प्रभसिमरन ने का कि अर्शदीप और तिलक वर्मा के बीच काफी अच्छी दोस्ती है और दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ हंसी-मज़ाक करते रहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सिर्फ दोस्तों के बीच का एक सामान्य मज़ाक था और इसे बेवजह मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। प्रभसिमरन ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों ने साथ में काफी क्रिकेट खेली है और वे आपस में कुछ भी कहते रहेते हैं।

फीफा विश्व में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले लिनेकर की बराबरी पर आये केन

अर्लिंग्टन। फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के पहले ही मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने दो गोल दागकर अपनी टीम को क्रोएशिया के खिलाफ 4-2 से जीत दिलाने के दौरान ही एक ऐतिहासिक रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। केन ने अब दिग्गज खिलाड़ी रहे गैरी लिनेकर के इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्वकप में सबसे अधिक गोल दागने के रिकार्ड की बराबरी कर ली हैं।

केन अब इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस मामले में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान लिनेकर के रिकॉर्ड की बराबरी की है। इस मुकाबले से पहले लिनेकर के 10 विश्व कप गोल की बराबरी करने के लिए केन को दो गोल की जरुरत थी जो उन्होंने इस मैच में दाग दिये। उन्होंने 12वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से अपना पहला गोल दागा, जिसके साथ वह विश्व कप इतिहास में पांच पेनल्टी पर गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। हाफ टाइम से ठीक पहले उन्होंने मैच का अपना दूसरा गोल दागकर अपने देश के लिए एक नया इतिहास रच दिया। अब हैरी केन

और गैरी लिनेकर दोनों के नाम 12 विश्व कप मैचों में 10-10 गोल दर्ज हैं।

हैरी ने पहली बार फीफा विश्व कप साल 2018 में खेला था, जहां उन्होंने अपने पहले ही टूर्नामेंट में 6 गोल के साथ गोल्डन बूट जीता था और इंग्लैंड को सेमीफाइनल तक पहुंचाया था। इसके बाद 2022 के विश्व कप में 2 गोल किये थे।

फुटबॉल की दुनिया में केन का नाम इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में पहले से ही दर्ज है। उन्होंने 2018 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल, और 2020 व 2024 के यूरो कप फाइनल जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं में इंग्लैंड की ओर से गोल किये थे।

इंग्लैंड के लिए फीफा विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में केन और लिनेकर दोनों ही 10 गोल के साथ शीर्ष पर हैं। उनके बाद ज्योफ हर्स्ट 6 मैचों में 5 गोल के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि दिग्गज बॉबी चार्लटन ने 14 मैचों में 4 गोल किए हैं। माइकल ओवेन ने भी 12 मैचों में 4 गोल दागे हैं। डेविड बेकहम, स्टीवन गेरार्ड, मार्कस रैशफोर्ड, रोजर हंट, डेविड प्लैट, बुकायो साका और नेट लॉफ्टहाउस जैसे खिलाड़ियों ने 3-3 गोल किये है।

फीफा विश्व कप : यिरेंकी के गोल से घाना ने पनामा को 1-0 से हराया

टोरंटो । कालेब यिरेंकी के एक शानदार गोल से घाना ने फीफा विश्वककप फुटबॉल के अपने पहले ही मैच में पनामा को 1-0 से हरा दिया। इस मैच की शुरुआत मे पनामा ने आक्रामक रुख अपनाया और लगातार हमले किये पर वह सफल नहीं रही। घाना की रक्षापंक्ति ओर उसके गोलकीपर ने काफी अच्छा बचाव किया। पनामा के आमिर मुरिलो के एक क्रॉस पर सेसिलियो वाटरमैन ने गोल दागने का प्रयास किया पर उसे गोलकीपर ने विफल कर दिया। इसके बाद पनामा के जियोवानी रामोस को भी मौका मिला, लेकिन वह भी गेंद को नेट में पहुंचाने में नाकाम रहे। घाना की रक्षापंक्ति और गोलकीपर को भेदने में पानाम के खिलाड़ी असफ रहे। दूसरे हाफ में दोनों टीमों के हमले और तेज हो गये। पनामा के क्रिस्टियन मार्टिनेज को गोल का अच्छा अवसर मिला पर उनका शॉट गोल पोस्ट के पास टकराकर बाहर निकल गया। घाना के कोच कार्लोस क्वेरोज ने इस दौरान रणनीतिक बदलाव किए। उन्होंने दूसरे हाफ में दो स्थानापन्न खिलाड़ियों को मैदान पर उतारा, जिसका प्रभाव भी नजर आया।

फीफा विश्वकप : हैरी केन के अच्छे प्रदर्शन से इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4-2 से हराया

अर्लिंग्टन । कप्तान हैरी केन के दो गोलों की सहायता से इंग्लैंड ने फीफा विश्वकप फुटबॉल के अपने पहले ही मैच में जीत से शुरुआत की है। इंग्लैंड ने डलास स्टेडियम में हुए ग्रुप एल के एक मुकाबले में क्रोएशिया को रोमांचक मुकाबले में 4-2 से हरा दिया। इंग्लैंड की ओर से कप्तान हैरी ने दो गोल दागे। हैरी के अलावा जूड बेलिंगहैम और स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे मार्कस रैशफोर्ड ने एक-एक गोल किया। दोनों टीमों ने शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाया। क्रोएशिया ने हमलों की शुरुआत की पर इसके बाद इंग्लैंड ने भी पलटवार किये। 12वें मिनट में इंग्लैंड को पेनल्टी मिली। पेनल्टी पर केन के शॉट को गोलकीपर ने रोक लिया पर फाउल होने से दोबारा पेनाल्टी ली गयी। इसमें केन गोल दागने में सफल रहे। इससे टीम को 1-0 की बढ़त मिल गयी। इसके बाद क्रोएशिया ने वापसी के प्रयास शुरु किये। उसकी ओर से मार्टिन बटुरिना ने शानदार गोल दाग कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इससे इंग्लैंड को फिर से बढ़त मिल गयी। कॉर्नर किक पर हैरी ने अच्छा हेडर लगाकर अपना दूसरा गोल दागने के साथ ही इंग्लैंड को 2-1 से फिर बढ़त दिला दी।पहले हाफ के अंत में एक बार फिर क्रोएशिया ने गोल दागकर स्कोर बराबरी पर ला दिया। ये गोल में इवान पेरिसिक के पास पर मूसा ने किया। दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने आक्राकम अंदाज अपनाया। खेल शुरू होने के केवल दो मिनट बाद ही जूड बेलिंगहैम ने एक मैदानी गोल किया। उन्होंने सटीक शॉट लगाकर इंग्लैंड को मुकाबले में 3-2 से बढ़त दिला दी। इसके बाद इंग्लैंड ने लगातार हमले किये पर क्रोएशियाई रक्षापंक्त ने विफल कर दिये। बेलिंगहैम, डेक्लान राइस और निको ओरेली ने गोल के प्रयास किये पर क्रोएशियाई गोलकीपर लिवाकोविक ने उन्हें विफल कर दिया।

भारतीय हॉकी टीम ने विश्व चैम्पियन जर्मनी को 3-1 से धोया

रॉटरडैम। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यहां जारी एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 के एक मुकाबले में विश्व चैम्पियन जर्मनी को 3-1 से हरा दिया। भारतीय टीम की ओर से मनदीप सिंह ने 7वें मिनट जबकि शिलानंद लाकड़ा ने 13वें मिनट और नीलकांत शर्मा ने 35वें मिनट में गोल किये। वहीं जर्मनी की ओर से एकमात्र गोल राफेल हार्टकोफ ने 45वें मिनट में किया। मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम हावी रही। भारतीय टीम ने आक्रामक रणनीति अपनाते हुए जर्मनी को हमले के अवसर नहीं दिये। इसी कारण भारतीय टीम को 7वें मिनट में ही मनदीप के गोल से बढ़त मिल गयी। पहले क्वार्टर के अंत में शिलानंद लाकड़ा ने 13वें मिनट में एक गोल दागकर भारतीय टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया।वहीं दूसरे क्वार्टर में जर्मनी ने वापसी करने के लिए रणनीति बदलते हुए भारतीय हाफ में प्रवेश करने का प्रयास किया पर भारतीय डिफेंस को वह भेद नहीं पाये। जर्मनी को 24वें मिनट में मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे अमित रोहिदास ने बेहतरीन रोक दिया। इसके बाद 27वें मिनट में मिले एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोलकीपर मोहित ने आसानी से रोक दिया। दूसरे हाफ में भी भारत ने गोल दागने के अपने प्रयासों को जारी रखा और 35वें मिनट में नीलकांत ने एक मैदानी गोल दागकर भारतीय टीम की बढ़त को 3-0 तक पहुँचा दिया।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, बालाघाट

प्रधान कार्यालय-काली पुतली चौक, बालाघाट (म.प्र.)

दूरभाष नं. (07632) 240741, 241740, 247476, 240484

cbsbalaghat.mp@gmail.com & ccbbgtas@rediffmail.com

क्रमांक/ /स्टोर/2026 बालाघाट,दिनांक 18.06.2026

डिजल जीप विक्रय निविदा सूचना

बैंक की डीजल जीप जहां है जैसी है कि स्थिति में विक्रय किया जाना है। जिनका विवरण निम्नानुसार है-

क्र	वाहन क्रमांक	मॉडल/वर्ष	आफसेट प्राईज
01	MP50C4418	महिन्द्रा स्कार्पियों S10/2015	3,20,000.00
02	MP50BC1130	महिन्द्रा बोलेरो XLS/2016	2,20,000.00
03	MP50C4590	रेनाल्ट डस्टर RXL/2016	3,60,000.00

उत्सुक क्रेताओं से सीलबंद लिफाफे में निविदाएँ दिनांक 01.07.2026 दोपहर 03 बजे तक आमंत्रित की जाती है। आफसेट प्राईज से अधिकतम मूल्य स्वीकार किया जावेगा। निविदा की शर्तें व अन्य जानकारी बैंक मुख्यालय में कार्यालयीन समय पर सूचना पटल पर देखी जा सकती है। वाहन प्रधान कार्यालय में कार्यालयीन समय पर देखे जा सकते हैं। निविदाएँ 01.07.2026 को अपरान्ह 3.30 बजे बैंक की कमेटी के समक्ष खोली जावेगी। शर्तें एवं नियम लागू।

अभिनव सिंह बघेल
मुख्य कार्यपालन अधिकारी

दो दिनों में चार नीट स्टूडेंट ने की आत्महत्या से देश स्तब्ध

-पीपर लीक, परीक्षा रद्ध और अब दोबारा परीक्षा को लेकर बढ़ी छात्रों की चिंता

-शिक्षा व्यवस्था और जिम्मेदारों की भूमिका पर लगातार उठ रहे हैं सवाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को लेकर जारी अनिश्चितता और तनाव के बीच देशभर से छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं सामने आ रही हैं। पिछले दो दिनों में चार छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने की खबरों ने शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रबंधन और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंताएं खड़ी कर दी हैं।

ताजा मामला कार्यबाटूर का है, जहां 19 वर्षीय छात्रा अनुकीर्तना ने कथित रूप से जहर खाकर आत्महत्या कर ली। वह मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही थी और परिणाम के बाद मेडिकल कॉलेज में प्रवेश की उम्मीद कर रही थी। बताया गया है कि उसने मौत से पहले अपने परिजनों को भेजे संदेश में दोबारा परीक्षा देने के डर और परिवार पर पड़े आर्थिक बोझ का जिक्र किया था। छात्रा ने अपने संदेश में लिखा कि उसने परीक्षा दी थी और प्रवेश की प्रतीक्षा कर रही थी, लेकिन परीक्षा रद्द होने के बाद उसे फिर से परीक्षा देने का भय सताने लगा। उसने यह

भी लिखा कि उसके पिता ने उसकी पढ़ाई पर काफी पैसा खर्च किया है और वह उनका सामना करने की स्थिति में नहीं है।

अहमदाबाद में इमारत से कूद कर दी जान

दूसरी घटना गुजरात के अहमदाबाद में सामने आई, जहां 17 वर्षीय छात्र ने एक बहुमंजिला इमारत की छठी मंजिल से कूदकर जान दे दी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वह भी नीट की तैयारी कर रहा था। हालांकि पुलिस को अभी तक आत्महत्या के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच जारी है।

देहरादून और लखनऊ में भी आत्महत्या

इससे पहले 16 जून को देहरादून में 23 वर्षीय रिया थापा तथा उत्तर प्रदेश के लखनऊ शहर में 17 वर्षीय एक छात्रा ने भी आत्महत्या की थी। इन घटनाओं के बाद परीक्षा से जुड़े तनाव और मानसिक दबाव पर बहस तेज हो गई है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 12 मई को नीट परीक्षा रद्द किए जाने के बाद से देशभर में लगभग 12 छात्रों की आत्महत्या के मामले सामने आ चुके हैं। छात्रों और अभिभावकों के बीच परीक्षा की विश्वसनीयता, दोबारा परीक्षा की संभावना, भविष्य की अनिश्चितता और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई में देरी को लेकर असंतोष बढ़ रहा है।

शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव पहले से ही छात्रों पर भारी पड़ता है। ऐसे में परीक्षा रद्द होने, परिणामों पर अनिश्चितता और लगातार बदलती परिस्थितियों से मानसिक तनाव और बढ़ा दिया है। उनका मानना है कि परीक्षा प्रबंधन के साथ-साथ छात्रों के लिए प्रभावी मनोवैज्ञानिक परामर्श और सहायता तंत्र विकसित करना भी जरूरी है। इन घटनाओं ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं में पारदर्शिता और भरोसा बनाए रखने के साथ-साथ छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता कैसे दी जाए। लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ी ऐसी परीक्षाओं में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता का प्रभाव केवल परिणामों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कई बार उनके जीवन पर भी गहरा असर डालता है।

आखिरकार पाकिस्तान ने फिर कर दी ट्रंप की किरकिरी.......प्रियंका चतुर्वेदी का तंज

ईरान-अमेरिका समझौते में फायदे में ईरान

नई दिल्ली । ईरान और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए समझौते को लेकर राजनीतिक हलकों में प्रतिक्रियाएं तेज हुई हैं। शिवसेना (यूबीटी) की नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने समझौते पर पाकिस्तान की भूमिका पर कटाक्ष कर कहा है कि उसने फिर अमेरिका को असहज स्थिति में डाल दिया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने अपनी प्रतिक्रिया देकर दावा किया कि ईरान-अमेरिका वार्ता में ईरान का पक्ष अपेक्षाकृत अधिक मजबूत दिखाता है। उन्होंने बताया कि समझौते के तहत ईरान को कथित तौर पर 300 अरब डॉलर के मुआवजे का आश्वासन मिला है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसका नियंत्रण बना रहेगा। शिवसेना यूबीटी नेता चतुर्वेदी ने रेखांकित किया कि परमाणु संवर्धन के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच आगे बातचीत जारी रखने पर सहमति बनी है, जो उनके अनुसार, यह दर्शाता है कि ईरान को वार्ता में अपेक्षाकृत अधिक लाभ मिला है। पाकिस्तान पर निशाना साधकर उन्होंने कहा कि समझौते की आड़ में पाकिस्तान ने फिर अमेरिका को असहज स्थिति में ला दिया है। हालांकि उन्होंने अपने बयान में सीधे तौर पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ या सेना प्रमुख असीम मुनीर का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके बयान को पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका और अमेरिकी विदेश नीति पर तंज के रूप में देखा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समझौते को लेकर चर्चाएं जारी हैं, जहाँ कुछ इस पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मान रहे हैं, वहीं अन्य इसके वास्तविक प्रभावों और शर्तों का आकलन अभी बाकी बता रहे हैं। भारत के लिए भी होर्मुज जलडमरूमध्य की रणनीतिक और आर्थिक अहमियत को देखकर यह समझौता महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पंजाब के विकास की रफ्तार धीमी नहीं पड़ने दूंगा- मुख्यमंत्री मान

अमृतसर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की है कि पंजाब अब पिछली सरकारों की गलतियों और बुरे कार्यों का शिकार नहीं बनेगा, बल्कि विकास, मौकों और समृद्धि के एक नए युग की ओर निरंतर बढ़ रहा है। होशियारपुर के टांडा स्थित भट्टलां गांव में उन्होंने कहा कि उपजाऊ भूमि, प्रचुर जल संसाधनों और मेहनती लोगों के बावजूद, पिछली सरकारों ने राज्य के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं दी, जिसके कारण पंजाब अपनी पूरी क्षमता से विकास नहीं कर सका।

मुख्यमंत्री मान ने युवाओं के लिए अवसर पैदा करने, शिक्षा और स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने तथा एक ऐसा रंगला पंजाब सृजित करने की बात कही, जहाँ किसी भी युवा को बेहतर भविष्य की तलाश में विदेशों की ओर जाने की जरुरत नहीं होगी। उन्होंने अपनी सरकार की न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दिखाकर कहा कि बरगाड़ी बेअदबी और बहिबल कलां-कोटकपूरा गोलीकांड के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कानून के कटघरे में खड़ा कर जेल भेजा जाएगा। सीएम मान ने जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026 का भी जिक्र किया, जो बेअदबी के लिए सख्त सजा का प्रावधान करता है। उन्होंने अकाली नेतृत्व पर आरोप लगाया कि उन्होंने गुरबानी के नाम पर वोट मांगे, लेकिन श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा करने में विफल रहे।

सीएम मान ने पंजाब के सफर पर कहा कि राज्य ने 1947 के विभाजन, 1984 के दंगों और पिछली सरकारों द्वारा वर्षों की लूट-खसोट जैसे कई दुख झेले हैं, लेकिन अब इस प्रगति को रोका नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि पंजाब में संसाधनों की कोई कमी नहीं है, बल्कि वर्षों से ऐसी नेतृत्व क्षमता की कमी थी जो निजी और राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर राज्य के हितों को सर्वोपरि रखे। मुख्यमंत्री ने युवाओं से भावुक अपील की कि उन्हें केवल कनाडा, अमेरिका या अन्य विदेशों के सपने देखने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए, क्योंकि सरकार पंजाब में ही मौके पैदा कर रही है।

बाबा पर महिला ने यौन शोषण, प्रताड़ना और ब्लैकमेलिंग के लगाए आरोप

पुणे के आश्रम में सनसनीखेज खुलासा, पुलिस ने 8 लोगों को किया गिरफ्तार

पुणे,। महाराष्ट्र के पुणे में एक स्वयंभू बाबा के आश्रम से जुड़े गंभीर आरोपों ने सनसनी फैला दी है। पुलिस ने हरियाणा निवासी 59 वर्षीय राधामोहन मिश्रा को एक महिला के साथ वर्षों तक कथित दुष्कर्म, मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना तथा धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी खुद को भगवान का अवतार और अलौकिक शक्तियों का स्वामी बताकर लोगों को प्रभावित करता था।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 41 वर्षीय पीड़िता, जो हरियाणा की रहने वाली हैं, ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने दिव्य शक्तियों और आध्यात्मिक उपचार का झांसा देकर करीब 15 वर्षों तक उसका शोषण किया। महिला के अनुसार उसे कई बार बिजली के झटके दिए गए, अपमानजनक व्यवहार सहने के लिए मजबूर किया गया और लगातार मानसिक दबाव में रखा गया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने महिला को उसके परिवार से अलग-थलग कर दिया था। परिवार के सदस्यों के सामने उसके बारे में गलत जानकारियां दी गईं और उस पर पति से अलग होने का दबाव बनाया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि महिला की संपत्ति अपने नाम कराने और उस पर नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश की जा रही थी।

पुलिस जांच के अनुसार महिला आश्रम परिसर में ही रहती थी। उसके कमरे में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे और उसकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाती थी। आरोप हैं कि महिला और उसके पति के निजी वीडियो भी हासिल कर लिए गए थे, जिनका उपयोग उसे डराने और ब्लैकमेल करने के लिए किया जाता था। पीड़िता ने बताया कि लंबे समय तक प्रताड़ना झेलने के बाद उसने आश्रम में लगे कैमरों को तोड़ा और वहां से भागने में सफल रही। घर पहुंचने के बाद उसने अपने परिवार को पूरी घटना की जानकारी दी, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा।

आश्रम से भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक सामग्री बरामद

छापेमारी के दौरान पुलिस ने आश्रम से 12 लैपटॉप, 19 हार्ड डिस्क, एक टैबलेट, 11 मोबाइल फोन, 23 पेन ड्राइव, कई डिवीडी और सीडी बरामद किए हैं। इसके अलावा लगभग 6.5 लाख रुपये नकद और करीब 15 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण भी जब्त किए गए हैं। कुछ दवाइयां भी मिली हैं, जिनकी जांच कराई जा रही है। जांच एजेंसियां अब जब्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के डेटा की पड़ताल कर रही हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं अन्य लोग भी शोषण या ब्लैकमेलिंग का शिकार तो नहीं हुए।

भूमिगत सुरंग भी बना रहा था आरोपी

पुलिस ने खुलासा किया है कि आरोपी आश्रम परिसर में एक भूमिगत सुरंग का निर्माण करवा रहा था। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि इसका उपयोग आपात स्थिति में भागने या गुप्त गतिविधियों के लिए किया जा सकता था। हालांकि इसके वास्तविक उद्देश्य का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

सीबीएसई ओएसएम विवाद पर कॉम्प्ट एडुटेक की सफाई- मानवीय चूक, सिस्टम सुरक्षित

नई दिल्ली। सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली से जुड़े विवादों के बीच, शिक्षा कंपनी कॉम्प्ट एडुटेक ने सफाई दी। कंपनी ने छात्र को गलत उत्तर पुस्तिका मिलने को मानवीय त्रुटि बताया, जो भौतिक स्कैनिंग प्रक्रिया के दौरान हुई थी, न कि सॉफ्टवेयर में कोई खराबी। उन्होंने कहा कि संबंधित कर्मचारी और स्थान की पहचान कर ली गई है, और 100 प्रतिशत जांच में कोई तकनीकी त्रुटि नहीं पाई गई। कॉम्प्ट एडुटेक ने अपने स्कैनिंग उपकरणों की उच्च गुणवत्ता और वार्षिक अपग्रेडेशन पर जोर दिया, कहा कि ये उद्योग के मानक हैं। कंपनी ने टेंडर शर्तों में बदलाव कर निम्न गुणवत्ता वाले उपकरणों को शामिल करने के आरोपों को खारिज करते हुए पुष्टि की कि उसके सभी रिकॉर्ड सरकारी जांच के लिए खुले हैं। धुंधली इमेज से जुड़े मामलों की समीक्षा संबंधित मूल्यांकन प्राधिकरणों के साथ की जा रही है।

19 वर्षीय हैकर द्वारा प्लेटफॉर्म की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले पर, कंपनी ने स्पष्ट किया कि हैकर ने जिस सर्वर तक पहुंच बनाई थी, वह केवल एक टेस्टिंग सर्वर था, जिसका किसी भी ग्राहक के वास्तविक डेटा या सेवाओं से कोई संबंध नहीं था। यह सर्वर आंतरिक परीक्षण और डमी टेस्ट के लिए उपयोग होता है। कॉम्प्ट एडुटेक ने दावा किया कि उसकी वास्तविक परिचालन प्रणाली पूरी तरह सुरक्षित है और इस घटना में न तो किसी छात्र का डेटा प्रभावित हुआ और न ही उसके तकनीकी ढांचे से कोई समझौता हुआ। कंपनी पर कक्षा 12 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में अनियमितताओं के आरोप लगे थे। कॉम्प्ट एडुटेक वर्तमान में 35 से अधिक विश्वविद्यालयों और संस्थानों को सेवाएं देती है, और प्रति वर्ष लगभग दो करोड़ उत्तर पुस्तिकाओं के डिजिटाइजेशन, ऑन-स्क्रीन मार्किंग और मूल्यांकन का प्रबंधन करती है।

हिंदू लडक़ी की लाश कब्र से निकाली गई

प्रयागराज। प्रयागराज में हिंदू समझकर मुस्लिम युवक से शादी करने वाली युवती की मौत की वजहें सामने नहीं आ सकी हैं। 35 दिन बाद कब्र खोदकर 20 वर्षीय युवती का शव पोस्टमॉर्टम के लिए निकाला गया। शव सड़ी-गली हालत में था। दो डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया, लेकिन रिपोर्ट में भी मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका। दरअसल, प्रयागराज के रहने वाले मुस्लिम युवक साहिल ने हिंदू नाम बताकर एमपी के रीवा की युवती गोल्डी से दोस्ती की थी और फिर दोनों ने शादी कर ली। साहिल और गोल्डी की मुलाकात इंस्टाग्राम पर हुई थी। दोनों हैदराबाद में जॉब करते थे। 10 मई 2026 को संदिग्ध परिस्थितियों में गोल्डी की मौत हो गई। युवती की मां का आरोप है कि उनकी गर्भवती बेटी की ससुराल वालों ने हत्या कर दी। उसे जहर देकर मार डाला। उनका यह भी कहना है कि मौत के करीब एक महीने बाद, 6 जून को उन्हें इसकी जानकारी दी गई। पुलिस अब मौत की गुत्थी सुलझाने में जुटी हुई है।

टेरर फंडिंग से फीस चुकाने वाली छात्रा को नहीं मिलेगी एमबीबीएस डिग्री-मद्रास हाईकोर्ट

चेन्नई । मद्रास हाईकोर्ट ने एमबीबीएस की छात्रा पूजा कुमारी को बड़ा झटका देकर उसकी डिग्री जारी करने की याचिका खारिज की है। छात्रा ने अपने शिक्षण संस्थान, चेत्तिनाद एकेडमी ऑफ रिसर्च एंड एजुकेशन, से एमबीबीएस कोर्स और डिग्री सर्टिफिकेट जारी करवाने की मांग की थी। मद्रास हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एसए धर्माधिकारी और जस्टिस जी अरूल मुरुगन की बेंच ने अपने सिंगल बेंच के आदेश को बरकरार रखकर फैसला सुनाया।

अदालत ने पाया कि छात्रा ने कोर्स के दौरान जो 1,13,70,500 रुपये की फीस भरी थी, उस फीस को नेशनल इवेंस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने यह कहकर जब्त किया है कि वह माओवादी गतिविधियों से जबरन वसूली गई थी। एनआईए ने जांच में पाया कि यह रकम सीधे तौर पर घोषित आतंकी संगठन कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) द्वारा गैर-कानूनी तौर पर जुटाई थी। एनआईए ने कॉलेज को नोटिस देने के बाद यह फंड सीज कर लिया था, इसके बाद कॉलेज ने पूजा की फीस बकाया बताकर डिग्री रोक ली।

हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भले ही छात्रा को एनआईए के आपराधिक मामले में आरोपी न बनाया हो, वह अपराध से जुटाई गई रकम पर दावा नहीं कर सकती। अदालत ने कहा कि जैसे ही एनआईए ने फीस जब्त की, कानूनी तौर पर कॉलेज की फीस बकाया हुई। जब कॉलेज को छात्र से फीस मिली ही नहीं, तब उससे जबरन सर्टिफिकेट जारी करवाना घोर अन्याय होगा। हाई कोर्ट ने छात्रा को सलाह दी कि यदि वह वास्तव में बेकसूर है, तब वह जब्त की गई रकम को रिलीज करने के लिए एनआईए स्पेशल कोर्ट से संपर्क कर सकती है। इस मामले में छात्रा पहले सिंगल बेंच में गई थी, जहां से उसकी याचिका खारिज होने के बाद उसने डबल बेंच में अपील की थी।

बैतूल में आदिवासी समाज सशक्तीकरण महासम्मेलन में राष्ट्रपति न कहा...

गीली मिट्टी जैसे होते हैं जनजाति समुदाय के लोग...

बैतूल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि आदिवासी समाज के युवाओं को आधुनिक शिक्षा, कौशल विकास और डिजिटल सशक्तीकरण से जोडना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके साथ ही उनकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति ने यह बात बैतूल में ब्रह्मकुमारी संस्था द्वारा आयोजित 'आध्यात्मिक जागृति द्वारा आदिवासी समाज का सशक्तीकरण महासम्मेलन' को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि विकास और संस्कृति के बीच संतुलन ही किसी समाज की वास्तविक शक्ति है। जनजातीय समुदाय की जीवनशैली स्वाभाविक रूप से आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित होती है। आदिवासी समाज प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीता है और धरती, जल, वायु, आकाश, सूर्य एवं चंद्रमा जैसे पंचतत्वों का सम्मान करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समाज प्रेम, शांति और सह-अस्तित्व की भावना के साथ जीवन जीना जानता है। बैतूल के आदिवासी समुदाय ने अपनो लोक परंपराओं, सांस्कृतिक मूल्यों और पारंपरिक ज्ञान को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखा है, जो पूरे देश के लिए प्रेरणा है। उन्होंने महासम्मेलन के माध्यम से वर्ष 2047 तक ऐसे विकसित भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया, जहां आध्यात्म, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और मानव कल्याण समावेशी विकास की आधारशिला बनें। राष्ट्रपति ने कहा कि यह महासम्मेलन जनजातीय समाज को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में और अधिक सशक्त भागीदारी देने का कार्य करेगा।

प्राकृतिक खेती वर्तमान समय की आवश्यकता

राष्ट्रपति ने प्राकृतिक खेती को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों और विदेशी पेस्टीसाइड के अत्यधिक उपयोग ने भूमि की उर्वरता और मानव स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित किया है। अब देश प्राकृतिक खेती की ओर लौट रहा है, जो शरीर और मन दोनों के लिए लाभकारी है। उन्होंने कहा कि प्रकृति से जुड़ाव और सर्वमंगलकारी सोच आदिवासी समाज की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, ब्रह्मकुमारी संस्थान के उड़ीसा प्रभारी नथमल भाई, भोपाल जोन की क्षेत्रीय निदेशक शैलजा दीदी और बैतूल प्रभारी मंजू दीदी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

एफएसएसएआई का कड़ा निर्देश- खाद्य कारोबारों में जंग लगे चाकू ना हों

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने देशभर के खाद्य कारोबारियों को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। इस निर्देश में खाद्य पदार्थों को संभालने और उनकी प्रोसेसिंग के दौरान केवल फूड-ग्रेड और जंग-रोधी चाकू, ब्लेड तथा अन्य काटने वाले उपकरणों का ही उपयोग करने पर ज़ोर दिया है। एफएसएसएआई ने उन रिपोर्टों पर गंभीर चिंता जाहिर की है, जिनमें कहा गया था कि कुछ खाद्य कारोबारी खाना बनाने, प्रोसेस करने, काटने और पैकेजिंग जैसे कार्यों में जंग लगे, खराब, टूटे-फूटे, पेंट किए हुए या किसी भी तरह से इस्तेमाल के लायक न रहे कटिंग टूल्स का उपयोग कर रहे थे।

नियामक ने स्पष्ट किया है कि इसतरह के उपकरणों का इस्तेमाल खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है, क्योंकि इससे खाद्य उत्पादों में भौतिक, रासायनिक और माइक्रोबायोलॉजिकल, संदूषण हो सकता है। यह तरीका फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (फूड बिजनेस की लाइसेंसिंग और रजिस्ट्रेशन) रेगुलेशंस, 2011 के शेड्यूल 4 में बताई गई साफ-सफाई की जरूरतों का सीधा उल्लंघन है।

मौजूदा खाद्य सुरक्षा नियमों के अनुसार, खाने के रखरखाव, तैयारी, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और स्टोरेज में इस्तेमाल होने वाले सभी उपकरण, बर्तन और खाने के संपर्क में आने वाली सतहें फूड-ग्रेड, नॉन-टॉक्सिक और जंग-रोधी सामग्री से बनी होनी चाहिए। एफएसएसएआई ने निर्देश दिया है कि सभी चाकू, ब्लेड और काटने वाले उपकरण अच्छी साफ-सफाई वाली हालत में हों, उसमें जंग, खराबी, दरार, टुकड़े टूटना, पेंट या कोई ऐसी कमी न हो जिससे खाना दूषित हो सके।

बागी गुट को डर - कांग्रेस में खुद की पार्टी का विलय कर सकते हैं उद्धव

नई दिल्ली । शिवसेना उद्धव के बागी सांसदों ने इस बात की आशंका जताई है कि शिवसेना उद्धव भविष्य में कांग्रेस के साथ विलय की ओर बढ़ सकती है। बताया जा रहा है कि लोकसभा अध्यक्ष को पत्र में यह तर्क दिया गया है कि मौजूदा नेतृत्व के तहत पार्टी की वैचारिक दिशा अब बालासाहेब ठाकरे के विजन को नहीं दर्शाती है। सूत्रों ने बताया कि बागी सांसदों ने औपचारिक रूप से अलग होने से पहले एक प्रस्ताव पारित किया। कथित तौर पर इस प्रस्ताव में कहा गया है कि शिवसेना का गठन कभी भी कांग्रेस इकोसिस्टम का हिस्सा बनने के लिए नहीं किया गया था। प्रस्ताव में दोनों पार्टियों के बीच बढ़ती वैचारिक निकटता पर चिंता जताई गई है।

शिवसेना उद्धव के बागी छह सांसदों का कहना है कि उन्होंने कोई अलग गुट नहीं बनाया है, बल्कि वे एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त शिवसेना में शामिल हो गए हैं। सूत्रों ने इस ऑपरेशन के आखिरी चरण की जानकारी भी दी है। बुधवार रात, एकनाथ शिंदे ने इन छह सांसदों के साथ करीब आधे घंटे तक बातचीत की। खबरों के मुताबिक, शिंदे गुट के वरिष्ठ नेताओं ने बताया कि ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है और सांसदों को पूरा राजनीतिक समर्थन देने का भरोसा दिलाया। बातचीत की जानकारी रखने वाले सूत्रों के मुताबिक, बागी गुट को यह संदेश दिया गया कि कोई कहीं नहीं गया है। हम सब साथ हैं। शिंदे ने सांसदों को यह भरोसा भी दिलाया कि आगे होने वाली राजनीतिक और कानूनी लड़ाई में वह मजबूती से उनके साथ खड़े रहेंगे।

शिंदे गुट के सूत्रों का कहना है कि छह में से किसी भी सांसद के उद्धव ठाकरे गुट की बुलाई गई संसदीय दल की बैठक में शामिल होने की उम्मीद नहीं थी और यह गुट पूरे दिन पार्टी नेतृत्व के संपर्क में रहा।

इस राजनीतिक टकराव से सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं पैदा हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, शिवसेना उद्धव नेताओं की ओर से छह बागी सांसदों के खिलाफ विवादास्पद बयान दिए जाने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने महाराष्ट्र पुलिस को उनकी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने बताया कि सांसदों के आवासों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए जाने की उम्मीद है और इन नेताओं के लिए सुरक्षा घेरा बढ़ाने की मंजूरी दे दी गई है।

बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने कहा कि बागी सांसदों को पार्टी की ओर से जारी नोटिस का जवाब देना होगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि बैठक के दौरान हो रही गतिविधियों की जानकारी टेलीफोन पर उद्धव ठाकरे को दी जा रही थी।

उम्मीद है कि ये छह सांसद 20 जून को एकनाथ शिंदे से मिलेंगे। उस बैठक के बाद, वे स्पीकर के साथ हुई बातचीत और शिवसेना उद्धव छोड़ने के कारणों का ब्योरा देने वाले दस्तावेज सार्वजनिक कर सकते हैं। इससे शिवसेना के दोनों विरोधी गुटों के बीच राजनीतिक और कानूनी टकराव का एक नया दौर शुरू हो सकता है।

राजा भोज पर टिप्पणी से भड़का पवार समाज, पूर्व सांसद कंकर मुंजारे के घर के सामने उग्र प्रदर्शन

माफी और एफआईआर की मांग को लेकर सैकड़ों समाजजन सड़कों पर उतरे, पुतला दहन कर सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पवार समाज के आराध्य चक्रवर्ती सम्राट राजा भोज को लेकर पूर्व सांसद कंकर मुंजारे द्वारा दिए गए कथित बयान के विरोध में पवार समाज ने ब डे प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में समाजजन पहले स्थानीय पीजी कॉलेज स्थित पवार छात्रावास में एकत्रित हुए, जहां से आक्रोश रैली निकालकर पूर्व सांसद के निवास की ओर कूच किया गया। रैली के दौरान समाज के लोगों ने कंकर मुंजारे का पुतला साथ लेकर नारेबाजी की और उनके निवास के सामने पहुंचकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि राजा भोज को लेकर की गई टिप्पणी से समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने मांग की कि पूर्व सांसद सार्वजनिक रूप से माफी मांगें, अन्यथा उनके खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज की जाए। जैसे ही बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी पूर्व सांसद के घर के सामने पहुंचे, माहौल तनावपूर्ण हो गया। प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की और कंकर मुंजारे के खिलाफ विरोध जताया। इसी दौरान पूर्व सांसद भी घर से बाहर आए और उन्होंने इस प्रकार किए जा रहे प्रदर्शन पर आपत्ति जताई। प्रदर्शन के दौरान समाज के कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन भी किया। इसके बाद प्रदर्शनकारी लगातार माफी मांगने और कानूनी कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। हालांकि पूर्व सांसद ने माफी मांगने से स्पष्ट इनकार कर दिया, जिसके बाद प्रदर्शन और उग्र हो गया। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब कुछ प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठ गए और मार्ग अवरुद्ध कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। बढ़ते तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों और पूर्व सांसद के समर्थकों को अलग-अलग कर माहौल शांत कराया।

हाल ही में लोकार्पित हुए गर्रा रेलवे क्रॉसिंग स्थित राजा भोज ओवरब्रिज के नामकरण को लेकर शुरू हुआ विवाद अब सड़कों पर पहुंच गया है। पूर्व सांसद कंकर मुंजारे द्वारा ओवरब्रिज के नामकरण पर दिए गए बयान के विरोध में 18 जून को पवार समाज ने बड़ा प्रदर्शन करते हुए रैली निकाली, पूर्व सांसद के निवास के सामने विरोध दर्ज कराया और उनका पुतला दहन किया। बाद में समाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। दरअसल, ओवरब्रिज का नाम सम्राट राजा भोज के नाम पर रखे जाने के बाद पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने एक वीडियो बयान जारी किया था। उन्होंने कहा था कि किसी भी सार्वजनिक संरचना का नाम उन महापुरुषों के नाम पर होना चाहिए जिनका जिले के विकास और इतिहास में प्रत्यक्ष योगदान रहा हो। उन्होंने सवाल उठाया था कि बालाघाट जिले के संदर्भ में राजा भोज का क्या योगदान रहा है और इसी आधार पर नामकरण पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। पूर्व सांसद के इस बयान के बाद पवार समाज में नाराजगी फैल गई। समाज के पदाधिकारियों ने पहले प्रेस वार्ता आयोजित कर बयान की निंदा की थी और चेतावनी दी थी कि यदि बयान वापस नहीं लिया गया तो विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसी क्रम में गुरूवार को जिले सहित छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से भी बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु बालाघाट पहुंचे। पवार समाज के लोग स्थानीय पीजी कॉलेज स्थित छात्रावास परिसर में एकत्र हुए, जहां से सैकड़ों की संख्या में रैली निकाली गई। रैली गोंदिया रोड होते हुए पूर्व सांसद कंकर मुंजारे के निवास के पास पहुंची। यहां प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए पूर्व सांसद से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और अपने बयान को वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान माहौल उस समय और गर्मा गया जब पूर्व सांसद स्वयं घर से बाहर आ गए। प्रदर्शनकारियों और पूर्व सांसद के बीच तीखी बहस की स्थिति निर्मित हो गई। पवार समाज के लोगों का कहना था कि सम्राट राजा भोज केवल पवार समाज ही नहीं बल्कि पूरे समाज के गौरव हैं और उनके संबंध में इस प्रकार की टिप्पणी स्वीकार नहीं की जा सकती। आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने पूर्व सांसद का पुतला भी जलाया और कुछ समय तक सड़क पर धरना देकर विरोध जताया। प्रदर्शन लगभग दो से ढाई घंटे तक चलता रहा। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल लगातार मौके पर मौजूद रहा और बाद में पुलिस अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर माहौल शांत कराया। इसके बाद पवार समाज के पदाधिकारी और सामाजिक बंधु पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर पूर्व सांसद के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की मांग की।

इसी प्रकार के प्रदर्शन की आवश्यकता थी - विशाल बिसेन

समाज के राष्ट्रीय पदाधिकारियों और जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने कहा कि यदि पूर्व सांसद अपने बयान के लिए माफी नहीं मांगते हैं तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। विशाल बिसेन ने यह भी कहा कि पूर्व सांसद कंकर मुंजारे की नजर में हर चुनाव जीतने वाला प्रत्याशी गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो भी व्यक्ति, प्रशासनिक अधिकारी, एसपी ,कलेक्टर सब उनकी नजर में गलत है। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन उसी भाषा में किया गया, जिसे कंकर मुंजारे समझते हैं, इसलिए उग्र प्रदर्शन की आवश्यकता महसूस हुई। विशाल बिसेन ने कहा कि किसी को भी यह अधिकार नहीं है कि वह किसी व्यक्ति , समाज को यह बताए कि उसका आराध्य कौन होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी भी समाज के महापुरुष , आराध्य के प्रति अपमानजनक टिप्पणी की जाती है, तो पवार समाज उसका विरोध करेगा और उसके खिलाफ संघर्ष करेगा। उन्होंने आगे कहा कि पवार समाज की मांग है कि कंकर मुंजारे के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर एफआईआर दर्ज की जाए। उनका कहना था कि जब तक उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक समाज शांत नहीं बैठेगा।

अपमानजनक शब्द नहीं कहा था, मैं भी उनका सम्मान करता हूं - कंकर मुंजारे

पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदर्शन को अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के घर के सामने इस प्रकार का प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक परंपराओं के विपरीत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने अपने बयान में राजा भोज के लिए कोई अपमानजनक शब्द नहीं कहा था और वह स्वयं उनका सम्मान करते हैं। उनका कहना था कि उन्होंने केवल यह सवाल उठाया था कि बालाघाट जिले के संदर्भ में नामकरण किन आधारों पर किया गया। पूर्व सांसद ने आरोप लगाया कि पूरा विवाद अनावश्यक रूप से बढ़ाया गया है और यह आंदोलन राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रतीत होता है। उन्होंने यह भी कहा कि ओवरब्रिज निर्माण में फुटपाथ और अन्य तकनीकी कमियों से ध्यान हटाने के लिए नामकरण के मुद्दे को प्रमुखता दी जा रही है।

किसी प्रकार का टकराव और अप्रिय घटना नहीं हुई - मयंक तिवारी

इधर नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने बताया कि पवार समाज द्वारा किया गया प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा। प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही। समाज की ओर से ज्ञापन प्राप्त हुआ है और उसमें की गई मांगों के संबंध में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदर्शन के दौरान किसी प्रकार का गंभीर टकराव और अप्रिय घटना नहीं हुई।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHI
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

बाघ नदी में मिला अज्ञात युवक का शव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रजेगांव के समीप बाघ नदी से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर पहचान कराने का प्रयास किया। लेकिन मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 जून की दोपहर रजेगांव के कुछ लोग किसी काम से बाघ नदी की ओर गए थे। इसी दौरान उन्होंने नदी में एक व्यक्ति का शव तैरता हुआ देखा। मामले की सूचना तत्काल रजेगांव पुलिस चौकी को दी गई।सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को नदी के पानी से बाहर निकलवाया। मौके पर मौजूद लोगों से पहचान कराने का प्रयास किया गया।लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो पाई।बताया जा रहा है कि मृतक मजदूर वर्ग का प्रतीत हो रहा है तथा उसके इसी क्षेत्र का निवासी होने की संभावना जताई जा रही है। मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई गई है। उसने काले रंग की पैंट, लाइनिंग वाली शर्ट तथा गले में काला धागा पहन रखा था।पुलिस ने शव को किरनापुर अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। वहीं मामले की जांच कर मृतक की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

सांसद भारती पारधी 19 जून को बैहर क्षेत्र के दौरे पर रहेंगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 19 जून 2026 को बैहर क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे विभिन्न ग्रामों एवं नगर क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होकर विकास कार्यों का शुभारंभ करेंगी तथा वरिष्ठ नागरिकों और प्रबुद्धजनों का सम्मान करेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सांसद श्रीमती पारधी प्रातः 9:30 बजे रूपझर के लिए प्रस्थान करेंगी। इसके बाद प्रातः 10:30 बजे ग्राम रूपझर में भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर प्रबुद्धजनों का सम्मान करेंगी। प्रातः 11:30 बजे बैहर नगर परिषद कार्यालय में आयोजित अमृत जल प्रबंधन परियोजना के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगी तथा प्रबुद्धजनों का सम्मान करेंगी। इसके पश्चात दोपहर 12:45 बजे भंडेरी स्थित बाबा मंडी मंदिर परिसर में सामुदायिक भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लेंगी। दोपहर 2:30 बजे सांसद पारधी ग्राम मरारीटोला बिरसा में आयोजित शक्ति केंद्र की बैठक एवं प्रबुद्धजन सम्मान कार्यक्रम में शामिल होंगी। इसके बाद दोपहर 3:30 बजे ग्राम निक ?कुम तथा शाम 4:30 बजे जानपुर बिरसा में आयोजित शक्ति केंद्र बैठकों में सहभागिता कर कार्यकर्ताओं एवं प्रबुद्धजनों से संवाद करेंगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट